हिंदी दैनिक

# कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe Koylanchal samvad news

रांची, सोमवार, 23 मार्च, 2026 वर्ष : 13 अंक : 296 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

असम चुनाव-कांग्रेस से आए सांसद को टिकट देने पर नाराजगी: जिन... | ईरान, अमेरिका- इजरायल युद्ध में भारत को 15 से... | भारत के कोर सेक्टर की रफ्तार पर ब्रेक: फरवरी में ग्रोथ घटकर...

### अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 23वां दिन: ईरान की स्पीकर मोहम्मद बाकिर ने कहा ऐसे हमले का तुरंत जवाब दिया जाएगा

# ईरान ने इजराइल पर 4 मिसाइलें दागीं: 300 लोग घायल; ट्रम्प ने होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी:** ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था। यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा- अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा।

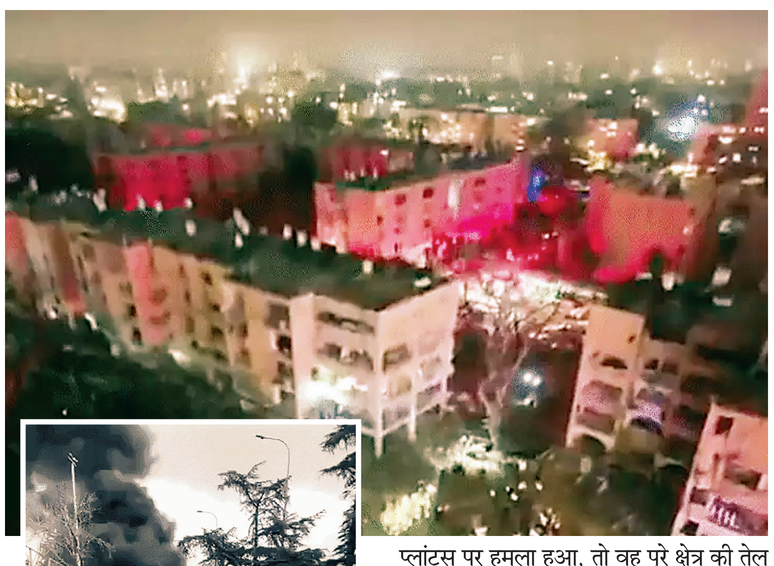

### ईरान बोला- ब्रिक्स देश हमला रोकने में रोल निभाएं

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

### ईरान ने पूरे इलाके के ऑयल ठिकानों पर हमले की धमकी दी

ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट्स पर हमला हुआ, तो वह पूरे क्षेत्र की तेल और ऊर्जा से जुड़ी जगहों को निशाना बनाएगा। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबफ ने कहा कि ऐसे हमले का तुरंत जवाब दिया जाएगा और तेल-गैस से जुड़ी अहम जगहों को भारी नुकसान पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसा हुआ तो तेल की कीमतें लंबे समय तक बढ़ सकती हैं और इसका असर दुनिया भर में पड़ेगा।

### नेतन्याहू बोले- दुनिया के देश ईरान के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों

बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया के देशों से कहा है कि वे अमेरिका और इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों। नेतन्याहू ने आरोप लगाया कि ईरान आम लोगों को निशाना बना रहा है। उन्होंने यह बात इजराइल के शहर अरद में कही, जहां हाल ही में हमला हुआ था। उनका कहना है कि कुछ देश पहले ही उनका साथ देने की तैयारी कर रहे हैं।

### ओमान ने ईरान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाला

ओमान ने कहा है कि उसने ईरान में फंसे अपने कुछ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सरकार के मुताबिक, लोगों को सड़क और हवाई रास्ते से वापस लाया गया। इस काम में अलग-अलग जगहों पर मौजूद दूतावासों की मदद ली गई। ओमान सरकार ने कहा है कि वह विदेश में रह रहे अपने सभी नागरिकों पर 24 घंटे नजर रख रही है, ताकि उनकी सुरक्षा बनी रहे।

## अमेरिका से एलपीजी, रूस से क्रूड लेकर भारत पहुंचा शिप: गैस-कच्चा तेल लेकर 5 जहाज भारत आ चुके

**बेंगलुरु:** अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य एलपीजी कैरियर एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20% ऑयल की सप्लाई होती है।

**राज्यों को 23 मार्च से 20% ज्यादा गैस मिलेगी:** केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को प्राथमिकता दी जाए।

## दावा-ईरान ने हीट ट्रैंकिंग मिसाइल से अमेरिकी F-35 को गिराया

**तेहरान:** ईरान ने 19 मार्च को दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट F-35 को गिराने का दावा किया। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। F-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है। यह सबसे प्रीमियम फाइटर जेट है, जिसे खास तौर पर इस तरह बनाया गया है कि वह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में भी बिना पकड़े घुसकर हमला कर सके। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने F-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि F-35 भले ही रडार से बचने में सक्षम हो, लेकिन उसके इंजन से निकलने वाली गर्मी को पूरी तरह छिपाया नहीं जा सकता। वहीं, सीएनएन ने भी सूत्रों के हवाले से बताया था कि ईरान के हमलों की वजह से F-35 को मिडिल ईस्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है।

### नक्सलियों के पास अब बचे हैं सिर्फ 9 दिन

# झारखंड से छत्तीसगढ़ सीमा तक पुलिस और सुरक्षाबलों ने छेड़ा अभियान

**लातेहार:** जिले में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक अभियान शुरू हो गया है. पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमें नक्सलियों के पूर्ण उन्मूलन के लिए छत्तीसगढ़ की सीमा तक जंगलों में अभियान चला रही हैं. नक्सलियों की सप्लाई चेन को भी पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है. सशस्त्र सीमा बल 32वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश सिंह ने कहा है कि नक्सलियों के पास अब कुछ ही दिन बचे हैं. उनके पास अब केवल एक ही रास्ता बचा है आत्मसमर्पण कर अपने जीवन की रक्षा करना.

दरअसल, केंद्र सरकार ने 31 मार्च तक पूरे देश को नक्सली मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है. इसी लक्ष्य के अनुरूप लातेहार जिले को भी 31 मार्च तक पूरी तरह नक्सली मुक्त बनाने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमें लगातार सक्रिय हैं. पिछले कुछ दिनों से जिले में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक अभियान शुरू किया गया है, जिसमें सशस्त्र सीमा बल 32वीं बटालियन की पांच कंपनियों के साथ-साथ जिला पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बलों की टीमें जुटी हुई हैं. इन टीमों ने लातेहार के सभी संभावित जंगलों के साथ छत्तीसगढ़ की सीमा तक नक्सलियों को घेरने के लिए पूर्णप्रूफ योजना तैयार की है. जानकारी के अनुसार, लातेहार जिले में वर्तमान में माओवादी के तीन और जेजेएमपी के दो नक्सली सक्रिय हैं. माओवादी नक्सलियों में 5 लाख का इनामी सबजोनल कमांडर सुखलाल बृजिया, 5 लाख का इनामी सबजोनल कमांडर राजू भुइयां और 5 लाख का इनामी सबजोनल कमांडर अनिल तुरी शामिल हैं. हालांकि, रिजनल कमांडर 15 लाख का इनामी रविंद्र गंझू और जोनल कमांडर मनोहर गंझू का नाम भी सूची में शामिल है. वहीं, जेजेएमपी नक्सली संगठन में 5 लाख का इनामी रामदेव लोहरा और 5 लाख का इनामी शिवा शामिल हैं. ये सभी नक्सली पुलिस और सुरक्षा बलों के निशाने पर हैं.

### नक्सलियों की सप्लाई चेन ध्वस्त

इस संबंध में जानकारी देते हुए सशस्त्र सीमा बल 32वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश सिंह ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से नक्सलियों की सप्लाई चेन पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है. उन्होंने कहा कि नक्सलियों को सहयोग करने वाले लोग भी अब पुलिस और सुरक्षा बलों के निशाने पर हैं. सप्लाई चेन ध्वस्त होने के कारण ही कुछ दिन पहले दो बड़े नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई थी.

### आत्मसमर्पण ही एकमात्र रास्ता

सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेश सिंह ने कहा कि नक्सलियों के पास अपनी जान बचाने के लिए अब केवल एक ही रास्ता बचा है, हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना और समाज की मुख्यधारा में शामिल होना. आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकारी प्रावधानों के तहत सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उनका जीवन सुरक्षित रहेगा.

### युद्ध के बीच ईरान का सबसे बड़ा नोट लांच, कीमत 1 करोड़ रियाल, पर रुपये के सामने बौनी

ईरान इस समय युद्ध और आर्थिक संकट दोनों का सामना कर रहा है. इसी बीच सरकार ने 1 करोड़ रियाल का नया नोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा बैंकनोट है. हैरानी की बात यह है कि इसकी कीमत सिर्फ करीब 7 डॉलर, यानी लगभग 650 रुपये के बराबर है. इस गुलाबी रंग के नोट के सामने 9वीं सदी की जामे मस्जिद (यज्द) की तस्वीर है, जबकि पीछे 2,500 साल पुराने ऐतिहासिक बाम किले को दिखाया गया है. इससे पहले फरवरी की शुरुआत में 50 लाख रियाल का नोट जारी हुआ था, लेकिन अब यह नया नोट उससे भी बड़ा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह नोट बाजार में आ चुका है. सरकार का कहना है कि इसे लोगों तक नकदी आसानी से पहुंचाने के लिए लाया गया है, हालांकि डिजिटल भुगतान को ही प्राथमिकता दी जा रही है. इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं और कई मशीनों में पैसे खत्म हो चुके हैं. लोगों को डर है कि अमेरिका और इजरायल के साथ तनाव के कारण इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सिस्टम कभी भी ठप हो सकता है, इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा नकदी निकाल रहे हैं.

# कांग्रेस से निष्कासित योगेंद्र साव का बयान- पार्टी के अंदर ही हैं कांग्रेस के किलर!

**रांची:** पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव का झारखंड कांग्रेस से तीन वर्षों के लिए निष्कासन पर सियासी बयानबाजी हो रही है. योगेंद्र साव ने बिना शो कॉज के अपने निष्कासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये लोग तब कहां थे जब हम विस्थापन की लड़ाई लड़ रहे थे. योगेंद्र साव ने कहा कि वह जब विस्थापन की लड़ाई लड़ रहे थे तब ये लोग कहां थे. आज जब उनकी नियम को ताक पर रखकर फैक्ट्री और घर को तोड़ा गया. तब उन्होंने कुछ बात कह दी तो बिना शो कॉज के उन्हें निष्कासित कर दिया गया, जबकि उन्होंने कभी भी कांग्रेस के खिलाफ कोई काम नहीं किया है. योगेंद्र साव ने कहा कि दरअसल झारखंड कांग्रेस के नेता राज्य में कांग्रेस को मजबूत होते नहीं देखना चाहते, इसलिए वह सरकार की चाटुकारिता में लगे रहते हैं. उन्होंने कहा कि वह 1984 से कांग्रेस में हैं, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की विचारधारा के साथ पार्टी में आये थे, आज भी राहुल गांधी, प्रियंका गांधी उनके आइडियल नेता हैं. कांग्रेस राज्य में कभी मजबूत नहीं होगी क्योंकि कांग्रेस के किलर पार्टी के अंदर ही बैठे हैं. योगेंद्र साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सरकार चला रही है या सरकार के इशारे पर कांग्रेस चल रही है, यह बड़ा सवाल है.

**'कोई कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो, अनुशासन सबसे जरूरी':** पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के निष्कासित नेता योगेंद्र साव के आरोपों को निराधार बताते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस का हर फैसला, कांग्रेस पार्टी का फैसला होता है. वह किसी के दवाब में नहीं लिया जाता है. योगेंद्र साव पर महागठबंधन की सरकार के मुखिया को लगातार टारगेट कर रहे थे, ऐसे में कार्रवाई जरूरी था.

### योगेंद्र साव की उदंडता मुख्य वजह, कोर्ट का फैसला मानना ही होता है- सुप्रियो

वहीं योगेंद्र साव द्वारा लगातार हेमंत सोरेन और सरकार पर निशाना साधने के सवाल पर झामुमो ने प्रतिक्रिया दी. पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि योगेंद्र साव को यह समझना चाहिए कि हेमंत सोरेन, राज्य के मुख्यमंत्री हैं, वह कोर्ट या जज नहीं हैं. जो भी फैसला न्यायालय का आता है, उसका पालन, प्रशासन को करना होता है. उन्होंने कहा कि अगर उन्हें लगता है कि कुछ गलत हुआ है तो अपीलेट कोर्ट में जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि योगेंद्र साव का व्यवहार और उनकी उदंडता की वजह से ही उनका घर तोड़ा गया है.

## नहाय-खाय के साथ महापर्व छठ शुरू, सोमवार को खरना

**रांची:** लोक आस्था का महापर्व चैती छठ रविवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया. व्रतियों ने सुबह स्नान कर शुद्धता के साथ लौकी-भात तैयार किया और विधि-विधान से ग्रहण किया. इसके साथ ही तीन दिवसीय इस पवित्र पर्व की शुरुआत हुई और पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिला. छठ पूजा को लेकर प्रशासन और स्थानीय लोगों द्वारा नदी घाटों की साफ-सफाई पहले ही पूरी कर ली गई है. रविवार को लौकी-भात का सेवन करने के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया. यह छठ पर्व का सबसे कठिन हिस्सा माना जाता है, जिसमें व्रती पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ बिना जल ग्रहण किए व्रत करते हैं. चैती छठ के तहत सोमवार को खरना किया जाएगा. इस दिन व्रती आम लकड़ी से खीर और रोटी का प्रसाद तैयार करेंगे और भगवान भास्कर तथा छठी मैया को अर्पित करेंगे. इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर अपने परिवार और परिचितों में बांटेंगे. मंगलवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे, जबकि बुधवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे. इस दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है.

## मोदी की पश्चिम एशिया के हालात पर हाई लेवल बैठक: शाह-नड्डा, पुरी समेत सीनियर लीडर मौजूद; गैस-तेल और ऊर्जा की स्थिति पर चर्चा

**नई दिल्ली:** अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग के कारण पश्चिम एशिया में बने संघर्ष के हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग की। इसमें पेट्रोलियम, कच्चा तेल, गैस, बिजली और फर्टिलाइजर्स की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू, रेल और आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव समेत अन्य सीनियर लीडर मौजूद हैं। मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार तेल, गैस, खाद की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए पहले से ही सक्रिय कदम उठा रही है. 12 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दिया है. उन्होंने कहा था कि यह देश के लोगों के धैर्य और समझदारी की भी परीक्षा है. पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनौती का सामना शांति, धैर्य और जन-जागरूकता के साथ करना होगा.

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ग्लोबल सप्लाई चेन में आई बाधाओं को दूर करने के लिए लगातार काम कर रही है. उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं कि सप्लाई चेन में आई रुकावटों को कैसे दूर किया जाए.' 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद हालात और बिगड़ गए हैं. जवाब में ईरान ने इजरायल और खाड़ी देशों पर हमले किए हैं. ईरान के नियंत्रण में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बेहद अहम समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया की लगभग 20% ऊर्जा आपूर्ति होती है. संघर्ष के बाद से यहां जहाजों की आवाजाही काफी सीमित हो गई है. इसका असर भारत समेत कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा है. स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजरायल और ईरान के नेताओं से फोन पर बातचीत भी की है.

अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं।

## खेलो इंडिया मूल्यांकन शिविर 2026: झारखंड के तीन उभरते वॉलीबॉल खिलाड़ियों का चयन

**रांची:** झारखंड के वॉलीबॉल खेल के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है. भारत सरकार की महत्वाकांक्षी खेलो इंडिया असेसमेंट कैंप 2026 के लिए राज्य के तीन उभरते खिलाड़ियों का चयन किया गया है. यह चयन राज्य की खेल प्रतिभा और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन का प्रमाण है.

**तीनों खिलाड़ियों ने बनाई अपने प्रदर्शन के दम पर पहचान:** चयनित खिलाड़ियों में माज खान, आकाश कुमार तांती और आयुष झा शामिल हैं. इन तीनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है और अब उन्हें आगे तराशने के लिए इस प्रतिष्ठित शिविर में मौका मिला है. माज खान, जिनका संबंध झारखंड से है, वॉलीबॉल में रिसीवर हमलावर की भूमिका निभाते हैं. उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके आधार पर उनका चयन इस असेसमेंट कैंप के लिए हुआ. उनकी फुर्ती, आक्रामक खेल शैली और कोर्ट पर नियंत्रण उन्हें एक मजबूत खिलाड़ी बनाता है. वहीं आकाश कुमार तांती को मध्य अवरोधक (मिडिल ब्लॉकर) के रूप में चुना गया है. उन्होंने एसजीएफआई अंडर-14 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया. उनकी ऊंचाई, टाइमिंग और ब्लॉकिंग क्षमता टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है. आयुष झा का चयन बैठाने वाला (सेटर) के रूप में हुआ है. उन्होंने भी एसजीएफआई अंडर-14 राष्ट्रीय स्तर पर शानदार खेल दिखाया. खेल को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता और सटीक सेटिंग उन्हें टीम का अहम हिस्सा बनाती है. यह मूल्यांकन शिविर 7 अप्रैल 2026 से अहमदाबाद, गुजरात स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगा. इस कैंप का उद्देश्य देशभर से चुने गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देना और भविष्य की भारतीय वॉलीबॉल टीम के लिए मजबूत आधार तैयार करना है.

## संक्षिप्त खबरें...

### हजारीबाग में धूमधाम से मनाया गया प्रकृति पर्व सरहुल, पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह हुए शामिल

हजारीबाग। प्रकृति के पावन पर्व सरहुल के अवसर पर आज स्थानीय सरहुल मैदान में पारंपरिक रीति-रिवाजों और अपार उत्साह के साथ भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आदिवासी परंपराओं की अनुपम झलक देखने को मिली।इस विशेष अवसर पर सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष महेंद्र उरांव (बैंक), मुख्य पहान बंधन तिग्गा एवं सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष पवन तिग्गा ने अंग वस्त्र भेंट कर और पारंपरिक विधि-विधान से उनका भव्य स्वागत किया।सभा को संबोधित करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा, "सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, साल (सखुआ) वृक्ष और धरती माता के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है।उत्सव के दौरान पारंपरिक मांदर की थाप पर युवक-युवतियों ने मनमोहक नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा माहौल उल्लासपूर्ण हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया।मुख्य रूप आदिवासी नेता विक्की कुमार धान युवा कांग्रेस की नेत्री कमल राज दिनेश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

### बिना नोटिस का पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को कांग्रेस से निकाला जाना दुर्भाग्यपूर्ण - जगत नंदन प्रसाद गुप्ता

बड़कागांव(हजारीबाग)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा बिना कारण के नोटिस दिए पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को निष्कासित करना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस प्रकार की एक तरफा कार्रवाई किया जाना पूर्वाग्रह से ग्रसित होना प्रतीत होता है। इसमें प्रदेश का किसी न किसी व्यक्ति विशेष का अपना व्यक्तिगत बदले की भावना बू आ रही है। उक्त बातें बड़कागांव प्रखंड के कांग्रेस नेता नापोकला निवासी जगत नंदन प्रसाद गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कही है। श्री गुप्ता ने कहा कि बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड विस्थापन की दंश झेल रही है। ग्रामीणों के आवाज उठाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है। एकमात्र नेता योगेंद्र साव मुखर होकर कंपनी का विरोध कई वर्षों से कर रहे हैं। केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व इनका साथ देने के बजाय इन पर कार्रवाई करते हुए पार्टी से ही निकाला जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे झारखंड में कांग्रेस पार्टी कमजोर के सिवाय मजबूत होने वाली नहीं है। पूरे देश में कांग्रेस के प्रति लोगों का अविश्वास चल रही है। इस परिस्थिति में पार्टी को मजबूत करने शिवाय और कमजोर किया जा रहा है। हम बड़कागांव के कांग्रेसी इसकी घोर निंदा करते हैं।

### पुन्दोल में पंचायत स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू, 8 टीमों ने लिया भाग, उद्घाटन मैच में होरम ने पुन्दोल क्रिकेट टीम को हराया

बड़कागांव(हजारीबाग)। चंदौल पंचायत के पुन्दोल गांव बड़कीबागी खेल मैदान में समाजसेवी विनोद यादव के सौजन्य से पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।मुख्य अतिथि बड़कागांव पश्चिमी जिप सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम ने बैटिंग कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच पुन्दोल क्रिकेट टीम एवं होरम क्रिकेट टीम के बीच खेली गई। पहले बैटिंग करते हुए होरम क्रिकेट टीम के कप्तान रघुनाथ के बेहतरीन पारी के बदौलत निर्धारित 14 ओवर में 136 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसका पीछा करते हुए पुन्दोल क्रिकेट टीम ने निर्धारित ओवर में 117 रन बना पाई। होरम क्रिकेट टीम ने मैच जीत कर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया है। मुख्य अतिथि मोहम्मद इब्राहिम ने कहा कि जो भी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी उन सभी चारों टीमों को मैं बैट एवं बॉल उपहार में दूंगा। आप खिलाड़ी अपने भविष्य की लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, आपको कॉस्को बॉल से आगे ड्यूज बॉल पर विशेष ध्यान देना होगा तभी आप राज्य एवं देश स्तर पर खेल सकते हैं। संचालन आयोजक टीम के संरक्षक उप मुखिया शमशेर आलम ने किया। मौके पर विशिष्ट अतिथि में वार्ड सदस्य देवी , दिनेश्वर पासवान, अवधेश सिंह, मोहम्मद मुस्तकीम, संतोष सिंह ,प्रभु यादव ,महेंद्र यादव,आयोजक टीम में अध्यक्ष विकास पांडे ,मोहम्मद हफीज, रघुनाथ यादव जितेंद्र नारायण सिंह ,राहुल पासवान ,मोहम्मद असलम के अलावा अन्य कई उपस्थित थे।

### झामुमो का 47 वाँ स्थापना दिवस तैयारी को लेकर बैठक, संजीव बेदिया हुए शामिल

बड़कागांव(हजारीबाग)। झारखंड मुक्ति मोर्चा की 47 वां स्थापना दिवस 4 अप्रैल को मानने को लेकर बड़का गांव पश्चिम पंचायत भवन में झारखंड मुक्ति मोर्चा की अहम बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता बड़कागांव झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह एवं संचालन इंद्रदेव राम ने किया। तैयारी बैठक में मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारिणी सदस्य सह हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया एवं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी शामिल हुए और तैयारी का जायजा लिया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं से कहा गया कि स्थापना दिवस 4 अप्रैल को हजारीबाग में मनाई जाएगी समय कम है । तैयारी में जोर लगाए ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह,हेमंत भुइयां, झामुमो मीडिया प्रभारी सह सोशल मीडिया आईटी सेल संजय भुइयां,रेशमी टुडू, विशेश्वर राम, संजय भुइयां,सरोज महेता, जगदेव गंझू, रामचंद्र भुइयां, हरिलाल मांझी, सूरज वर्मा, रामसागर महतो,नंदकिशोर भुइयां,अनुज कुमार, बरजू राम ,फलेंद्र गंझू ,कृष्ण प्रजापति, राजेंद्र भुइयां लक्ष्मण गंझू रामवृक्ष भुइयां,बिनोद बेसरा, खेमलाल राम ,अरविंद महतो,मो हेशाम, निर्मल महतो ,मुनेश कुमार रवि, मुन्ना साव, अजय राम, प्रदीप रवि के अलावा प्रखंड के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

### अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में तीन लोग घायल, एक रेफर

बरकट्ठा(हजारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में हुई अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए। रविवार को हुई पहली मारपीट की घटना में ग्राम कपका निवासी मालती देवी 28 वर्ष पति दिनेश प्रसाद तथा दूसरी मारपीट की घटना में ग्राम गयपहाड़ी निवासी जोहरा खातून 30 वर्ष पति मोहम्मद ग्यासुद्दीन, रबिया खातून 27 वर्ष पति हसमत अली घायल हो गई। घायलों को इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहाँ से चिकित्सक ने जोहरा खातून को बेहतर इलाज के लिए, हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

# नगर निकाय प्रतिनिधियों व प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, समाज को एकजुट रहने का संदेश

## मारवाड़ी समाज अब राजनीतिक में जाग चुका है एक शक्ति के रूप में उभरेगा- बन्ना गुप्ता

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की आतिथ्य में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वाधान में मारवाड़ी भवन, रांची के बहुउद्देशीय सभागार में भव्य नगर निकाय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में नगर निकाय चुनाव में विजयी जनप्रतिनिधियों तथा यूपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाली प्रतिभा को सम्मानित कर समाज के गौरव को बढ़ाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बन्ना गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह की अध्यक्षता झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने की।

इस अवसर पर नगर निकाय चुनाव में विजयी होने वाले एक मेयर, दो अध्यक्ष,तीन उपाध्यक्ष, एवं 18 वार्ड पार्षदों,मानगो की मेयर सुधा गुप्ता, सरायकेला के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी,राजधनवार के अध्यक्ष विनय सिंथोलिया, मधुपुर के उपाध्यक्ष नरेश भारद्वाज, चाईबासा के उपाध्यक्ष विकास शर्मा, सिमडेगा के उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, झरिया की पार्षद सुमन अग्रवाल, फुसरो के पार्षद कुमार विनायक, जुगसलाई के पार्षद सत्यानारायण अग्रवाल, जुगसलाई के पार्षद सुरेश शर्मा (लिपु), जुगसलाई के पार्षद अनिल मोदी, जुगसलाई की पार्षद शिला तापड़िया चितलांगिया, साहिबगंज की पार्षद रश्मि चौधरी, साहिबगंज के पार्षद सुशील जी भरतिया, दुमका के पार्षद विकास ठाकुर, दुमका के पार्षद राज कुमार मोदी, देवघर के पार्षद विशाल सर्राफ, कोडरमा की पार्षद पिंकी जैन, कोडरमा की पार्षद चंदा शर्मा, सिमडेगा के पार्षद मनोज कुमार अग्रवाल, मधुपुर की पार्षद बीना देवी बथवाल, चाकुलिया की पार्षद इंदु देवी शर्मा, रांची के पार्षद प्रदीप कुमार अग्रवाल, बरहरवा, साहिबगंज के पार्षद अमित कुमार भारती और यूपीएससी की सफल अभ्यर्थी ईशा जैन,को अंगवस्त्र, मोमेंटो, पौधे, पुष्प गुच्छ एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह समाज के उभरते नेतृत्व और युवाओं की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय प्रयास रहा। मुख्य अतिथि बन्ना गुप्ता ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज का मनोबल ऊंचा होता है और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने समाज को एकजुट रहने, मुख्यधारा से जुड़े रहने तथा सामाजिक कुरीतियों, विशेषकर दहेज प्रथा से मुक्ति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज राजनीतिक में भी जाग चुका है और अब एक शक्ति के रूप में उभरेगा। विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि पार्षद का चुनाव अत्यंत कठिन होता है और इसमें जीत हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित और मजबूत होगा, तभी उसका प्रभाव भी व्यापक होगा। उन्होंने सभी को समाज के मनोबल को बढ़ाने और एकजुटता को बनाए रखने का आह्वान किया।

समारोह में जुगसलाई से नवनिर्वाचित मेयर सुधा गुप्ता सहित कई पार्षद, प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन, वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, जिला अध्यक्ष सज्जन पाड़िया एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समरसता पर जोर दिया।कार्यक्रम का सफल संचालन संयोजक सुभाष पटवारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष पवन कुमार शर्मा ने दिया। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र ओढ़ाकर किया गया।यह समारोह न केवल जनप्रतिनिधियों के सम्मान का अवसर बना, बल्कि समाज में एकता, जागरूकता और प्रेरणा का संदेश भी देकर गया। उक्त जानकारी देते हुए मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर-ओम प्रकाश अग्रवाल, पवन पोद्दार, संजीव विजयवर्गीय,कौशल राजगढ़िया, मनोज चौधरी, निर्मल बुधिया, अनिल अग्रवाल, अशोक नारसरिया,प्रमोद अग्रवाल, राजेंद्र केडिया ,रमन बोडा, संजय सर्राफ, प्रमोद सारस्वत, चंडी प्रसाद डालमिया, डॉ ओमप्रकाश प्रणव, किशन साबू, शिव शंकर साबू, रवि शर्मा, कृष्णा अग्रवाल, मुकेश मित्तल, गोविंद मेवाड़, विनोद महलका, शिवकुमार सर्राफ, नंदकिशोर अग्रवाल, प्रमोद छावछरिया, सुमेर सेठी, नरेश बंका, प्रदीप मिश्रा, अशोक डालमिया, मुकेश काबरा, सुरेश जैन, नेहा पटवारी, अनु पोद्दार, उषा सिंघानिया, कमल शर्मा, विजय खोवाल, सुनील पोद्दार सज्जन सर्राफ,अजय डीडवानिया, सुमित महलका, रोहित पोद्दार, रिंकू अग्रवाल, अरुण जोशी, किशन शर्मा, राजेश कौशिक, विवेक चौधरी, कृष्ण अग्रवाल, आर के चौधरी, श्याम सुंदर शर्मा, विजय सरायका, अजय खेतान सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

# भव्य कलश यात्रा के साथ श्री श्री 108 मारुतिनंदन प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ

## सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातनियों की एकजुटता अनिवार्य - मनीष जायसवाल

हज़ारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा अंतर्गत टाटीझरिया प्रखंड के डूमर पंचायत स्थित ग्राम कोल्हू में भक्ति और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहाँ नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय श्री श्री 108 मारुतिनंदन महायज्ञ का श्रीगणेश रविवार की अहले सुबह दिव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस भव्य यात्रा की शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने यज्ञ मंडप पर बजरंगबली सहित समस्त देवी-देवताओं की सविधि आराधना करने के उपरांत 401 कलश यात्रियों के माथे पर कलश रखकर कराई। गाजे- बाजे और डीजे पर थिरकते हुए और जय श्री राम के उद्घोष के बीच अनुशासित श्रद्धालु डूमर स्थित जलपना डैम से पवित्र जल भरने हेतु भक्तिभाव में झूमते हुए रवाना हुए। इस अवसर पर स्थानीय यज्ञ समिति द्वारा सांसद मनीष जायसवाल का जोरदार स्वागत फूल माला पहनाकर और भगवा वस्त्र ओढ़ाकर किया गया। यहाँ उमड़े जनसमूह संग सांसद मनीष जायसवाल ने सनातन धर्म की वर्तमान चुनौतियों पर उनसे गंभीर चर्चा की। 22 मार्च से शुरू हुआ यह भक्तिमय अनुष्ठान आगामी 26 मार्च को विशाल भंडारे और पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा।मौके पर विशेष रूप से मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, हजारीबाग जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, टाटीझरिया प्रमुख संतोष मंडल, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, उपप्रमुख रवि वर्णवाल, जिप सदस्य रामप्रसाद, पूर्व जिप सदस्य रवि सिंह, मुखिया शिबू प्रसाद सोनी, राजू यादव, रजनीकांत चौधरी, राजेश कुमार यादव, उपेंद्र पांडेय, कोडरमा सांसद प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष महेश अग्रवाल, परमेश्वर प्रसाद यादव, सुरेश प्रसाद कुशवाहा, निखिल सिंह, सुशांत सिंह, संदीप गंझू, ज्योतिष पंडा, कृष्णा साव, अनिल प्रसाद, जीवाधन प्रसाद, संतोष राम, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

# भजन गायिका शहनाज़ अख़्तर श्रद्धालुओं को आज भक्ति रस में करेंगी सराबोर

हजारीबाग। हज़ारीबाग में अंतरराष्ट्रीय श्री श्री चैत्र रामनवमी महोत्सव अपनी भव्यता, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था के लिए विश्व विख्यात है। इसी पावन अवसर पर श्रीराम उत्सव कल 23 मार्च को हजारीबाग के गांधी मैदान में शाम पांच बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है।इस कार्यक्रम का आयोजन हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज़ अख़्तर अपनी मधुर प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगी।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आज विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्वयं कार्यक्रम स्थल गांधी मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया जाए।विधायक प्रदीप प्रसाद ने हजारीबाग की समस्त जनता से आग्रह किया है कि वे इस भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवारसहित शामिल हों और इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनें।मौके पर नगर पूर्वी मंडल अध्यक्ष व वार्ड पार्षद रिंकू वर्मा, वार्ड पार्षद रामू सिन्हा , दिलीप पासवान, ज्वाला अग्रवाल, सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष शिवपाल यादव, सदर पूर्वी मंडल अध्यक्ष अजीत मेहता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थें।

# हजारीबाग यूथ विंग का भव्य रक्तदान शिविर 13 अप्रैल को, सांसद मनीष जायसवाल को सौंपा गया आमंत्रण

## 500 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य, प्रत्येक रक्तदाता को हेलमेट भेंट किया जाएगा

हज़ारीबाग। जारीबाग यूथ विंग द्वारा आगामी 13 अप्रैल दिन सोमवार को शहर के लक्ष्मी सिनेमा हॉल सभागार में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्था के एक प्रतिनिधि मंडल ने संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन एवं अध्यक्ष करण जायसवाल के निर्देश पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल से मुलाकात कर उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में संस्था के उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल,मार्गदर्शक जयप्रकाश खण्डेलवाल एवं संजय कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान सदस्यों ने रक्तदान शिविर की तैयारियों और इसके उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी। संस्था ने इस वर्ष 500 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है,जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। शिविर में रक्तदान करने वाले प्रत्येक रक्तदाता को संस्था की ओर से सड़क सुरक्षा की दृष्टिकोण से हेलमेट भेंट देकर सम्मानित किया जाएगा, वही इस कार्यक्रम में हजारीबाग पुलिस विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने संस्था की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे इस सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

# हाई मास्क लाइट का सांसद मनीष जायसवाल ने किया उद्घाटन

हजारीबाग। हज़ारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के अनुशंसा पर ओएनजीसी, बोकारो ने मांडू विधानसभा क्षेत्रवके विष्णुगढ़ के सार्वजनिक मंदिर एवं थाना चौक बाजार टांड़ में हाई मास्क लाइट का अधिष्ठान कराया है। इसका विधिवत उद्घाटन रविवार की सुबह हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने नारियल फोड़कर, फीता काटकर और स्वीच ऑन करके किया। स्वीच ऑन होते ही तालियों से यहां गुंजायमान हो उठा ।मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि विष्णुगढ़ प्रखंड क्षेत्र में करीब 50 हाई मास्ट लाइट का अधिष्ठान विभिन्न कंपनियों के सीएसआर के माध्यम से कराया जा रहा है। जिसमें शहरी क्षेत्र में बिजली आधारित और ग्रामीण इलाके में सोलर आधारित लाइट का अधिष्ठान कराया जा रहा है। प्रथम फेज के बाद दूसरे फेज में भी छुटे हुए जगहों पर लाइट अधिष्ठान कराया जाएगा ताकि क्षेत्र रोशनी से पटा रहें। सांसद मनीष जायसवाल ने ओएनजीसी बोकारो के इस पहल की सराहना की और कहा कि सामाजिक जिम्मेवारी निर्वहन करते हुए ओएनजीसी बोकारो ने जनजीवन के हित का सदैव ख्याल रखा है जो अच्छी बात है। मौके पर विशेषरूप से मांडू विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, हजारीबाग जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, स्थानीय सांसद प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार वर्णवाल उर्फ दीपू भाई, महासमिति अध्यक्ष रवि पाण्डेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल ,महासमिति के सभी पदाधिकारीगण,पूर्व महासमिति अध्यक्ष बिनोद सिंह जी,सुनील मिश्रा, शंकर वर्मन, शशि लहकर, राजू श्रीवास्तव, सुनील अकेला सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवीगण मौजूद रहे।

# 31 मार्च से 02 अप्रैल तक प्रख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता सुश्री किशोरी जी के सुमधुर वाणी से निहाल होंगे जमशेदपुरवासी, आयोजन हेतु बांटी गयी जिम्मेवारी

जमशेदपुर। शहर की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर तीन दिवसीय धार्मिक कथा 'नानी बाई रो मायरो' का आयोजन 31 मार्च से 2 अप्रैल (मंगलवार से गुरुवार) तक कर रही है। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्था से जुड़े 101 सहयोगी परिवारों द्वारा किया जा रहा है। कथा का प्रवचन विश्वविख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता पूज्या सुश्री जया किशोरी जी अपनी सुमधुर वाणी से दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक करेंगी। कथा साकची स्थित चंदूलाल अशोक कुमार भालोटिया सभागर, बोधि मंदिर मैदान (राजेन्द्र विद्यालय के बगल में) आयोजित होगी। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। तैयारियों के क्रम में रविवार को मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी बांटी गई। महिलाओं को भी विशेष जिम्मेदारियां दी गई हैं। नेहा सोंथालिया, मेघा चौधरी, कृतिका गुप्ता, रिंकी भालोटिया, विजय लक्ष्मी भालोटिया, स्नेहा अग्रवाल आदि को पंडाल में श्रद्धालुओं को बैठाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। तीनों दिन पूजा और व्यवस्थाओं की देखरेख समीर दिवान, अजय खेमका, अजय अग्रवाल करेंगे। पंडाल निर्माण की पूरी देखरेख कैलाश सरायवाला, राम रतन कांवटिया, अनिल नरेडी करेंगे, जबकि पंडाल की विधि व्यवस्था की जिम्मेदारी अनिल नरेडी, रोहित अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी को सौंपी गई है। बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार चंदूका ने बताया कि कथा में प्रवेश निःशुल्क है, लेकिन प्रवेश पास के माध्यम से ही होगा। उन्होंने सभी भक्तों से इस तीन दिवसीय धार्मिक कथा में उपस्थित होने का आग्रह किया। बैठक में प्रमुख रूप से राजकुमार संघी, कैलाश सरायवाला, विजय मित्तल, अनिल नरेडी, ललित सरायवाला, नवीन पोद्दार, किशन सोंथालिया, अभिषेक भालोटिया आदि उपस्थित थे।

# रामनवमी का मंगलवारी जुलूस 24 तथा मुख्य शोभायात्रा निकलेगा 27 मार्च को

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर नगर परिषद के वार्ड संख्या 17 सोरडीहा में रविवार को रामनवमी पूजा समिति द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने आगामी रामनवमी पूजा महोत्सव की तैयारियों और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी साझा की। समिति के उपाध्यक्ष कृष्णा केशरी ने बताया कि इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर 24 मार्च को पारंपरिक मंगलवारी जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके अलावा 27 मार्च को भव्य मुख्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रहेगा। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा को भव्य और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने के लिए समिति के सदस्य लगातार तैयारी में जुटे हुए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि रामनवमी के साथ-साथ चैती छठ पर्व भी निकट है, जिसे लेकर क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है। इन पर्वों की पवित्रता और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से समिति ने स्थानीय प्रशासन से अपील की है कि कुछ दिनों के लिए मांस एवं मदिरा की दुकानों को बंद रखा जाए। समिति के सदस्यों ने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि सभी लोग आपसी भाईचारे और शांति के साथ पर्व मनाएं तथा प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि रामनवमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

# चोरी हुई डीजे से लदी पिकअप वैन को पुलिस ने किया बरामद, डीजे का पूरा सेट और दो जनरेटर भी बरामद

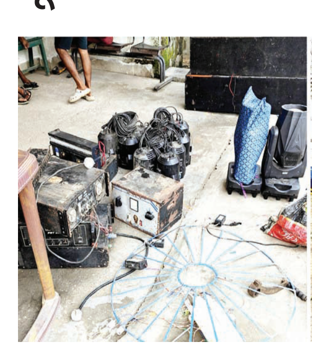

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर थाना क्षेत्र के ग्राम बंडासिंगा मोड़ से 17 मार्च की रात में चोरी हुई डीजे से लदी पिकअप वैन को पुलिस ने बरामद कर लिया है।मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर रही है. पुलिस ने घटना में शामिल मुख्य आरोपी ग्राम तेलोडीह बरही निवासी सूरज दास पिता बुधन रविदास के घर छापेमारी के दौरान एक काले रंग की स्प्लेंडर मोटर साइकिल, एक मैजिक वाहन, कई संदिग्ध नंबर प्लेट तथा घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी नंबर जेएच 13 ई 6533 को बरामद किया है. जानकारी हो कि चोरी गई पिकअप वैन नंबर जेएच 02 क्यू 8226 को हरिजन स्कूल करियातपुर के समीप स्थित नायरा पेट्रोल पंप के सामने एक बॉडी गैरेज में रंग-रोगन किया जा रहा था।इसी दौरान एक व्यक्ति की नजर चोरी गई पीकअप वैन पर पड़ी, जिसने तत्काल डीजे मालिक को इसकी सूचना दी। जिसके पश्चात मौके पर पहुंचकर वाहन मालिक ने अपनी गाड़ी की पहचान किया।जिसके बाद उन्होंने बरही और गोरहर थाना पुलिस को सूचना दी।दोनों थाना पुलिस के द्वारा संयुक्त छापेमारी में आरोपी के घर से डीजे का पूरा सेट और दो जनरेटर बरामद किया।इस दौरान मुख्य आरोपी सूरज दास, पेंटर सुनील दास, गैरेज मालिक सरताज मियां समेत एक अन्य व्यक्ति को पुलिस हिरासत में लिया।पुलिस सभी आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है और मामले में अन्य संलिप्त लोगों की तलाश जारी है।

## संक्षिप्त खबरें...

### रुपेश बने मानव अधिकार मिशन के रामगढ़ जिला अध्यक्ष

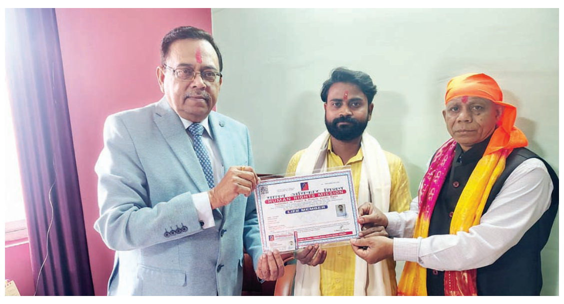

संवाददाता रांचीः मानव अधिकार मिशन के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष पी.के.लाला अधिवक्ता झारखंड उच्च न्यायालय ने रामगढ़ निवासी रूपेश कुमार को मानव अधिकार मिशन का आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र खेलगांव आवासीय कार्यालय मे सौंपा साथ ही उन्हें रामगढ़ जिला का अध्यक्ष भी मनोनीत किया और उनसे अपेक्षा की गई कि वह अपने स्तर से 28 सदस्यों की कमेटी बनाकर सुचारू रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करेंगे एवं समाज के जरूरतमंद लोगों को उचित न्याय दिलाने में सहयोग करेंगे। रुपेश कुमार को रामगढ़ जिला का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर मानव अधिकार मिशन के प्रदेश महासचिव डॉक्टर पंपा सेन विश्वास,प्रदेश उपाध्यक्ष सोहिनी रॉय,सुरेश गुप्ता, अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य, प्रदेश मीडिया सचिव शिव किशोर शर्मा,लायंस क्लब का रांची हरिकनक ग्रेटर के सचिव दीपक कुमार साहू,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांस,संरक्षक गौरीशंकर शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किए और उन्हें बधाई दी।

### रोड में स्कॉरपियो दुर्घटनाग्रस्त, कोई हताहत नहीं

रांचीः राजधानी रांची के रिंग रोड में रविवार को एक काले रंग की स्कॉरपियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. स्कॉरपियो पर सवार लोगों को हल्की चोटें लगने की सूचना हैं. जानकारी के मुताबिक रिंग रोड में चुट्टू पेट्रोल पंप के पास चालक का स्कॉरपियो पर से नियंत्रण खत्म हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गाड़ी तीन बार पलटी खाने के बाद डिवाईडर पर खड़ा हो गया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरु कर दी है.

### सत्यापन के बाद कचहरी चौक पर बिछड़ा मासूम बच्चे को परिवार वालों को सौंपा

रांचीः सरहुल जुलूस के दौरान रांची के कचहरी चौक पर मिले बच्चे को पुलिस ने उसके पिता को सौंप दिया है. जानकारी के मुताबिक रविवार को कचहरी चौक पर बच्चा अपने परिवार से बिछड़ गया. वहां मौजूद लोगों ने उसे पुलिस को सौंपा, ताकि उसे घर तक पहुंचाया जा सके.

रांची एसएसपी ने बच्चे की तस्वीर सभी थानों की पुलिस के साथ-साथ सोशल मीडिया में शेयर किया. जिसके बाद सोमवार की सुबह बच्चे की दादी और मौसी पुलिस कंट्रोल रुम पहुंची. दोनों महिलाओं ने बच्चे की पहचान की. बच्चे ने भी अपनी दादी व मौसी को पहचान लिया.

इसके बाद पुलिस ने सत्यापन की प्रक्रिया पुरी की और बच्चे को उसकी दादी व मौसी को सौंप दिया. बताया जाता है कि बच्चा अपने पिता के साथ घुमने निकला था. कचहरी चौक पर भीड़ की वजह से वह पिता से अलग हो गया और बिछड़ गया. अपने आसपास पिता को ना देख करके वह रोने लगा. जिसके बाद लोगों ने उसे पुलिस के पास पहुंचाया.

### कोयलाकर्मियों को बड़ी राहतः टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में अब निःशुल्क होगा कैंसर का इलाज

रांची। रांची–धनबाद क्षेत्र के कोयलाकर्मियों के लिए एक राहतभरी पहल की गई है। अब वे कैंसर का इलाज मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में निःशुल्क करा सकेंगे। इस इलाज का पूरा खर्च कोल इंडिया लिमिटेड वहन करेगी। यह महत्वपूर्ण निर्णय 4 फरवरी को कंपनी के चेयरमैन बी. साईंराम की अध्यक्षता में हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 487वीं बैठक में लिया गया था, जिसे 20 मार्च से प्रभावी कर दिया गया है। इस सुविधा का लाभ कोल इंडिया, बीसीसीएल सहित उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों के वर्तमान और सेवानिवृत्त अधिकारी–कर्मचारी तथा उनके परिवारजन उठा सकेंगे। कोल इंडिया की ओर से जारी आदेश के अनुसार टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल को कैंसर उपचार के लिए अधिकृत संस्थान घोषित किया गया है। यहां चिकित्सकीय परामर्श, जांच, इमेजिंग, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और सर्जरी जैसे सभी मानक उपचार कंपनी के खर्च पर किए जाएंगे। यह सुविधा तभी लागू होगी जब इलाज अस्पताल द्वारा प्रमाणित हो और स्वीकृत ऑन्कोलॉजी प्रोटोकॉल के तहत किया जाए। इस फैसले से हजारों कोयलाकर्मियों और उनके परिजनों को कैंसर जैसे महंगे इलाज से बड़ी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

### सूचना आयुक्त व लोकायुक्त चयन के लिए 25 को बैठक

रांची| राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्त और लोकायुक्त के चयन के लिए 25 मार्च को बैठक होगी। सूचना आयुक्तों के लिए कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री के आवासीय कार्यालय में बुधवार शाम पांच बजे यह बैठक होगी। लोकायुक्त के चयन के लिए अलग से बैठक होगी। कार्मिक सचिव प्रवीण कुमार टोप्पो ने चयन समिति के सभी सदस्यों तक बैठक की जानकारी भेज दी है। सूचना आयुक्त के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय चयन समिति की बैठक होगी। इसमें नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और मंत्री हफीजुल हसन शामिल रहेंगे। उल्लेखनीय है कि दो मार्च को चयन समिति की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया। पूर्व में भी घोषित बैठकें स्थगित होती रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या 25 मार्च को यह बैठक होगी या फिर कोई अपरिहार्य कारण इस बैठक का रास्ता रोकेगा। मिली जानकारी के अनुसार 23 मार्च को इस विषय को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई होनेवाली है। राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त के एक और सूचना आयुक्त के छह पद सृजित हैं। ये सभी पद वर्ष 2020 से रिक्त पड़े हैं।

### ठाकुरगांव में मनाया गया शहीद दिवस किया श्रमदान

रांची। बुढ़मू प्रखंड अंतर्गत ठाकुरगांव में मेरा युवा भारत एवं चंद्रशेखर आजाद युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को शहीद दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर युवाओं एवं ग्रामीणों ने देश के अमर शहीदों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों के बलिदान को नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी पा रहे हैं, इसलिए उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। इस मौके पर युवाओं ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए श्रमदान कार्यक्रम भी चलाया।

# आइसीएमएआइ रांची चैप्टर का गोल्डेन जुबली समारोह आयोजित

## महिलाओं की भागीदारी समाज और अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार- कृषि मंत्री

संवाददाता रांचीः इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, (आइसीएमएआइ) रांची चैप्टर के 50 वर्ष पर रविवार को गोल्डेन जुबली समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी किसी भी समाज और अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं और उन्हें समान अवसर देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। रांची इकाई की अध्यक्ष मीरा गुप्ता ने कहा कि रांची चैप्टर के लिए यह गोल्डन जुबली वर्ष गर्व और उपलब्धियों का प्रतीक है। पिछले 50 वर्षों में संस्थान ने न सिर्फ उद्योगों के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि

पारदर्शिता, लागत नियंत्रण और आर्थिक सुदृढ़ता को भी नई दिशा दी है। आज के बदलते आर्थिक परिवेश में लागत लेखाकारों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हम सभी का प्रयास है कि आने वाले समय में संस्थान युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करे और देश के औद्योगिक विकास में और अधिक योगदान दे। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व करने में सक्षम हैं। हमें उन्हें आगे बढ़ाने और समान अवसर देने के लिए लगातार प्रयास करना होगा। समारोह के दौरान कॉस्ट अकाउंटेंट्स की भूमिका पर भी गंभीर चर्चा हुई, जिसमें बताया गया कि कैसे यह संस्थान उद्योगों के विकास, पारदर्शिता और आर्थिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस अवसर पर संस्थान का स्मारिका (सोवेनियर) भी लॉन्च किया गया। मौके पर आरती गांगुली, नरेंद्र श्रीवास्तव, श्रीकांत, आनंद कुमार पांडेय, विद्याधर प्रसाद समेत संस्था से जुड़े कई लोग एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

## रोटरी क्लब के किड्स कार्निवल में बच्चों ने सीखे नए कौशल, जमकर की मस्ती

संवाददाता रांचीः रोटरी क्लब ऑफ रांची ने रविवार को किड्स कार्निवल का आयोजन किया। इस कार्निवाल में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। उद्घाटन चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा एवं आर्किटेक्ट राजीव चड्डा ने किया। कार्निवल में बच्चों को दीया मेकिंग, ब्लॉक पेंटिंग, कोस्टर पेंटिंग और डाइनिंग एटीकेट्स जैसी गतिविधियों के माध्यम से नए कौशल सिखाए गए। साथ ही बच्चों ने विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया और स्वादिष्ट भोजन का भी लुत्फ उठाया। स्वाति काबरा ने बच्चों को क्रिएटिव गतिविधियां सिखाईं, जबकि रितिका लखोटिया ने डाइनिंग एटीकेट्स की जानकारी दी। आयोजन को सफल बनाने में खुशबू राजगढ़िया, ऋचा कौर, रश्मि अग्रवाल, आस्था बहल, रितिका लखोटिया एवं सुनीता वाधवा का योगदान रहा। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि अभिभावकों ने इस कार्यक्रम को बहुत सराहा और सभी ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की सराहना की, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

# ऑल इंडिया स्प्रिंग आर्ट कैंप "प्रकृति 2026" का भव्य समापन

संवाददाता रांचीः वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,रांची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय (20-22 मार्च) अखिल भारतीय स्प्रिंग आर्ट कैंप-2026 का आज दिनांक 22 मार्च को "प्रकृति 2026" थीम के साथ गरिमामय एवं भव्य समापन हुआ। विशेष बात यह रही कि इस महत्वपूर्ण आयोजन का अंतिम दिवस, अर्थात विश्व जल दिवस के अवसर पर संपन्न हुआ, जिसने पूरे आयोजन को प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ जल संवर्द्धन और जल संरक्षण के गहरे संदेश से जोड़ दिया। यह तीन दिवसीय कला महोत्सव केवल चित्रों का आयोजन नहीं था, बल्कि यह प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदना, जिम्मेदारी और जनजागरण का एक सशक्त अभियान बनकर सामने आया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिष्ठित एवं प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने कैनवास पर वनों की हरियाली, नदियों की लय, पक्षियों का सौंदर्य, वन्यजीवों की गरिमा, पृथ्वी की

पीड़ा और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को अत्यंत जीवंत, भावपूर्ण और प्रभावशाली रूप में उकेरा। समापन समारोह में कला और प्रकृति के इस अद्भुत संगम को और अधिक आकर्षक बनाया सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे सरायकेला के कलाकारों ने छऊ नृत्य पेश किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। लोक-संस्कृति, संगीत और मंचीय प्रस्तुतियों ने यह संदेश सशक्त रूप से दिया कि भारतीय संस्कृति और प्रकृति का संबंध केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि जीवन दर्शन का आधार है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में एक ऐसा भावनात्मक और सौंदर्यपूर्ण वातावरण निर्मित किया, जहाँ रंग, राग और प्रकृति एक साथ संवाद करते दिखाई दिए। समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथियों, वरिष्ठ अधिकारियों, कलाकारों, विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को अत्यंत गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर शिविर में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलाकारों का सम्मान करते हुए यह रेखांकित किया गया कि उनकी कृतियाँ केवल सृजन नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने वाली सशक्त दृश्य भाषा हैं। इसके बाद पीसीसीएफ हॉफ, झारखण्ड श्री संजीव कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि "जब कलाकार का हृदय प्रकृति के लिए धड़कता है, तब कैनवास पर केवल चित्र नहीं उभरते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए चेतना, करुणा और संरक्षण का संदेश आकार लेता है।"

उन्होंने यह भी कहा कि विश्व जल दिवस के अवसर पर इस कला शिविर का समापन अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि जल ही जीवन का मूल है, वन ही संतुलन का आधार हैं और प्रकृति ही मानव सभ्यता की सबसे बड़ी संरक्षक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "यदि जल बचेगा, तो कल बचेगा, यदि वन बचेंगे, तो जीवन बचेगा और यदि प्रकृति बचेगी, तो मानवता बचेगी।"

# रिम्स में अब एक ही जगह होगी सभी जांच, गरीब मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है. अब यहां लगभग हर तरह की जांच एक ही जगह पर उपलब्ध होगी, जिससे मरीजों को बार-बार बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी. अभी तक कई जरूरी जांचों के लिए मरीजों को प्राइवेट लैब का सहारा लेना पड़ता था, जहां हजारों रुपये खर्च हो जाते थे. लेकिन अब रिम्स में ही ये जांचें मुफ्त या बहुत कम खर्च में हो सकेंगी. इससे खासकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा. रिम्स के ट्रॉमा सेंटर की लैब में पहले से 24 घंटे जांच की सुविधा मौजूद है और रिपोर्ट भी 4 से 5 घंटे में मिल जाती है. अब इस लैब में कई नई और महंगी जांचें शुरू की जा रही हैं, जिससे गंभीर बीमारियों का समय पर पता लग सकेगा और इलाज जल्दी शुरू हो पाएगा. नई शुरू होने वाली जांचों में CA-125, CA-19-9, एंटी-TPO, एंटी-CCP, यूरिन प्रोटीन और RF टेस्ट शामिल हैं. इन जांचों से

ओवरी कैंसर, पेट और पैंक्रियाज से जुड़े कैंसर, थायराइड, आर्थराइटिस और किडनी से जुड़ी बीमारियों की पहचान आसान होगी. इसके अलावा कैंसर और हार्मोन से जुड़ी जांचें भी अब रिम्स में ही उपलब्ध होंगी. इससे मरीजों को बाहर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इलाज की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सकेगी. सरकार की आयुष्मान भारत योजना और बीपीएल श्रेणी के मरीजों को इस सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा. अब उन्हें अलग-अलग जगह जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी.

### एनएमसी को मेडिकल सीट बढ़ाने का प्रस्ताव

झारखंड में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। एक दिन पहले स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए कुलपति नियुक्त करने के बाद अगले ही दिन सरकार ने विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में यूजी और पीजी सीटों में बढ़ोतरी के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन को प्रस्ताव भेजा है। लक्ष्य है कि अगले शैक्षणिक सत्र से सीटें बढ़ाई जा सकें और राज्य में डॉक्टरों की कमी को दूर किया जा सके। अगर अगले सत्र से सीटों में बढ़ोत्तरी होती है तो रिम्स में यूजी व पीजी दोनों पर 250-250 सीटों पर दाखिला लिया जा सकेगा। हालांकि, रिम्स में यूजी सीटों को 180 से बढ़ाकर 250 करने की योजना नई नहीं है। इस पर साल 2019 से काम चल रहा है, लेकिन अब तक सीटें नहीं बढ़ सकी हैं। 2019 में एनएमसी ने 250 सीट पर इसलिए अनुमति नही दी थी क्योंकि रिम्स में अलग एकेडमिक बिल्डिंग, फैकल्टी आदि की कमी थी। इनमें से कुछ कमियों को दूर कर एक बार फिर सरकार ने इस प्रस्ताव को एनएमसी के पास भेजा है। यदि इस बार मंजूरी मिलती है, तो यह रिम्स के लिए बड़ा बदलाव साबित होगा और राज्य के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

## पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा फैसला, झारखंड में 109 नए वाहनों की खरीद को मंजूरी

रांची। राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत, आधुनिक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से झारखंड सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। राजधानी रांची में हुई प्रशासनिक पदवर्ग समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर विचार के बाद पुलिस विभाग के लिए कुल 109 नए वाहनों की खरीद को मंजूरी दी गई है। सरकार के इस फैसले को पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे राज्य पुलिस की ऑपरेशनल क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। बैठक में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रस्ताव पर स्वीकृति देते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत नए वाहनों की खरीद का रास्ता साफ किया गया। असिस्टेंस टू स्टेट्स एंड यूटीज फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस फोर्सेस (एएसयूएमपी) 2025-26 योजना के अंतर्गत 26 विशेष वाहनों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इन वाहनों में 7 प्रिजन वैन, 2 दंगा नियंत्रण वाहन, 12 वाटर टैंकर और 5 वाटर कैनन शामिल हैं। ये सभी वाहन कानून-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़ नियंत्रण और कैदियों के सुरक्षित परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, केंद्र प्रायोजित स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम (एसआईएस) 2022-26 के तहत 83 अतिरिक्त वाहनों की खरीद को भी स्वीकृति मिली है। इसमें 50 टू-व्हीलर, 27 ट्रूप कैरियर और 6 बसें (42 सीटर) शामिल हैं। इन वाहनों के शामिल होने से पुलिस जवानों की त्वरित तैनाती आसान होगी और संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन को अधिक प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जा सकेगा। राज्य सरकार का मानना है कि नए वाहनों की खरीद से पुलिस बल को आधुनिक संसाधनों से लैस किया जा सकेगा, जिससे वह और अधिक चुस्त, सक्षम और प्रभावी बनेगा। किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की प्रतिक्रिया क्षमता पहले से कहीं अधिक तेज होगी। दंगा नियंत्रण वाहन और वाटर कैनन की मदद से भीड़ को नियंत्रित करना आसान होगा, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभालने में सहूलियत मिलेगी। प्रिजन वैन के माध्यम से कैदियों का सुरक्षित और व्यवस्थित परिवहन सुनिश्चित किया जा सकेगा। वहीं, टू-व्हीलर और ट्रूप कैरियर के जरिए पुलिस की पहुंच दूरदराज और दुर्गम इलाकों तक बढ़ेगी।

## योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया का 109वाँ स्थापना दिवस राँची आश्रम में भक्ति एवं सेवा भाव के साथ संपन्न

**कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची** : योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईएसएस) का 109वाँ स्थापना दिवस रविवार, 22 मार्च 2026 को राँची आश्रम के पवित्र ध्यान मंदिर में गहन भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया गया।

प्रातः 7:00 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों और आध्यात्मिक साधकों ने भाग लिया, जिन्होंने सामूहिक रूप से आंतरिक शांति और ईश्वर से एकत्व का अनुभव किया। कार्यक्रम का आरंभ परमाहंस योगानन्द द्वारा सिखाए गए एनर्जाइजेशन एक्सरसाइज से हुआ, जिसके पश्चात प्रार्थना, भजन-कीर्तन एवं ध्यान संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समापन भजनों, पुष्पांजलि तथा प्रसाद वितरण के साथ हुआ। पूरे प्रातःकाल का शांत एवं प्रेरणादायक वातावरण वाईएसएस तथा इसके

पूज्य संस्थापक श्री श्री परमाहंस योगानन्दजी की अमर आध्यात्मिक विरासत को प्रतिबिंबित कर रहा था।

इस उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण स्वामी श्रद्धानन्द द्वारा संपन्न छात्रवृत्ति वितरण समारोह था। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी (NIAMT) तथा बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (BIT), मेसरा के चार मेधावी विद्यार्थियों—प्रत्येक संस्थान से दो—को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु 'परमहंस योगानन्द छात्रवृत्ति' के अंतर्गत सम्मानित किया गया।

इन विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक फीस हेतु कुल 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह पहल शिक्षा के प्रति वाईएसएस की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है; वर्ष 2025 में ही संस्था ने देशभर के योग्य विद्यार्थियों को लगभग 35 लाख रुपये की छात्रवृत्तियाँ प्रदान की थीं।

यह आयोजन वाईएसएस की आध्यात्मिक उन्नति तथा मानवता की निःस्वार्थ सेवा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का सार्थक प्रमाण रहा।

## चैती छठ से पहले रांची में फलों के दाम आसमान पर, व्रतियों की बढ़ी मुश्किलें

रांची । चैती छठ महापर्व की शुरुआत झारखंड में नहाय-खाय के साथ हो चुकी है। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक एकता का भी उत्सव माना जाता है। रविवार से शुरू हुए इस चार दिवसीय पर्व में सोमवार को खरना, मंगलवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य और बुधवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती पारण करेंगे। लेकिन इस बार महापर्व की तैयारियों के बीच राजधानी रांची में फलों की बढ़ती कीमतों ने व्रतियों की चिंता बढ़ा दी है।

छठ पूजा में फलों का विशेष महत्व होता है। केला, सेब, अनार, आम, नारियल, गन्ना जैसे फल और अन्य पूजन सामग्री व्रत के अनिवार्य अंग हैं। ऐसे में इन वस्तुओं की कीमतों में अचानक आई तेजी ने आम श्रद्धालुओं का बजट बिगाड़ दिया है। रांची के प्रमुख बाजारों—हटिया, अपर बाजार, कोकर, डोरंडा और कचहरी चौक—में फलों के दाम पिछले साल की तुलना में काफी अधिक नजर आ रहे हैं।

बाजार में इस समय पीला केला 300 से 550 रुपये प्रति कांधी तक बिक रहा है। सामान्य दिनों में यही केला 200 से 300 रुपये कांधी में मिल जाता था। सेब की 14 से 15 किलो वाली पेटी 1800 से 2200 रुपये तक पहुंच गई है, जबकि पिछले वर्ष यह 1600 से 1800 रुपये में उपलब्ध थी। अनार 80 से 130 रुपये प्रति किलो बिक रहा है और आम की एक पेटी के लिए ग्राहकों को 600 से 900 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। अन्य फलों की कीमतें भी कम परेशान करने वाली नहीं हैं। अंगूर की 9 किलो की पेटी 800 से 900 रुपये में मिल रही है। संतरा 22 से 23 किलो की पेटी में 1200 से 1400 रुपये तक बिक रहा है। मौसमी की 18 किलो की बोरी 500 से 600 रुपये में उपलब्ध है। इसके अलावा गन्ना 20 से 50 रुपये प्रति पीस और नारियल 30 से 50 रुपये प्रति पीस तक बिक रहा है। नारियल के दाम साइज और गुणवत्ता के अनुसार अलग-अलग हैं।

व्यापारियों के अनुसार, इस बार फलों की आपूर्ति मुख्य रूप से अन्य राज्यों से हो रही है। केला पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश से रांची पहुंच रहा है। अनार गुजरात और राजस्थान से मंगाया जा रहा है। आम आंध्र प्रदेश से, अंगूर महाराष्ट्र के शोलापुर से और मौसमी नागपुर से आ रही है। बाहर से आने वाली इस आपूर्ति में परिवहन खर्च अहम भूमिका निभा रहा है।

## संक्षिप्त खबरें...

### कलश यात्रा क्रे साथ त्रिदिवसीय अखंड रामचरित मानस पाठ कथा महायज्ञ की शुरुवात

तमाड़ः प्रखंड क्रे पुंडीदीरी गाँव मे प्राचीन कालीन माँ दिउड़ी मंदिर प्रांगण मे माँ दिउड़ी सत्संग आश्रम सह ठाकुर मुहल्ला पुंडीदीरी द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय अखंड रामचरित मानस पाठ कथा महायज्ञ की सुरुवात की गईं। इससे पूर्व रविवार को सैकड़ो महिलाओ एवं भक्तों ने कलश मे करकरी नदी का पवित्र जल लेकर जुलूस क्रे रूप मे मंदिर प्रांगण पहुंचे। जल अर्पण क्रे बाद सभी कलश यात्री एवं भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। तत पश्चात् निम्न कथा वाचकों क्रे द्वारा रामचरित मानस पाठ की सुरवात की गईं। कथा वाचक : श्री राजेश हाजरा,श्री दिनेश हाजरा, श्री सुनील पांडे, श्री विनय कृष्ण ठाकुर,श्री प्रेम चंद बाबा,श्री अतिकाय दास पठिका :र श्री श्रीमती सोनिया कुमारी, श्रीमती यमुनावाला देवी, श्रीमती रेखा पांडे एवं श्रीमती फूलन देवी। मंदिर पूजा का संचालन पंडित श्री गणेश पांडे एवं ब्यास मंच का संचालन पंडितश्री विद्याधर दास कर रहें है।

### सरहुल शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न

संवाददाता रांचीः केंद्रीय सरना समिति की केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए सरहुल शोभायात्रा शांतिपूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न होने पर विभिन्न गांव टोला से आए शोभायात्रा में शामिल विभिन्न सरहुल पूजा समितियों एवं शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठन एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद एवं और अभार प्रकट किया एवं स्वागत शिविर लगाकर शोभायात्रा में शामिल लोगों को विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा स्वागत शिवर चना गुड़ पानी शरबत आदि वितरण कर सहयोग कर रहे थे ऐसे संगठनों को भी धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया है जिसमें शामिल है श्री महावीर मंडल बडागाई, आदिवासी अभियंता संघ बाबा स्मारक समिति महावीर मंडल रांची महानगर, पंजाबी हिंदू बिरादरी, आदिवासी छात्र संघ, आदिवासी जन परिषद चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति, जावा पुन एडुकेशनल एंड वेलफेयर फाऊंडेशन अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद बिरसा युथ ऑर्गेनाइजेशन शंकर हेल्पिंद हैंड फाउंडेशन आदि एवं अन्य शामिल है.

### मांडर सड़क हादसे में घायल युवती की इलाज के दौरान मौत, गांव में शोक

मांडरः मांडर थाना क्षेत्र के सकरा के समीप 20 तारीख को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 21 वर्षीय अनीता एक्का की रविवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। वह थाना क्षेत्र के हरील गांव की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, अनीता एक्का टांगरबसली बाजार से अपने घर लौट रही थी, तभी सकरा सिमान के पास वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थी। हादसे के बाद उसे गंभीर अवस्था में मांडर मिशन स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका इलाज चल रहा था। लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद मांडर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। युवती की मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर है।

### रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष बने रामचंद्र दांगी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, पत्थलगड़ा( चतरा): रविवार को प्रखंड के नावाडीह पंचायत भवन सभागार में रामनवमी को लेकर बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता हरिनारायण मिश्रा एवं संचालन पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि मेघन दांगी ने किया बैठक। इस बैठक में में पंचायत क्षेत्र के सभी अखाड़ा के अध्यक्ष सचिव मौजूद थे , रामनवमी पूजा हर्षोउल्लास और धूमधाम से मनाने के लिए एवं विधि व्यवस्था सुचारू रूप से चलने के लिए महासमिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसहमति से रामचंद्र दांगी को अध्यक्ष बनाया गया वहीं उपाध्यक्ष उदयनाथ पाठक सचिव हरिनारायण मिश्रा कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद संरक्षक मुखिया प्रतिनिधि मेघन दांगी को बनाया गया मौके पर जनार्दन दांगी ,धूपलाल प्रसाद ,विजय प्रसाद, प्रवीण दांगी रंजय दांगी, दामोदर दांगी भुवनेश्वर प्रसाद चंद्रदेव प्रसाद कृष्णा साव अशोक साव सूर्यदेव गंझू के अलावा कई लोग मौजूद थे.

### भगहर में अवैध शराब का फैलता नेटवर्क, युवाओं के द्वारा गैलन मे शराब भरकर बाइक से बिहार पहुंचाई जाती है शराब

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण( हजारीबाग): प्रखंड के भगहर गांव और जंगलों में अवैध शराब का कारोबार धीरे-धीरे संगठित नेटवर्क का रूप लेता जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार इस धंधे में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है, जो क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। रोजगार के सीमित अवसर और कम समय में अधिक मुनाफा कमाने की लालच के कारण कई युवा इस अवैध कारोबार की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बताया जाता है कि बिहार सीमा से सटे होने का फायदा उठाते हुए तस्कर साइकिल और बाइक के माध्यम से शराब को ट्यूब व बड़े गैलनों में भरकर बिहार तक पहुंचाते हैं। जोखिम के बावजूद मुनाफा अधिक होने के कारण यह धंधा तेजी से फैल रहा है। दिन हो या रात, अवैध शराब के निर्माण और परिवहन का सिलसिला लगातार जारी रहने की बात सामने आ रही है।

### ईद मिलन समारोह में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला का हुआ भव्य स्वागत

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चौपारण (हजारीबाग): ईद के पावन अवसर पर रविवार को प्रखंड क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश देते हुए ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मुखिया प्रतिनिधि लईक अहमद खान उर्फ फोलटेन खान के आवास पर आयोजित किया गया, जहां क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए। समारोह में मुख्य रूप से पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला पहुंचे, जिनका उपस्थित लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। लोगों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर और गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने सभी को ईद की बधाई देते हुए कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता का प्रतीक है। हमें समाज में मिलजुल कर रहने और एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बनने की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने का काम करते हैं। वहीं मेजबान लईक अहमद खान उर्फ फोलटेन खान ने भी सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ईद मिलन समारोह का उद्देश्य समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। समारोह में क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# मेहरमा एवं महागामा प्रखंड में करोड़ों की विकास योजनाओं का शिलान्यास, क्षेत्रीय विकास को नई गति

संवाददाता रांचीः झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री एवं महागामा की विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने मेहरमा एवं महागामा प्रखंड में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास कर क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत और प्रतिबद्ध कदम उठाया।

मेहरमा प्रखंड में प्रातः 10:00 बजे ब्लॉक परिसर में पार्क एवं पीसीसी सड़क निर्माण कार्य (प्राक्कलित राशि 1.85 करोड़ रुपये) का शिलान्यास किया गया। इसके पश्चात 10:30 बजे ब्लॉक परिसर के चहारदीवारी निर्माण कार्य (प्राक्कलित राशि 1.57 करोड़ रुपये) की आधारशिला रखी गई। इन योजनाओं से प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ-साथ आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इसके बाद महागामा प्रखंड के अंतर्गत कार्यक्रमों की श्रृंखला में 11:00 बजे ग्राम पंचायत कुशमहारा में झारखंड में YHO पंचायत सशक्तिकरण ढांचा का उद्घाटन किया गया, जो पंचायत स्तर पर सशक्त शासन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

दोपहर 12:00 बजे ग्राम पंचायत लट्ठी में उन्नत सरकारी उच्च विद्यालय की चहारदीवारी निर्माण कार्य (प्राक्कलित राशि 64 लाख रुपये) का शिलान्यास किया गया, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

इसके उपरांत 01:00 बजे ग्राम पंचायत महादेवस्थान में नए पंचायत भवन निर्माण कार्य (प्राक्कलित राशि 99.89 लाख रुपये) की आधारशिला रखी गई। यह भवन स्थानीय प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के साथ ग्रामीणों के लिए एक सशक्त केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि विकास केवल योजनाओं की घोषणा से नहीं, बल्कि उनके धरातल पर क्रियान्वयन से साकार होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता है कि गांव-गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचे और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन मिले। उन्होंने आगे कहा कि जल, सड़क, शिक्षा और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करना ही सच्चे अर्थों में ग्रामीण विकास का आधार है, और इसी संकल्प के साथ लगातार कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिनमें विकास कार्यों को लेकर उत्साह और विश्वास स्पष्ट रूप से देखा गया।

## स्वांग वाशरी अवार्डी मजदुरो को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा - चंदन

संवाददाता अनिल कुमार कथाराः सीसीएल कथारा महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष चांपी लेबर को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा रविवार को सोसाइटी का 52 वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता पुर्व जिप सदस्य दिलीप मुर्मू, संचालन सोसाइटी के सचिव चंदन सिंह गौतम तथा धन्यवाद ज्ञापन परमेश्वर राम ने की।

इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पुर्व जिप सदस्य मुर्मू ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन लगातार सोसाइटी के मजदूरों को छलने का काम कर रही है। इसे लेकर चांपी एवं सोसायटी के मजदूर संघर्ष को तेज करेंगे। सचिव चंदन ने कहा कि सोसाइटी अपना 52वां स्थापना दिवस मना रही है, लेकिन सीसीएल प्रबंधन की दोहरी नीति के कारण आज भी स्वांग वाशरी के आवार्डी मजदूर नियोजन के अभाव में दर दर भटक रहे है। जबतक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता है तबतक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कथारा क्षेत्रीय प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन जानबूझकर मामले को टाल रही है और सोसाइटी के साथ वार्ता करने से मुकर रही है। कारण यह कि वर्ष 2012 में जिसे स्वांग वाशरी प्रबंधन ने नियोजन दिया था, उसे हीं वर्ष 2017 में प्रबंधन द्वारा काम से हटा दिया गया। जबकि, वर्ष 1991 से वर्ष 2009 तक काम का आंबटन चांपी लेबर को-ऑपरेटिव सोसाइटी के नाम आबंटित है। बावजूद इसके प्रबंधन आनन फानन में एक निजी ट्रेड यूनियन नेता के सत्यापन पर फर्जी बहाली की थी। जिससे बाद में हटा दिया गया, और उक्त नेता को न्यायालय द्वारा दोषी करार कर एक साल का सजा मुकरर किया गया। कहा कि सीसीएल कथारा क्षेत्रीय प्रबंधन तथा स्वांग वाशरी प्रबंधन अपनी गलती को छिपाने के लिए नियोजन मामले को अनावश्यक रूप से टाल रही है।

इससे पुर्व सैकड़ो की संख्या में महिला, पुरुष चांपी लेबर को-ऑपरेटिव सोसाइटी के बैनर तले जुलूस निकालकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष सभास्थल से नारा लगाते हुए कथारा मोड़ तक गए और पुनः वापस महाप्रबंधक कार्यालय सभास्थल पहुंचा, जहां सोसाइटी के संस्थापक स्व. किशुन मांझी के चित्र पर माल्यार्पण व् पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी।

मौके पर जगदीश महतो, वासुदेव रविदास,रामचंद्र यादव, मोहन यादव,सहदेव कुमार, महावीर तुरी, , शिवशंकर राम, जयनंदन गोप, सुरेश राम, अर्जुन रविदास, अशोक लाल श्रीवास्तव,भोला मांझी ,जनार्दन यादव, उदय शंकर रवि,लालजी रविदास, मुरारी राम, राधा देवी ,पार्वती देवी, प्रमिला देवी, धनेश्वरी देवी, यशोदा देवी, कबूतरी देवी, सुरभि देवी,चिंता देवी, मंजु देवी, सितवा देवी, आदि उपस्थित थे।

## बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में बिटोत्सव 2026 का भव्य समापन, शानदार प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में आयोजित बिटोत्सव 2026 का तीसरा और अंतिम दिन भव्य अंदाज में संपन्न हुआ। इस दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, औपचारिक प्रतियोगिताओं और अनौपचारिक कार्यक्रमों का शानदार संगम देखने को मिला, जिसमें देशभर से आए छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सुबह की शुरुआत विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हुई, जिनमें ध्वनि क्लब द्वारा ज्यूकबॉक्स, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (बीआईटी मेसरा चैप्टर) द्वारा एन चेसेंट, सोसाइटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स द्वारा हेरा फेरी 4.0, एयरोस्पेस सोसाइटी द्वारा स्लिपस्ट्रीम, आईईटीई स्टूडेंट्स चैप्टर द्वारा द बिट कांस्पिरेसी तथा ईईई सोसाइटी द्वारा माइंड ऑन द पिच शामिल रहे।

दोपहर का मुख्य आकर्षण मिस्टर एंड मिस बिटोत्सव प्रतियोगिता रही, जिसका आयोजन रोटरैक्ट क्लब द्वारा कैट हॉल में किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन कई चरणों में किया गया, जिसमें व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, व्यवहार और अभिव्यक्ति के आधार पर अंक दिए गए। निर्णायक मंडल में डॉ. देबजानी मुस्ताफी, सुश्री जाह्नवी, सुश्री अंकना, श्रीमती माधुरी, श्री सत्य और सुश्री प्रियंजली शामिल रहीं। प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, थीम आधारित प्रस्तुतियों और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में शौर्य को मिस्टर बिटोत्सव और शरण्या शेखर को मिस बिटोत्सव घोषित किया गया।

दोपहर में अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें फाइन आर्ट्स सोसाइटी द्वारा पनाश, सोसाइटी ऑफ प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग द्वारा द लास्ट माइल क्रॉसिंग, स्पिक मैके बीआईटी मेसरा चैप्टर द्वारा लॉस्ट इन ट्रांसलेशन, 180 डीसी द्वारा ब्रेन लीप तथा आईईईई द्वारा आस्क जीपीटी शामिल रहे।

शाम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक अरमान मलिक की लाइव प्रस्तुति रही। उनकी ऊर्जावान और शानदार प्रस्तुति ने पूरे माहौल को उत्साह से भर दिया। दर्शकों ने उनके गीतों के साथ गुनगुनाते हुए इस संगीतमय संध्या का भरपूर आनंद लिया।

सभी कार्यक्रमों का संचालन डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव और डॉ. ओ. पी. पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। सह-समन्वयक के रूप में सुमित श्रीवास्तव और डॉ. मृणाल कुमार पाठक ने सहयोग दिया। छात्र समन्वयकों रोहित, आशीष, रोनित, प्रेम, सौम्या तथा पूरी बिटोत्सव टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंतिम दिन के सफल समापन के साथ बिटोत्सव 2026 प्रतिभा, रचनात्मकता और सहयोग का एक शानदार उत्सव बनकर उभरा। इस उत्सव में उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ, नवाचार से भरपूर प्रतियोगिताएँ और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसने पूरे परिसर में उत्साह और यादगार अनुभवों का माहौल बना दिया।

### मांडर में भीषण सड़क हादसा, दो युवक गंभीर रूप से घायल, एक रिम्स रेफर

संवाददाता अभिषेक गुप्ता, मांडरः मांडर थाना क्षेत्र के बुढ़हाखुखरा से कैम्बो जाने वाले मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में दो मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान थाना क्षेत्र के मंदरो गांव निवासी 18 वर्षीय रोहित उरांव और 20 वर्षीय विजय उरांव के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया.

## जमशेदपुर में प्राकृतिक का महापर्व सरहुल बड़े धूमधाम से मनाया गया, विराट एवं भव्य शोभा यात्रा निकाला गया

जमशेदपुर । प्रतिवर्ष के भांति इस साल भी केन्द्रीय सरहुल पूजा समिति के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई,जिसमे लाखो लोग शामिल हुए । इससे पूर्व सुबह के समय सभी सरना स्थलों पर आदिवासी समाज के महिला पुरुषों ने पूजा अर्चना कर सभी के खुशहाली की प्रार्थना किया । पूजा के दौरान फल,फूल,दूध, और धूप धूवन अर्पित कर अपने परिवार एवं समाज के समृद्धि का आशीर्वाद मांगा । सभी लोग अपने पारंपरिक परिधान एवं वाद्य यंत्रों के साथ सीतारामडेरा में एकत्रित हुए और शोभायात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व केन्द्रीय सरहुल पूजा समिति पूर्वी सिंहभूम द्वारा विभिन्न समाज के अगुवाओं,समाजसेवियों,बुद्धिजीवियों, राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत

व सम्मानित किया गया । सम्मानित होने के उपरांत शोभायात्रा सीतारामडेरा से प्रारम्भ होकर लाको बोदरा चौक, एग्रिको सिग्नल, भालूबासा चौक,साकची मुख्य गोलचक्कर तक पहुँचा, जहाँ बड़ी संख्या में महिला पुरुष बच्चे शोभायात्रा के दौरान अपने पारंपरिक परिधान पहने हुए विभिन्न प्रकार के आदिवासी वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य करते हुए आगे बढ़े। वहीं मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा, रतन महतो , शंभू मुखी , अशोक बिरुआ, मानकी राम बिरुआ, बीटू सामद , विनेश सामद, पंकज कलाउंडिया, संजय तिर्की , गणेश गोप , वीर सिंह समेत केंद्रीय सरहुल पूजा समिति , ओलिडीह ग्राम सभा 12 मौजा मानगो आदिवासी समाज , युवा महासभा , आदिवासी हो महासभा आदि से जुड़े हजारों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल होकर शोभा बढ़ाई और साकची स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर फूल माला चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

# ग्रामीण एक किलोमीटर दूर स्थित झरना एवं कुएं का दूषित पानी पीने को मजबूर, हो रहे बीमार

दुमकाः अबुआ दिशोम अबुआ राज में राज्य निर्माण के ढाई दशक से अधिक समय के बाद भी गोपीकांदर प्रखंड अंतर्गत खड़ीबाड़ी गांव के पहाड़िया टोला में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। इस टोला में लगभग 50 पहाड़ियां आदिवासी परिवार निवास करते हैं, जो लंबे समय से स्वच्छ पेयजल के अभाव से जूझ रहे हैं। टोला में कुल दो सोलर जल टंकी एवं पांच चापाकल हैं। इनमें से सभी चापाकल पिछले एक से दो वर्षों से खराब पड़े हुए हैं। वहीं, दो सोलर टंकियों में से एक करीब दो वर्षों से बंद है तथा दूसरी टंकी भी ठीक से कार्य नहीं कर रही है, जिसके कारण पूरे टोला को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।स्थिति यह है कि ग्रामीणों को लगभग एक किलोमीटर दूर खेत के पास स्थित झरना एवं कुएं से पानी लाकर पीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, प्रदूषित पानी के सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम जैसी बीमारियां फैल रही हैं। साथ ही, पानी लाने के लिए जंगल के पथरीले रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे दो महीने पूर्व प्रखंड कार्यालय में लिखित आवेदन दे चुके हैं। आवेदन के बाद मिस्त्री गांव भी आए थे, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। इसके अतिरिक्त, टोला में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में एक वर्ष पूर्व पानी की टंकी एवं नल लगाया गया था, लेकिन आज तक नल से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इससे आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पेयजल की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि अविलंब सोलर टंकी एवं चापाकलों की मरम्मत कराई जाए तथा आंगनबाड़ी केंद्र में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।इस मौके में रमेश देहरी, राजेश कुंवर, दुर्गी महारानी, सुकली महारानी, लीलावती महारानी, रूपी महारानी, शांति महारानी, फुलमुनी महारानी, प्रिया कुमारी, रामजीत देहरी, लाखिंदर देहरी, अर्जुन देहरी के साथ काफी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे।

## अखिल भारतीय प्रांतीय यादव महासभा की प्रदेश कार्यकारणी की बैठक हुई सम्पन्न

कोयलांचल संवाद संवाददाता, चतरा : अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा प्रदेश इकाई की प्रांतीय यादव महासभा झारखंड जिला चतरा के प्रदेश कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक जिला सर्किट हाउस में किया गया। जिसमें पूरे झारखंड राज्य में संघठनात्मक पुनर्गठन करना, प्रत्येक जिला में यादव महासभा का अकाउंट ओपनिंग करना ,सदस्यता अभियान चलाना, यादव समाज का जनगणना महासभा के द्वारा कराना आदि विचारों पर सहमति जताई गई एवं सामाजिक एवं जनहित में जन सरोकारों से जुड़े कार्यों को करने पर बल दिया गया। प्रांतीय यादव महासभा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष बलवंत यादव के नाम की

घोषणा के साथ ही नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का माल्यार्पण के साथ स्वागत किया गया। इस बैठक में मुख्य अतिथि सह अध्यक्षता पितामह दास यादव,विशिष्ट अतिथि बलवंत यादव ,मंच संचालन अनुराग कुमार मंडल के द्वारा किया गया। जिला अध्यक्ष अर्जुन यादव सेना सेवानिवृत्त एवं प्रतीक प्रकाश अंगार के द्वारा अंग वस्त्र देकर पूरे समाज को स्वागत किया गया। इस अवसर पर सैंकड़ों की संख्या में यादव समाज के लोग शामिल थे।

### झारखंड से हरियाणा ले जाई जा रही थी अफीम की खेप, पुलिस ने दो तस्करों को किया गिरफ्तार

**पलामूः** झारखंड के चतरा से अफीम की खेप हरियाणा के इलाके में जा रही थी. पलामू पुलिस की कार्रवाई में अफीम की खेप पकड़ी गई है. जबकि दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार तस्करों पर हरियाणा में भी पहले से अफीम के कारोबार के आरोप में मुकदमे दर्ज है.

दरअसल, पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि डालटनगंज रेलवे स्टेशन के आसपास अफीम की खेत की डिलीवरी होनी है, जिसका तस्करी दूसरे राज्य में होना है. इसी सूचना के आलोक में पलामू पुलिस ने डालटनगंज रेलवे स्टेशन के आसपास सर्च अभियान शुरू किया था.

डालटनगंज रेलवे स्टेशन के यात्री सेड से दो संदिग्ध युवकों को पुलिस ने पकड़ा और उनकी तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान गिरफ्तार युवक मुकेश कुमार रजक एवं सत्यदेव यादव के पास से पुलिस ने 1 किलो 263 ग्राम अफीम बरामद की. गिरफ्तार दोनों आरोपी चतरा के लावालौंग के रिमी रामपुर के रहने वाले है. सभी के खिलाफ मेदिनीनगर टाउन थाना में एनडीपीएस एक्ट के धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है.

डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में कई जानकारी मिली है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है. अफीम की खेप की डिलीवरी हरियाणा के इलाके में होने वाली थी. जिसे आरोपी ट्रेन से लेकर जाने वाले थे. पुलिस की छापेमारी में डीएसपी राजीव रंजन, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, टीओपी 2 के प्रभारी राकेश कुमार, सब इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा, चंद्रशेखर यादव समेत कई पुलिस जवान शामिल थे.

# रामगढ़ : चैत्र नवरात्र में फूलों से सज रहा रजरप्पा का मां छिन्नमस्तिका मंदिर, बंगाल के कारीगर दे रहे भव्य रूप

**रामगढ़:** चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर मां छिन्नमस्तिका मंदिर रजरप्पा को फूलों से भव्य और दिव्य रूप देने की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं. इस बार भी मंदिर को विशेष रूप से रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से सजाया जा रहा है, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा. इस बार मंदिर की सजावट में भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग के साथ पूरे मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाया जायेगा, जो श्रद्धालुओं के बीच खास आकर्षण का केंद्र होगा.

### देश के विभिन्न हिस्सों से भक्त यहां आते हैं

*वैसे तो पूरे वर्ष मां छिन्नमस्तिका मंदिर रजरप्पा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है. देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों भक्त यहां पहुंचते हैं और नौ दिनों तक पाठ, पूजा और हवन कर मां की आराधना करते हैं. सुबह से शाम तक मंदिर परिसर में 'जय माता दी' के जयकारे गूंजते रहते हैं.*

**नवरात्र में भव्यता चरम पर होती है:** मान्यता है कि छिन्नमस्तिका मंदिर के दरबार आने वाले हर भक्त की मनोकामना मां जरूर पूरी करती है, यही कारण है कि सालों भर यहां भक्तों का तांता लगा रहता है और नवरात्र में इसकी भव्यता अपने चरम पर होती है. मंदिर के वरिष्ठ पुजारी और मंदिर न्यास समिति के सदस्य शुभाशीष पंडा ने बताया कि 'नवरात्र के दौरान मां की आराधना का विशेष महत्व होता है. यहां सच्चे मन से पूजा करने वाले हर भक्त की मनोकामना मां पूर्ण करती है. इस बार सजावट को और भी भव्य बनाया जा रहा है ताकि भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हो. चैत्र नवरात्र में यहां पूजा-अर्चना करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है.

**सजावट से मंदिर की सुंदरता और निखारती है:** मंदिर को भव्य लुक देने वाले कोलकाता से आए कारीगर अमर सामंता जो अपनी टीम के साथ सजावट में जुटे हैं कहा कि 'हमारी 17 टीमें दिन-रात काम कर रही हैं. इस बार पारंपरिक कला और आधुनिक डिजाइन का अनूठा संगम देखने को मिलेगा. विभिन्न तरह के फूलों से तैयार शिवलिंग की आकृति और संपूर्ण सजावट मंदिर की सुंदरता को और निखार देगी. सजावट पूरी होने के बाद मंदिर की छटा देखने लायक होगी.

मंदिर न्यास समिति और बंगाल के श्रद्धालुओं के सहयोग से हो रही यह भव्य सजावट धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक समन्वय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है. सजावट पूरी होने के बाद फूलों की मनमोहक खुशबू और आकर्षक दृश्य हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करेगा. मंदिर की भक्त सजावट और भव्यता को अपने कैमरे में कैद कर सकेंगे.

## संक्षिप्त खबरें...

### बीच सड़क पर पटना पुलिस की मेडिकल ट्रीटमेंट ट्रैफिक कांस्टेबल ने सीपीआर देकर बचाई जान

पटना. पटना के मीठापुर बाईपास पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एक कांस्टेबल ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक सीआईएसएफ जवान की जान बचा ली। मीठापुर बाईपास पर यह घटना हुई, जहां जवान अचानक अचेत होकर सड़क पर गिर पड़ा। अचेत हुए व्यक्ति की पहचान नवादा जिले के रहने वाले कुंदन के रूप में हुई है, जो सीआईएसएफ में कांस्टेबल हैं। बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत पहले से खराब थी और वे अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में वे बेहोश होकर गिर पड़े। गिरते ही समझ गए हार्ट अटैक, तुरंत शुरू किया सीपीआर

मीठापुर ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात कांस्टेबल अंजनी कुमार गौरव ने बताया कि, एक व्यक्ति चेक पोस्ट से गुजर रहा था। पास में उसकी गाड़ी और परिवार मौजूद था। गाड़ी तक पहुंचने से पहले ही वह अचानक गिर गया। उसके शरीर से ज्यादा पसीना निकल रहा था और हाथ-पैर अकड़ रहे थे। स्थिति को देखते हुए उन्होंने हार्ट अटैक की आशंका जताई और बिना देर किए सीपीआर देना शुरू कर दिया।

#### कुछ ही सेकेंड में लौट आई सांसें

कांस्टेबल के मुताबिक, सीपीआर शुरू करने के करीब 30 सेकेंड के भीतर ही जवान को होश आने लगा। कुछ ही मिनटों में उसकी हालत सामान्य हो गई। मौके पर मौजूद परिजन भी यह देख भावुक हो गए और कांस्टेबल को भगवान का रूप बताकर धन्यवाद दिया।

#### ट्रेनिंग में सीखा, मौके पर किया इस्तेमाल

अंजनी कुमार गौरव ने बताया कि उन्हें सीपीआर देने का विशेष अनुभव नहीं था। ट्रेनिंग के दौरान जो सिखाया गया था, उसी के आधार पर उन्होंने हिम्मत जुटाकर यह कदम उठाया। समय रहते मिली मदद से कुंदन की जान बच गई। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है और वे अपने परिवार के साथ घर लौट गए हैं।

### छपरा-सीवान हाईवे पर बाइक सवार छात्र की मौतः पेट्रोल लेकर घर लौट रहा था, तेज रफ्तार बस ने कुचला

सीवान. छपरा-सीवान मुख्य मार्ग एनएच-531 पर धनौती पेट्रोल पंप के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र की जान चली गई, जबकि बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बस भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पेड़ से टकरा गई, जिससे बस में बैठे कई यात्रियों को हल्की चोटें आईं। मृतक की पहचान दरौंदा थाना क्षेत्र के मछौती गांव निवासी स्वर्गीय अच्छेलाल राम के पुत्र प्रितेश कुमार के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि सीवान से बोकारो जा रही गणराज लग्जरी बस तेज गति से छपरा की ओर बढ़ रही थी। इसी दौरान प्रितेश कुमार पेट्रोल पंप से पेट्रोल लेकर दरौंदा बाजार की ओर जाने के लिए सड़क पर निकले ही थे कि तेज रफ्तार बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल प्रितेश को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक और अन्य कर्मचारी मौके से फरार हो गए, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, बस में सवार घायल यात्रियों ने स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया और फिर अन्य वाहनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। इस पूरे मामले में दरौंदा थाना प्रभारी विकास कुमार सिंह का गैर-जिम्मेदाराना रवैया सामने आया है। संपर्क करने पर उन्होंने घटना की जानकारी से साफ इनकार करते हुए कहा कि वे सीवान में मीटिंग में हैं और उन्हें इस हादसे की कोई जानकारी नहीं है। थाना प्रभारी के इस बयान से लोगों में आक्रोश है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी थाना प्रभारी का अनजान बने रहना बेहद चिंताजनक है।

### सुपौल में बाथरूम में फंदे में लटकी मिली महिला कॉन्स्टेबलःभाई बोला- ईद पर लगी थी ड्यूटी

सुपौल. सुपौल में एक महिला कॉन्स्टेबल की लाश बाथरूम में फंदे से लटकी मिली। किशनपुर ब्लॉक परिसर के सभा भवन के बाथरूम से शनिवार रात बॉडी मिली है, जो फिलहाल इस्तेमाल में नहीं था। महिला सिपाही की मौत से पुलिस महकमे में हड़कंप है। मौके पर एफएसएल की टीम, कोसी रेंज के डीआईजी आशीष समेत जिले के अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचकर जांच की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतका की पहचान आरा जिले के पटखौली गांव की रितु कुमारी (22) के रूप में हुई है। उसकी मुजफ्फरपुर जिला बल में तैनात थीं और फिलहाल सुपौल के भीमनगर में ट्रेनिंग कर रही थीं। मौके से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें क्या लिखा है, इसकी जानकारी प्रशासन की ओर से नहीं दी गई है। हालांकि, मृतका के भाई ने भास्कर से बातचीत में कहा कि नोट में लिखा था- ट्रेनिंग छोड़कर नहीं जाना चाहती। किशनपुर थानाध्यक्ष ज्ञान रंजन कुमार का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है, जल्द ही घटना के पीछे के कारणों का खुलासा किया जाएगा। ईद को लेकर रितु प्रखंड परिसर स्थित सभा भवन में करीब 40 महिला कान्स्टेबल के साथ रह रही थी। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब साढ़े 7 बजे वह मोबाइल चार्जिंग के बहाने बाथरूम में गई थीं। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर साथी कर्मियों को संदेह हुआ। दरवाजा खोला गया तो अंदर उनका शव फंदे से लटका मिला। साथी सिपाही प्रीति सोनी ने कहा, ' हमदोनों साथ में नहीं रह रहे थे, जब हल्ला हुआ तो लगा सांप निकला होगा, लेकिन फिर मामले का पता चला। ये सब देखकर मैं डर गई थी। प्रशासन के लोग जब पहुंचे तो देखा रितु की मौत हो गई थी।' भाई अभिमन्यू ने बताया, रात में 10 बजे प्रशासन की ओर से फोन आया कि आपकी बहन की तबीयत खराब है। सुपौल सदर अस्पताल पहुंचिए। जब मैंने कारण पूछा तो बताया गया कि आपकी बहन ने सुसाइड करने की कोशिश की है। सुसाइड नोट में लिखा था- मैं खुशी से मरना चाहती हूं। मुझे परिवार, माता-पिता किसी से परेशानी नहीं है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि कोई खुशी से क्यों मरना चाहेगा। नोट में ये भी लिखा था कि ट्रेनिंग छोड़कर नहीं जाना चाहती हूं। पिता जितेंद्र गुप्ता ने बताया, 'आरा में लोकल थाने के लोग आए और कहा आपकी बेटी की तबीयत खराब है। हमलोग यहां पहुंचे तो पता चला कि उसने खुदकुशी की है।

# पटना से लेकर लंदन तक बिहार दिवस की धूमः 3 दिन चलेगा सेलिब्रेशन
# पीएम की नीतीश को चिट्ठी, बदलते बिहार का नायक बताया

पटना. बिहार अपना 114वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस मौके पर राज्य के अलग-अलग जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गांधी मैदान में 'मिनी बिहार' की झलक भी देखने को मिल रही है। थोड़ी देर बाद यहां बॉलीवुड सिंगर सोना महापात्रा फ्यूजन शैली से समां बांधेंगी। कार्यक्रम को लेकर गांधी मैदान में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली है। 22 से 24 मार्च तक चलने वाले तीन दिवसीय महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। 23 मार्च को फेमस बॉलीवुड सिंगर शान, जबकि 24 मार्च को पापोन समापन समारोह को यादगार बनाएंगे। बिहार दिवस की धूम सिर्फ बिहार में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी देखने को मिल रही है। लंदन में बिहार एसोसिएशन (यूके) की ओर से बिहार दिवस मनाया गया। इधर, बिहार दिवस पर पीएम मोदी ने सीएम नीतीश को लेटर लिखा है। लेटर में पीएम ने नीतीश को बिहार का नायक बताते हुए विकास कार्यों और सुशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में बिहार बड़े परिवर्तन का साक्षी बना है। वहीं, पीएम के लेटर पर सीएम नीतीश ने कहा, "आपके मार्गदर्शन और सहयोग से बिहार के कर्मठ, प्रतिभाशाली लोग राज्य और देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।"

#### समस्तीपुर में बिहार दिवस पर प्रभात फेरी-मैराथन दौड़

समस्तीपुर जिले में बिहार दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर से कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी कामेश्वर प्रसाद गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें अलग-अलग सरकारी स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। प्रभात फेरी शहर के अंबेडकर स्थल, काशीपुर पटेल मैदान गोलंबर से होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर आकर खत्म हुई। छात्र-छात्राएं नारा लगाते हुए दिखे, 'गर्व से कहो कि हम बिहारी हैं'। इसके अलावा मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरकारी कर्मियों के साथ ही छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिला उद्योग केंद्र से मैराथन दौड़ की शुरुआत की गई। डी म रोशन कुशवाहा, एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाई। मोहनपुर होते हुए पटेल मैदान तक करीब 3 किलोमीटर के इस मैराथन दौड़ में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन के लिए सड़क के दोनों ओर लोग खड़े थे। जिला प्रशासन के पदाधिकारी भी दौड़ में शामिल लोगों के साथ-साथ चल रहे थे। सुरक्षा को लेकर रोड को ब्लॉक किया गया था। जिले में बिहार दिवस के मौके पर स्कूली बच्चों के बीच चित्रकला के साथ-साथ भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। शाम में कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। जिसमें जिला के प्रभारी मंत्री के शामिल होने की उम्मीद है।

### नालंदा में गौरव के साथ मनाया बिहार दिवसःविकास की प्रदर्शनी-सम्मान समारोह रहा मुख्य आकर्षण

नालंदा. नालंदा जिला मुख्यालय स्थित नगर भवन में आज बिहार दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। संबोधन के दौरान जिलाधिकारी कुंदन

कुमार ने बिहार के स्वर्णिम इतिहास और सांस्कृतिक गौरव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस हमें अपनी विरासत को याद करने के साथ-साथ राज्य की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने जिले के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने लोक संस्कृति पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। परिसर में अलग-अलग विभागों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनियों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया, जिसका अधिकारियों ने बारीकी से निरीक्षण किया और आगंतुकों को सरल भाषा में जानकारी देने के निर्देश दिए। समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इनमें राजस्व कार्यों के लिए सवीना खातून और शिव शंकर कुमार को उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अर्चना और रेणु कुमारी को सम्मानित किया गया। रेणु कुमारी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लक्ष्य के खिलाफ 193 प्रतिशत की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा जिला समन्वयक रामप्रकाश कुमार सिन्हा और महिला पर्यवेक्षिका अंजलि कुमारी को भी उनके विशिष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। सामाजिक कल्याण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जिला प्रशासन की ओर से बड़ी संख्या में लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के तहत बिल्टु चौधरी, रिंकी कुमारी, धर्मवीर जमादार और कारू रविदास सहित कुल 19 लाभार्थियों को एक-एक लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए।

## बंद घर से 30 लाख के जेवर की चोरीःनालंदा से पत्नी का इलाज कराने गए थे देवघर, पीछे से चोरों ने वारदात को दिया अंजाम

नालंदा. नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र के बेरौटी टोला इंदरपुर गांव में चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाकर लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित अंजनी कुमार विद्यार्थी जब सपरिवार देवघर से वापस लौटे, तो घर का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। चोरों ने घर का ताला तोड़कर करीब 200 ग्राम सोना (बाजार मूल्य लगभग 30 लाख रुपये), 16,000 रुपये नकद और जमीन व गाड़ी के कीमती कागजात चोरी कर लिए हैं। पीड़ित अंजनी कुमार विद्यार्थी ने बताया कि वे बीते 16 मार्च को अपनी पत्नी के इलाज के लिए घर में ताला बंद कर देवघर (झारखंड) गए हुए थे। उन्होंने जाने से पूर्व घर की सुरक्षा सुनिश्चित की थी और पड़ोसियों को भी इसकी जानकारी थी। आज जब वे वापस लौटे, तो देखा कि मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ है। घर के अंदर प्रवेश करने पर स्थिति और भी भयावह थी। चोरों ने न केवल मुख्य द्वार, बल्कि अंदर के हर कमरे, बक्से और गोदरेज के ताले भी तोड़ डाले थे। पीड़ित के अनुसार, चोरों ने अलमारी में रखे सोने के जेवरात और नकदी के साथ-साथ घर, खेत और गाड़ी के महत्वपूर्ण दस्तावेज भी गायब कर दिए हैं। पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था।

अंजनी कुमार ने स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए पड़ोस के ही कुछ लोगों पर शक जाहिर किया है। उनका कहना है कि जब उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो किसी ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि किसी करीबी या पड़ोसी की मुखबिरी या सहयोग से ही इस बड़ी लूट को अंजाम दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि लिखित आवेदन मिल गया है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

#### मुंगेर में दुकान का ताला तोड़कर चोरी

मुंगेर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत पांच नंबर गुमटी के पास एक दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने दुकान से हजारों रुपये के सामान पर हाथ साफ किया, जिससे स्थानीय व्यवसायियों में भय का माहौल है। दुकानदार अभिषेक कुमार ने मुफस्सिल थाना में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि लगातार बारिश के कारण उन्होंने अपनी दुकान समय से पहले बंद कर दी थी। देर रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने दुकान के भीतर रखे कीमती सामानों को चुरा लिया। इतना ही नहीं, उन्होंने दुकान के काउंटर को भी तोड़ दिया और उसमें रखे नगद रुपये भी लेकर फरार हो गए। सुबह जब अभिषेक कुमार अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और कई महत्वपूर्ण वस्तुएं गायब थीं। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और चोरों की पहचान करने का प्रयास जारी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

### शेखपुरा में बिहार दिवस पर 'जीविका दीदी हाट' मॉडल प्रस्तुतःतंजौर कलाकृतियां रही आकर्षण का केंद्र

शेखपुरा. शेखपुरा में बिहार दिवस के अवसर पर रविवार को समाहरणालय परिसर स्थित परेड मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जीविका परियोजना ने भी अपने स्टॉल के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया। जिलाधिकारी शेखर आनंद और विधायक रणधीर कुमार सोनी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहना की। जीविका परियोजना के स्टॉल में कई गतिविधियां प्रदर्शित की गईं। इनमें 'जीविका दीदी का सिलाई घर' शामिल था, जिसे ट्राईसेम भवन में स्थानांतरित किया गया है। इसके साथ ही 'जीविका दीदी हाट' का मॉडल भी प्रस्तुत किया गया। जिले की कृष्णा देवी द्वारा निर्मित तंजौर कलाकृतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। दक्षिण भारत की इस कलाकृति को जिलाधिकारी और विधायक ने विशेष रूप से देखा और सराहा। अरियरी प्रखंड में कार्यरत कल्याणी जीविका महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड की जीविका दीदियों ने अतिथियों को अपने प्याज व्यवसाय के बारे में जानकारी दी। यह कंपनी ग्रामीण किसानों से प्याज खरीदकर जिले और जिले से बाहर के बाजारों तथा शॉपिंग मार्ट में बेचती है। इसी कंपनी के तहत अरियरी के चांदी गांव में संचालित सुखसागर प्याज प्रसंस्करण इकाई द्वारा प्याज का पाउडर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, अदरक, लहसुन और हरी मिर्च के पाउडर तथा विभिन्न मसाले भी यहां बनाए जाते हैं, जिन्हें स्टॉल में प्रदर्शित किया गया। स्वयं सहायता समूह से जुड़कर और मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित होकर कई महिलाएं स्वरोजगार कर रही हैं। सुनीता देवी, दीपा देवी और क्रांति देवी ने अपनी श्रृंगार दुकान, फल-सब्जी की दुकान और सिलाई के काम को प्रदर्शित किया।

### शेखपुरा में हाई टेंशन तार की चपेट में आए राजमिस्त्री-मजदूरःदोनों झुलसे, निर्माणाधीन मकान पर हादसा

शेखपुरा. शेखपुरा में रविवार को मकान निर्माण कार्य के दौरान हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक राजमिस्त्री और एक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना शहर के बाईपास रोड स्थित एक सिनेमा हॉल के समीप हुई। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पावापुरी के हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, निर्माणाधीन मकान पर काम चल रहा था। इसी दौरान राजमिस्त्री प्रदीप कुमार और मजदूर चंदन कुमार छड़ के सरिये उठा रहे थे। तभी छड़ अनजाने में ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गया, जिससे दोनों तेज करंट की चपेट में आकर झुलस गए और जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया और घायलों को सदर अस्पताल शेखपुरा पहुंचाया।

#### रजौन थाना से 200 मीटर दूर 5 लाख की चोरी

बांका । बांका जिले के रजौन थाना से महज 200 मीटर दूरी पर स्थित वीआईपी कॉलोनी में एक घर से करीब 5 लाख रुपए की संपत्ति चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना उदय कुमार सिंह के घर की है। इस संबंध में उनकी पत्नी अंजना देवी ने बताया कि हर दिन की तरह वे सभी परिवार के सदस्य थाना स्थित शिव मंदिर में शाम की आरती में पूजा-अर्चना करने गए थे। आरती के बाद जब वे घर लौटे तो घर का दरवाजा खुला हुआ मिला।उस समय उन्हें लगा कि संभवतः दरवाजा गलती से खुला रह गया होगा। जब किसी काम से पैसे की जरूरत पड़ी और वे गोदरेज अलमारी से पैसे निकालने गई। उन्होंने देखा कि उसमें रखे 70 हजार रुपए नगद तथा सोने-चांदी के सभी आभूषण गायब हैं।

## भागलपुर में शहीद जवान के बेटे ने दी मुखाग्निःड्यूटी के दौरान हुआ था सड़क हादसा, इलाज के दौरान हुई थी मौत

भागलपुर. भागलपुर के आर्मी जवान नीरज कुमार (34) सड़क हादसे में शहीद हो गए। रविवार सुबह उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव सबौर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर लाया गया। गांव में सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। छोटे बेटे नयन (10) ने शहीद पिता को मुखाग्नि दी है। बताया जा रहा है कि नीरज कुमार भोपाल में आर्मी मेडिकल कोर के हवलदार थे। 16 मार्च को बाइक से ड्यूटी पर आर्मी अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक पिछल गया और खाई में गिर गए। स्थानिय लोगों और आर्मी जवान की मदद से इलाज के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 20 मार्च को उनकी मौत हो गई। सड़क हादसे के बाद जवान ने अपनी पत्नी से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि " अभी आने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उसी दिन रात में सेना की ओर से रात के दो बजे फोन आया और बताया गया कि नीरज की तबियत ज्यादा खराब है। इस सूचना पर पत्नी निशा 18 मार्च को भोपाल स्थित आर्मी कैंप पहुंची। पत्नी निशा (31) ने कहा कि हमारे 2 बच्चे है। एक लड़का और एक लड़की है। मैं चाहती हूं कि सरकार हमें नौकरी दें। शहीद जवान के बड़े भाई अंकित ने बताया कि नीरज कुमार भोपाल स्थित आर्मी अस्पताल में भर्ती थे, जहां उनका ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई। 4 दिनों तक जिंदगी और मौत से जुझते रहे। फिर 20 मार्च को उनकी मौत हो गई। कर्नल योगेंद्र ने बताया कि ड्यूटी के दौरान एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय उनका एक्सीडेंट हो गया था। वे आर्मी मेडिकल सेक्टर में हवलदार के पद पर तैनात थे। 16 मार्च से उनका इलाज चल रहा था, लेकिन वे जिंदगी की जंग हार गए। सेना ने उनके बेहतर सेवा रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें शहीद का दर्जा दिया। गांव में सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद जवान की अंतिम झलक पाने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो सेना के अधिकारी, स्थानीय पुलिस प्रशासन और नाथनगर के विधायक मिथुन कुमार यादव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके साथ ही दर्जनों गांव के सैकड़ों की संख्या लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

## औरंगाबाद में गैस किल्लत के खिलाफ राजद का प्रदर्शनःदाउदनगर में प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

औरंगाबाद. औरंगाबाद के दाउदनगर अनुमंडल मुख्यालय में रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कालाबाजारी के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री और पेट्रोलियम मंत्री का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया। प्रदर्शन की शुरुआत अनुमंडल कार्यालय मोड़ से हुई, जहां से राजद कार्यकर्ता हाथों में पुतला और गैस सिलेंडर लेकर जुलूस की शक्ल में भखरुआं मोड़ तक पहुंचे। पूरे रास्ते कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गैस संकट को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। भखरुआं मोड़ पहुंचकर नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का पुतला दहन किया। इस मौके पर राजद प्रखंड अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह, पूर्व मुखिया कुणाल प्रताप, सुमित यादव और पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह सहित कई नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत कूटनीतिक और विदेश नीति के कारण देश में गैस संकट उत्पन्न हो गया है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में रसोई गैस की भारी किल्लत है, जबकि कालाबाजारी लगातार बढ़ती जा रही है।

राजद नेताओं ने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों के पास अनाज उपलब्ध होने के बावजूद गैस नहीं मिलने के कारण भोजन बनाना मुश्किल हो गया है। इसका सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात बनते जा रहे हैं और सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति सुचारू नहीं की गई और कालाबाजारी पर रोक नहीं लगी, तो राजद पूरे जिले में चक्का जाम कर व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता शामिल रहे और सभी ने एकजुट होकर गैस संकट के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। बताते चलें कि पिछले लगभग 15 दिनों से जिले में गैस संकट उत्पन्न है। कमर्शियल सिलेंडर के आपूर्ति पर रोक लगा दिया गया है जिसके कारण कई होटल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। जबकि गैस सिलेंडर के अभाव में कई होटल में कोयले का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं घरेलू गैस के लिए भी जिले के अलग-अलग क्षेत्र में लंबी लाइन देखने को मिल रही है।

## ईरान, अमेरिका- इजरायल युद्ध में भारत को 15 से 20 लाख करोड़ का फटका?

युद्ध अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच में चल रहा है। लेकिन इसका बड़ा असर भारत पर पडना शुरू हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार भारत को 15 से 20 लाख करोड रुपए का फटका लगना तय है। भारत सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को कैसे संभालेगी, इसको लेकर राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर चिंता बढ़ रही है। सारी दुनिया में कच्चे तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ाना शुरू हो गए हैं। युद्ध शुरू होने के पहले 65 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम थे, जो अब बढ़कर 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं। इसी तरह डॉलर के मुकाबले जो रुपया 91 और 92 के बीच में झूल रहा था, वह 93 पार कर गया है। जल्द ही 100 के स्तर छूने की बात हो रही है। भारत लगभग 85 फ़ीसदी तेल और गैस आयात करता है। कच्चा तेल और गैस महंगी होने का असर डालर और परिवहन लागत के कारण भारत में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा होगा। तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरने से लगभग 60000 करोड रुपए का अतिरिक्त फटका भारत को लगने जा रहा है। जब भी कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता है। ऐसी स्थिति में इसका असर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाइयां, केमिकल और खाद के दाम बढ़ते हैं। सरकार को महंगी दर पर खाद का आयात करना पड़ता है। सब्सिडी और कीमतें बढ़ने के कारण देश में सभी चीजें महंगी होंगी। महंगाई बढ़ने के कारण 4 से 5 लाख करोड रुपए का सरकारी खर्च बढ़ना तय है। भारत में इस युद्ध का असर सबसे ज्यादा होने जा रहा है। भारत का निर्यात कारोबार डॉलर के रेट बढ़ने से प्रभावित होगा। भारत से दुनिया के अन्य देशों में चॉवल, मसाले, टेक्सटाइल, मांस, फल, सब्जियां और समुद्री उत्पाद का निर्यात घट सकता है। यदि निर्यात में 2 से 5 फ़ीसदी की कमी आती है। ऐसी स्थिति में कम से कम 90 हजार करोड़ और अधिकतम 2 लाख करोड रुपए का नुकसान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने का अनुमान है। भारत में महंगाई बढ़ने के बाद आम लोगों की क्रय क्षमता कम होगी, ट्रांसपोर्ट महंगा होने के कारण हर वस्तु के दाम बढ़ेंगे, इसका असर जीडीपी में पड़ना तय है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, जीडीपी में 0.5 से लेकर 2 फ़ीसदी तक की गिरावट आ सकती है। जो भारत के लिए बहुत बड़ा झटका साबित होगा। जीडीपी में गिरावट होने से एक लाख करोड़ से लेकर 4 लाख करोड रुपए का नुकसान होने की बात आर्थिक विशेषज्ञ करने लगे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जिस तरीके से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से ईरान, अमेरिका-इजरायल युद्ध का असर भारत पर पड़ रहा है। उसको देखते हुए भारत की अर्थव्यवस्था में 15 से 20 लाख करोड रुपए से अधिक का आर्थिक दबाव पडना तय है। इस युद्ध ने सारी दुनिया के देशों को हिला कर रख दिया है। यह युद्ध, तेल और ऊर्जा संकट के रूप में सारी दुनिया के देशों को प्रभावित कर रहा है। भारत को सबसे ज्यादा युद्ध इसलिए प्रभावित कर रहा है। भारत ने रूस और ईरान से तेल और प्राकृतिक गैस लेना कम कर दी थी। अमेरिका के दबाव में 2019 से ईरान को छोड़ दिया था। 2025 में रूस से भी तेल लेना कम कर दिया था। भारत अभी जो तेल और प्राकृतिक गैस आयात कर रहा है। उसमें 100 फ़ीसदी भुगतान भारत को डॉलर मुद्रा में करना पड़ रहा है। जब ईरान से तेल और प्राकृतिक गैस आयात होती थी। तब भारतीय रुपए में भुगतान होता था। ईरान बदले में खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान भारत से रुपये में भुगतान करके खरीदता था। अब स्थिति पूरी तरह से बदली हुई है। अमेरिका और इजरायल की दबाव में भारत के ईरान से व्यापारिक संबंध नहीं रहे। भारत जो तेल और गैस आयात कर रहा है। उसमें दो से तीन महीने का समय लग रहा है। परिवहन और बीमा के रूप में 4 गुना ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ रहा है। पूंजी भी भारत को ज्यादा लगानी पड़ रही है। इन परिस्थितियों को देखते हुए आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है। भारत के ऊपर इस युद्ध का अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है। भारत सरकार को इस चुनौती से निपटने के लिए बड़ी गंभीरता के साथ विचार करना होगा। सरकार को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, कम कीमत पर कच्चे तेल-गैस इत्यादि का आयात के खर्च पर नियंत्रण तथा आर्थिक स्थिति में समन्वय बनाने एक नई लड़ाई लड़ने की जरूरत पड़ेगी। महंगाई बढ़ने के बाद बेरोजगारी बढ़ेगी इससे आम जनता को परेशानी होगी। इसका असर कानून व्यवस्था की स्थिति में होना तय है। जो स्थिति भारत में 1975 में देखने को मिल रही थी, वही स्थिति अब 2026 में देखने को मिल रही है। महंगाई और बेरोजगारी से जनता में नाराजी बढ़ रही है। आने वाले समय में आर्थिक चुनौती और भी बढ़ेगी ऐसी स्थिति में सरकार को सजग रहने की जरूरत है।

## झुलसती प्रकृति और बेपटरी होता मौसमः क्या हम प्रकृति की कराह सुन पा रहे हैं?

विकास की जिस अंधी और चमकदार राह पर हम आज सरपट दौड़ रहे हैं, वह दरअसल कुदरत के साथ किए गए एक बहुत बड़े विश्वासघात की कीमत पर खड़ी है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहाँ सफलता की ऊँचाई को कंक्रीट के मीनारों से नापा जा रहा है, लेकिन उस ऊँचाई के नीचे दबती जा रही मिट्टी और सिसकता वातावरण अब किसी की प्राथमिकता में नहीं है। समस्या केवल तापमान बढ़ने की नहीं, बल्कि उस प्राकृतिक अनुशासन के पूरी तरह ध्वस्त होने की है, जो सदियों से जीवन का आधार रहा है। आज का मनुष्य अपनी कृत्रिम सुख-सुविधाओं में इतना आत्ममुग्ध है कि उसे ऊपर तने उस थके हुए आकाश की कराह सुनाई नहीं देती, जो अब और बोझ सहने की शक्ति खो चुका है।

मौसम का यह बेपटरी होता मिजाज दरअसल हमारे भीतर बढ़ते उस असीमित लालच का प्रतिबिंब है, जिसे हमने प्रगति का नाम दे रखा है। जब चैत्र की शुरुआत में ही सूरज की किरणें झुलसाने लगें, तो इसे महज भौगोलिक परिवर्तन मानकर नहीं छोड़ना चाहिए। यह प्रकृति का वह मौन लेकिन तीखा विरोध है, जो वह हमारे अनियंत्रित हस्तक्षेप के खिलाफ दर्ज कर रही है। हमने विलासिता के लिए नदियों के रास्ते बदले, पहाड़ों को छलनी किया और उन जंगलों को उजाड़ दिया जो धरती के असली फेफड़े थे। आज उसी का नतीजा है कि ऋतुओं का संतुलन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है और हम तकनीक के तमाम दावों के बावजूद प्रकृति की इस अनिश्चितता के सामने असहाय खड़े हैं। यह अनिश्चितता केवल मौसम के मिजाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की बुनियाद को भी खोखला कर रही है। जब हम कुदरत के चक्र से छेड़छाड़ करते हैं, तो हम केवल एक मौसम नहीं खोते, बल्कि उस पूरी व्यवस्था को दांव पर लगा देते हैं जो हमें भोजन और सुरक्षा प्रदान करती है। हवाओं की बदलती दिशा और बादलों का यह अनजाना व्यवहार दरअसल उस संतुलन के बिगड़ने की गवाही है, जिसे हमने अपनी महत्वाकांक्षाओं की वेदी पर चढ़ा दिया है। हम जिस धरती को अपनी जागीर समझ बैठे हैं, वह अब अपनी सहनशक्ति की अंतिम सीमा पर खड़ी होकर हमें आगाह कर रही है। गंभीरता इस बात में है कि हमने मौसम को केवल डिजिटल आंकड़ों और सैटेलाइट तस्वीरों तक सीमित कर दिया है। हमारे पास यह जानने की तकनीक तो है कि बारिश कब होगी, लेकिन यह समझने की संवेदना खत्म हो गई है कि प्रकृति ऐसा व्यवहार क्यों कर रही है। जब किसान की साल भर की मेहनत एक रात की बेमौसम ओलावृष्टि में मिट्टी हो जाती है, तो वह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि उस प्राचीन भरोसे का टूटना है जो मनुष्य का प्रकृति के साथ था। आधुनिक मौसम विज्ञान चेतावनी तो दे रहा है, लेकिन समाज आत्ममुग्धता की नींद में सोया है। हम अंतरिक्ष में बस्तियां बसाने के सपने देख रहे हैं, जबकि अपनी ही धरती के बढ़ते बुखार का हमारे पास कोई ईमानदार इलाज नहीं है। सबसे बड़ा नैतिक संकट उस विरासत का है, जो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऋण के रूप में छोड़ रहे हैं। विरासत का अर्थ केवल बैंक बैलेंस नहीं होता; असली विरासत वह शुद्ध और स्वस्थ पर्यावरण है जो संतानों का जन्मसिद्ध अधिकार है। अगर हम उन्हें ऐसी दुनिया दे रहे हैं जहाँ सूरज की रोशनी जानलेवा और नदियाँ केवल गंदे नालों का अवशेष हैं, तो हमारी तमाम प्रगति एक बड़ी ऐतिहासिक असफलता ही कहलाएगी। हम आज जो संसाधन बेरहमी से उजाड़ रहे हैं, वे उन नन्हीं आंखों की अमानत हैं जिन्हें कल इसी झुलसती धरती पर बसेरा तलाशना है। क्या हम इतने स्वार्थी हो चुके हैं कि अपनी विलासिता के लिए अपने ही बच्चों का भविष्य गिरवी रख दें? विश्व मौसम विज्ञान दिवस का महत्व केवल रस्म अदायगी तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह दिन आत्म-साक्षात्कार का है कि विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धि मशीनों का निर्माण नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना होना चाहिए था। हमें वापस उस सादगी की ओर मुड़ना होगा जहाँ प्रकृति को कच्चा माल नहीं, बल्कि एक जीवंत अस्तित्व माना जाता था। कुदरत की सहनशीलता अब जवाब दे रही है। पेड़ों की छांव, नदियों की शीतलता और आसमान की पवित्रता को बहाल करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि हमारे जीवित रहने की एकमात्र शर्त है।

## तेल, गैस के बाद इन्टरनेट पर ग्रहण लग सकती है

> “हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि ''ईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगा'' जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है।”

बिनोद कुमार सिंह

विश्व व्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अब शक्ति की परिभाषा केवल सैन्य क्षमता या आर्थिक पहलु तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह धीरे-धीरे डिजिटल ढाँचे और डेटा नियंत्रण तक फैलती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मध्य एक नई आशंका ने वैश्विक मंच पर विचार - विमर्श को जन्म दिया है - क्या ईरान ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकता है,जिससे विश्व की इंटरनेट व्यवस्था प्रभावित हो जाए? यह प्रश्न केवल एक सनसनीखेज संभावना नहीं,बल्कि उस जटिल वैश्विक ताने-बाने का अंहम हिस्सा है,जिसमें मानव समुदाय का आधुनिक जीवन पूरी तरह उलझा हुआ है।

विगत दिनों में होर्मुज जलडमरू मध्य को विश्व ऊर्जा आपूर्ति के सबसे संवेदनशील मार्ग के रूप में देखा जाता रहा है,जहाँ से होकर वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। वैश्विक राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बदलते समय के साथ यह क्षेत्र केवल ऊर्जा का मार्ग नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल दुनिया की एक महत्वपूर्ण धुरी बन चुका है। समुद्र की गहराइयों में बिछी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स,जो आँखों से ओझल रहती हैं,वास्तव में वैश्विक इंटरनेट की जीवनरेखा हैं। इन्हीं के माध्यम से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बीच डेटा का निरंतर प्रवाह बना रहता है। लाल सागर और होर्मुज जैसे क्षेत्र इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,क्योंकि यहाँ से गुजरने वाली केबल्स यूरोप,एशिया और अफ्रीका को जोड़ती हैं। इन केबल्स के जरिए ही वीडियो कॉल, ईमेल,बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार की गतिविधियाँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं संचालित होती हैं। यह पूरी व्यवस्था इतनी सहज लगती है कि सामान्यतः हम इसकी जटिलता और संवेदनशीलता को समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट को लेकर यह धारणा कि इसे एक झटके में बंद किया जा सकता है,तकनीकी रूप से पूरी तरह सही नहीं है। वैश्विक इंटरनेट एक विकेंद्रीकृत प्रणाली है, जिसमें सैकड़ों केबल्स और हजारों सर्वर जुड़े हुए हैं। इसलिए किसी एक देश के लिए पूरी दुनिया का इंटरनेट ठप कर देना संभव नहीं है। फिर भी, यह भी उतना ही सच है कि यदि किसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थित केबल्स को नुकसान पहुंचता है,तो इसका असर व्यापक स्तर पर दिखाई दे सकता है। इंटरनेट पूरी तरह बंद न भी हो,तो उसकी गति धीमी हो सकती है,सेवाओं में बाधा आ सकती है और वैश्विक संचार व्यवस्था अस्थिर हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश,जो तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं,इस प्रकार के किसी भी व्यवधान से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। आज बैंकिंग,शिक्षा,स्वास्थ्य,व्यापार और सरकारी सेवाओं का बड़ा हिस्सा इंटरनेट पर निर्भर हो चुका है। यदि डेटा के प्रवाह में किसी प्रकार की बाधा आती है,तो इसका असर केवल तकनीकी नहीं,बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी होगा। आम नागरिक को इसका अनुभव इंटरनेट की धीमी गति,ऑनलाइन सेवाओं में देरी और डिजिटल लेन-देन में असुविधा के रूप में होगा,जबकि बड़े स्तर पर यह आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकता है। इस पूरे परिदृश्य में वैश्विक टेक कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। एमजॉन,माईको साफ्ट और गुगल जैसी कंपनियों ने पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में बड़े डेटा सेंटर स्थापित किए हैं,जो वैश्विक नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन केंद्रों के माध्यम से डेटा का आदान-प्रदान होता है और विभिन्न महाद्वीपों के बीच डिजिटल संपर्क बना रहता है। यदि समुद्री केबल्स प्रभावित होती हैं,तो इन कंपनियों की सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है,जिसका प्रभाव दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं तक पहुंचेगा। आज की भू-राजनीति में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि डेटा और कनेक्टिविटी भी एक प्रकार की शक्ति बन चुके हैं। जिस प्रकार ऊर्जा आपूर्ति को नियंत्रित करके वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला जाता है,उसी प्रकार डेटा प्रवाह को प्रभावित करके भी दबाव बनाया जा सकता है। होर्मुज और लाल सागर जैसे क्षेत्र अब केवल भौगोलिक महत्व के नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक दृष्टि से 'डिजिटल चोक-पॉइंट' बनते जा रहे हैं,जहाँ किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर दूर-दूर तक महसूस किया जा सकता है।

हालांकि इस संभावित खतरे को देखते हुए दुनिया पूरी तरह असहाय नहीं है। वैकल्पिक समुद्री मार्गों का विकास,सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं का विस्तार और डेटा नेटवर्क को अधिक लचीला बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वही वर्तमान के वैश्विक ढांचा अभी भी इन प्रमुख मार्गों पर काफी हद तक निर्भर है। संक्षेप का सार यह है कि "ईरान पूरी दुनिया का इंटरनेट बंद कर देगा" जैसी बातें भले ही अतिशयोक्ति हों,लेकिन इनके पीछे छिपी चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह हमें यह समझने का अवसर देती है कि आधुनिक दुनिया कितनी गहराई से आपस में जुड़ी हुई है और किस प्रकार एक क्षेत्र की अस्थिरता का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है। आज आवश्यकता है एक संतुलित और दूरदर्शी दृष्टिकोण की, जिसमें तकनीकी समझ, कूटनीतिक संतुलन और राष्ट्रीय हितों का समन्वय हो। आने वाले समय में शक्ति का स्वरूप और भी बदलने वाला है,उस समय वही देश आगे होंगे,जो न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करेंगे,बल्कि अपनी डिजिटल संरचना को भी सुरक्षित और मजबूत बनाए रखेंगे। वैश्विक राजनीतिक के मामले पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि अगर ईरान - इसाईल-अमेरिका के युद्ध विराम नही होता तो डिजिटल दुनिया रफ्तार पर लग सकती है। ब्रेक,हैईरान,होर्मुज और इंटरनेट की अदृश्य जंग के मड़राते काले बादल ना केवल भारत जैसे विकासशील देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर सकती है।

## निर्वासन में भी आशा : दलाई लामा की यात्रा

> “भारत में दलाई लामा सुरक्षित हैं। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय भारत में बिताया। वे गर्व के साथ स्वयं को ''भारत का पुत्र'' कहते हैं और भारत को अपनी कर्मभूमि मानते हैं। उनका जीवन केवल आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रतीक नहीं, बल्कि लोकतंत्र, त्याग, करुणा और भारत के प्रति प्रेम का जीवंत उदाहरण भी है। उन्हें केवल आध्यात्मिक गुरु के रूप में नहीं बल्कि करुणा के प्रतीक और भगवान बुद्ध के अवतार के रूप में पूजा जाता है। वर्तमान में तेनज़िन ग्यात्सो (14वें दलाई लामा) के रूप में प्रतिष्ठित हैं और मैकलोडगंज (हिमाचल प्रदेश) में निवास कर रहे हैं। गत सप्ताह 11 मार्च 2026 को, तेनशुक 2026 के अंतर्गत मैकलोडगंज के थे-कचेन चोएलिंग मंदिर में उनकी लंबी आयु के लिए प्रार्थना आयोजित की गई।”

निमिषा सिंह

वर्ष 1937, पूर्वोत्तर तिब्बत का एक छोटा सा खेत। जौ, आलू और मुर्गियों के बीच नन्हा ल्हामो थोंडुप मुस्कुरा रहा था। गरीबी और कठिनाइयों के बीच भी उसका चेहरा जीवन और खुशी से दमक रहा था। यह वह क्षण था जब एक बच्चे की मासूम मुस्कान में छुपी थी भविष्य की करुणा, साहस और मानवता की अद्वितीय शक्ति।

कुछ महीनों से एक खोज दल उस घर की निगरानी कर रहा था। दिव्य संकेतों और विभिन्न आध्यात्मिक प्रमाणों के आधार पर यह पाया गया कि यही बच्चा चौदहवें दलाई लामा होंगे। जब उन्हें पुराने दलाई लामा की वस्तुएँ दी गईं, तो उन्होंने सरल भाव से कहा, "ये मेरे हैं, ये मेरे हैं।" उस छोटे-से बच्चे की सरलता और सच्चाई ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह आने वाले वर्षों में न केवल तिब्बत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए करुणा और शांति का प्रतीक बनेंगे। नन्हे ल्हामो थोंडुप को करुणा के बोधिसत्व अवलोकितेश्वर (तिब्बती में चेनरेज़िग) का अवतार माना गया। बौद्ध मान्यता के अनुसार, वे अवलोकितेश्वर के मानवीय रूप हैं, जो मानवता की सेवा के लिए बार-बार पुनर्जन्म लेते हैं।

खोज के महज चंद दिनों बाद ल्हामो थोंडुप को मठ भेज दिया गया। वहाँ के पर्वत, घाटियाँ, जंगली याक, गधे और हिरण उन्हें मंत्रमुग्ध कर गए। यह वही धरती थी, जिस पर वे आने वाले वर्षों में आध्यात्मिक और लौकिक नेतृत्व करेंगे। 1940 में उन्हे 13वें दलाई लामा के अवतार के रूप में मान्यता मिली। उनका औपचारिक राज्याभिषेक हुआ और उन्हे आध्यात्मिक नाम तेनज़िन ग्यात्सो मिला।उन्होंने करुणा, ज्ञान और प्रज्ञापारमिता पर आधारित गहन बौद्ध शिक्षा ग्रहण की। नववयस्क होते ही, 15 वर्ष की उम्र में, नवंबर 1950 में, ल्हामो थोंडुप आधिकारिक रूप से छह मिलियन तिब्बतियों के लौकिक और आध्यात्मिक नेता के रूप में सिंहासन पर आसीन हुए। यह वह समय था जब तिब्बत अपने सीमाओं पर चीनी आक्रमण का सामना कर रहा था। तिब्बत की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन और नेपाल में मिशन भेजे। लेकिन वैश्विक स्तर पर कोई भी प्रयास तिब्बत को बचाने में सफल नहीं हो सका। अकेले तिब्बत को कम्युनिस्ट चीन की पूरी ताकत का सामना करना पड़ा। 1950 में चीन ने तिब्बत पर आक्रमण किया और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) की सैन्य कार्रवाई के माध्यम से तिब्बत पर अपना नियंत्रण स्थापित किया। चामदो की निर्णायक लड़ाई में PLA की जीत ने तिब्बत के नेताओं को 1951 में बंदूक की नोक पर सत्रह सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। इस समझौते ने तिब्बत को औपचारिक रूप से चीन का हिस्सा घोषित कर दिया और दलाई लामा के ऐतिहासिक शासन को समाप्त कर दिया। 1954 में दलाई लामा ने चीन में एक वर्ष बिताया, और इसके बाद 1956 में भारत में पांच महीने अतिथि के रूप में रहे। इन यात्राओं ने उन्हें वैश्विक दृष्टिकोण और नेतृत्व की व्यापक समझ दी। उन्होंने राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया, और इससे उनके दृष्टिकोण में गंभीर बदलाव आया। 1959 में, जब 14वें दलाई लामा को एक चीनी जनरल ने छलपूर्वक नृत्य मंडली के प्रदर्शन में आमंत्रित किया, तिब्बती जनता ने उनके आवास को घेरकर उन्हें अपहरण से बचाने का प्रयास किया। भविष्यवाणी और साहस के सहारे, महज 23 वर्ष की उम्र में, उन्होंने सैनिक वेश धारण करके चुपके से भारत की सीमा पार की। तत्कालीन भारत सरकार ने उन्हें और तिब्बती शरणार्थियों को आश्रय प्रदान किया। इस निर्णय ने तिब्बत के अस्तित्व और उनके संघर्ष के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनका नेतृत्व केवल तिब्बतियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा बन गया। भारत आने के बाद उनके कंधों पर लगभग एक लाख शरणार्थियों की जिम्मेदारी थी। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक विकास के लिए कई संस्थानों की स्थापना की और तिब्बती बौद्ध धर्म की परंपराओं को संरक्षित एवं पुनर्जीवित किया। 1959 में भारत आने के बाद ही उन्होंने तिब्बती शासन प्रणाली में गहन बदलाव लाने का कार्य शुरू किया। उनकी उपस्थिति और करुणामय दृष्टिकोण प्रवासी तिब्बतियों के लिए शक्ति और सांत्वना का स्रोत बने। उन्होंने तिब्बत की स्वायत्तता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित किया। परम पावन न केवल मानवता और धर्म के लिए समर्पित हैं, बल्कि पृथ्वी और प्रकृति के संरक्षण के प्रति भी। उन्होंने तिब्बती पठार को एशियाई नदियों का स्रोत बताते हुए इसे शांति और संरक्षण का क्षेत्र बनाने का आह्वान किया। दलाई लामा को 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दलाई लामा का योगदान केवल आध्यात्मिक नेतृत्व तक सीमित नहीं है। उन्होंने तिब्बती राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े लोकतांत्रिक सुधार लागू किए। सबसे महत्वपूर्ण पहल यह रही कि उन्होंने अपनी राजनीतिक शक्ति का त्याग कर उसे अपने लोगों के बीच लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से वितरित किया। यह कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि यह तब हुआ जब तिब्बत चीन के कब्जे में था। निर्वासन में रहते हुए उन्होंने तिब्बती समुदाय के लिए चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से राजनीतिक नेतृत्व चुनने की व्यवस्था की, जिससे निर्वासित तिब्बतियों में लोकतांत्रिक भावना को बल मिला। आज तिब्बती समुदाय में चुनावी प्रक्रिया चल रही है। वर्तमान कैबिनेट का पांच साल का कार्यकाल इस मई में समाप्त हो रहा है, और सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग को लोगों ने 60% से अधिक वोटों के साथ निर्विरोध चुना है।

भारत में दलाई लामा सुरक्षित हैं। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय भारत में बिताया। वे गर्व के साथ स्वयं को "भारत का पुत्र" कहते हैं और भारत को अपनी कर्मभूमि मानते हैं। उनका जीवन केवल आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रतीक नहीं, बल्कि लोकतंत्र, त्याग, करुणा और भारत के प्रति प्रेम का जीवंत उदाहरण भी है। उन्हें केवल आध्यात्मिक गुरु के रूप में नहीं बल्कि करुणा के प्रतीक और भगवान बुद्ध के अवतार के रूप में पूजा जाता है। वर्तमान में तेनज़िन ग्यात्सो (14वें दलाई लामा) के रूप में प्रतिष्ठित हैं और मैकलोडगंज (हिमाचल प्रदेश) में निवास कर रहे हैं। गत सप्ताह 11 मार्च 2026 को, तेनशुक 2026 के अंतर्गत मैकलोडगंज के थे-कचेन चोएलिंग मंदिर में उनकी लंबी आयु के लिए प्रार्थना आयोजित की गई जिसमें हज़ारों बौद्ध भिक्षु, भिक्षुणियाँ और अनुयायी शामिल हुए। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों अनुयायियों और 24 तिब्बत सहायता समूहों ने हिंदी और तिब्बती भाषा में प्रार्थनाएँ कीं। अखिल भारत रचनात्मक समाज और भारत तिब्बत मैत्री संघ (महिला शाखा) की सक्रिय सदस्य होने के नाते मुझे भी इस आयोजन में सम्मलित होने का अवसर मिला। कार्यक्रम की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के रूपा और कलाकटांग के साधकों द्वारा चोड़ प्रथा से हुई, जिसमें दलाई लामा के दीर्घायु की प्रार्थना की गई। नामग्याल मठ के भिक्षुओं ने मंत्रों का पाठ किया और कोर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों ने बुद्ध के शरीर, वाणी और मन का मंडल प्रस्तुत किया।

## खाड़ी युद्ध : कौन जीता है कौन हार गया?

तनवीर जाफ़री

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपा गया बलात युद्ध अनियंत्रित होकर बेहद ख़तरनाक दौर से गुज़र रहा है। दर्जनों देशों को अपनी चपेट में ले चुके इस युद्ध में अब तक खरबों डॉलर का नुक़्सान हो चुका है। अमेरिका -इस्राईल द्वारा मिलकर ईरान को जिस स्तर तक नुक़्सान पहुँचाया जा चुका है और अब भी उसके ईंधन उत्पाद केंद्रों पर हमले कर लगातार पहुँचाया जा रहा है उससे निश्चित रूप से पहले ही चार दशकों से वैश्विक रूप से आर्थिक व व्यवसायिक प्रतिबंध झेल रहे ईरान की कमर ज़रूर टूट जाएगी। परन्तु इसके बावजूद आप इस निष्कर्ष पर क़तई नहीं पहुँच सकते कि ईरान यह युद्ध हार चुका है या हार जायेगा। हाँ इसके विपरीत ईरान ने अपनी बहादुरी,सूझबूझ,योग्यता,दृढ़ संकल्प,विश्वास व कूटनीति के बल पर न केवल दुनिया के कई देशों के चेहरों से नक़ाब हटा दी है बल्कि अमेरिका के बारे में पूरे विश्व में बन चुकी विश्वविजेता जैसी फ़र्ज़ी धारणा को भी ध्वस्त कर दिया है। बेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के बहकावे में आकर या एप्स्टीन फ़ाइल के भयादोहन (ब्लैक मेलिंग ) का शिकार होकर ईरान को वेनेजुएला की ही तरह कमतर आंक कर उसपर हमला बोल दिया। दुनिया ने देखा कि ईरान पर आक्रमण करने से पूर्व अमेरिका व इस्राईल ने किस तरह ईरान के भीतर सत्ता विरोधी बग़ावत कराने जैसा कुटिल असफल प्रयास किया। गोया आज युद्ध में अपनी मुंह की खाने वाला अमेरिका मोसाद की मदद से ईरान में सत्ता विरोधी बग़ावत का भी सहारा लेना चाह रहा था जोकि राष्ट्रवादी ईरानियों ने मुमकिन नहीं होने दिया। न ही शाह की औलाद को ईरान पर पुनः थोपने की अमेरिकी चाल कामयाब हो सकी। लिहाज़ा यह कहना ग़लत नहीं होगा कि अमेरिका अपनी इस कुटिल चाल में शुरुआत में ही ईरान से हार चुका था। इसके बाद बावजूद इसके कि 27 फ़रवरी तक दोहा में ईरान - अमेरिका के बीच वार्ता हो ही रही थी फिर भी अमेरिका ने इस्राईली सेना के साथ मिलकर 28 फ़रवरी को पूरी ताक़त के साथ तेहरान पर हवाई हमले शुरू कर दिये। इन हमलों का उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन,ईरान की मिसाइल क्षमताओं, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व को नष्ट करना था। ऑपरेशन रोअरिंग लायन और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नमक इस पहले आक्रमण में ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली ख़ामनेई का तेहरान के पेस्टूर स्ट्रीट स्थित आवास पर हमले में निधन हुआ। इसी हमले में कुल लगभग 40 ईरानी अधिकारी मारे गए, साथ ही 1,444 से अधिक मौतें भी हुईं जिनमें 168 बच्चे और 200 महिलाएं शामिल थीं। इसी हमले में अयातुल्लाह अली ख़ामनेई के दामाद, पोते और अली शमखानी जैसे अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मारे गये। रक्षा मंत्री अमीर नासिर जादेह और रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मोहम्मद पाक पुर व सेना प्रमुख अब्दुल रहीम मूसवी सहित चार वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गये। इसी हमले में ईरान के 24 प्रांत प्रभावित हुए, जहां 500 से अधिक सैन्य लक्ष्य जैसे एयर डिफ़ेंस , मिसाइल लॉन्चर, नौसेना और नतांज, कराज, क़ुम की परमाणु सुविधाएं आदि के नष्ट होने के दावे किये गये। तेहरान में राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, ख़ुफ़िया मंत्रालय और ग्रैंड बाज़ार को काफ़ी क्षति पहुंची नागरिक इलाक़ों पर भीषण बमबारी की गयी। अमेरिकी टॉम हॉक मिसाईल से मिनाब में लड़कियों के एक स्कूल में 148 लड़कियों की मौत हो गयी तथा कई अस्पतालों को नुक़्सान हुआ।

# भारत के तीनों शहीद दिवस का इतिहास और महत्व

# स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित

**कांतिलाल मांडोत**

हर साल 23 मार्च को पूरे देश में शहीद दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन वीर सपूतों, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित है जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शहीद दिवस केवल भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में ही नहीं मनाया जाता, बल्कि उन सभी वीरों के सम्मान में भी इसे मनाया जाता है जिन्होंने अपनी कुर्बानी से देश की स्वतंत्रता की राह को आसान बनाया। यह दिन हमें उनकी वीरता, साहस और बलिदान की याद दिलाता है और देशभक्ति की भावना को हर दिल में जगाता है।

शहीद दिवस का इतिहास भारत के संघर्षपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा हुआ है। अंग्रेजों ने लगभग दो सौ वर्षों तक भारत पर शासन किया और देशवासियों के जीवन को नियंत्रित किया। लेकिन जब भारत के सपूतों ने स्वतंत्रता की मांग उठाई, तो उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की आंधी चला दी। यह विद्रोह केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर वर्ग और हर घर से लोग स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। इस दौरान भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाई और पूरे देश में क्रांति की ज्वाला फैलायी।

1928 में भगत सिंह और उनके साथियों ने उस ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी, जो लाला लाजपत राय की लाठीचार्ज के दौरान हुई मृत्यु के लिए जिम्मेदार था। यह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। इसके बाद 1929 में भगत सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर केंद्रीय असेंबली में बम फेंककर "इंकलाब जिंदाबाद" का नारा लगाया। उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जनता को जागरूक करना था। कोर्ट में भी उन्होंने अपने विचारों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया, जिससे पूरे भारत में उनकी वीरता और साहस की गूंज फैल गई।

23 मार्च 1931 का दिन भारतीय इतिहास में एक अमर गाथा बन गया, जब अंग्रेज सरकार ने लाहौर जेल में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी। उस समय भगत सिंह की उम्र मात्र 23 वर्ष थी, लेकिन उनका साहस और संकल्प किसी भी बड़े नेता से कम नहीं था। उनके बलिदान ने पूरे देश को झकझोर दिया और स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी। यह दिन हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल सामूहिक प्रयास से ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत साहस और समर्पण से भी प्राप्त होती है।

भारत में दूसरा शहीद दिवस 30 जनवरी को मनाया जाता है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत की स्मृति में समर्पित है। वर्ष 1948 में इसी दिन नई दिल्ली के बिरला भवन में गांधी जी की हत्या कर दी गई थी। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह सिद्ध किया कि बिना हथियार उठाए भी एक बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता का प्रतीक था। 30 जनवरी का महत्व केवल एक महान नेता को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन हमें आत्मचिंतन का अवसर भी प्रदान करता है। इस दिन देशभर में दो मिनट का मौन रखकर गांधी जी को श्रद्धांजलि दी जाती है। यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और ईमानदारी के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। गांधी जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे।

तीसरा शहीद दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसे पुलिस शहीद दिवस के रूप में जाना जाता है। यह दिन उन बहादुर पुलिसकर्मियों को समर्पित है, जिन्होंने देश की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। वर्ष 1959 में लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना के साथ संघर्ष के दौरान कई भारतीय पुलिस जवान शहीद हो गए थे। उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

21 अक्टूबर का दिन हमें यह याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि देश के भीतर भी निरंतर बनाए रखी जाती है। पुलिसकर्मी दिन-रात अपनी ड्यूटी निभाते हुए समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखते हैं। उनका जीवन भी त्याग और समर्पण का उदाहरण है। यह दिवस हमें उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है।

इन तीनों शहीद दिवसों का महत्व अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। 23 मार्च हमें क्रांतिकारी सोच, साहस और बलिदान की प्रेरणा देता है। 30 जनवरी हमें सत्य, अहिंसा और नैतिकता का मार्ग दिखाता है। वहीं 21 अक्टूबर हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवा भाव का महत्व समझाता है। ये तीनों दिवस मिलकर हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। आज के आधुनिक युग में जब हम अपने जीवन में व्यस्त हो गए हैं, तब इन शहीद दिवसों का महत्व और भी बढ़ जाता है। ये हमें हमारे इतिहास से जोड़ते हैं और यह याद दिलाते हैं कि हमारी आज़ादी के पीछे कितनी कुर्बानियां छिपी हुई हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन महान बलिदानों को न केवल याद रखें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

अंत में, शहीद दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने का एक माध्यम है। यह हमें यह सिखाता है कि देश के लिए किया गया हर छोटा-बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है। जब हम इन वीरों को नमन करते हैं, तो हम अपने कर्तव्यों को भी समझते हैं और एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। यही शहीद दिवस का सच्चा अर्थ और महत्व है।

# अमर बलिदानी वीर भगत सिंह को शत शत नमन

**संजय गोस्वामी**

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को लायलपुर ज़िले के बंगा में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका पैतृक गांव खट्कड़ कलां है जो पंजाब, भारत में है। उनके जन्म के समय उनके पिता किशन सिंह, चाचा अजित और स्वरण सिंह जेल में थे।भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वो कई क्रन्तिकारी संगठनों के साथ मिले और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया था। जिनकी शिक्षाएँ भारत के लोगों को प्रेरित करती हैं। उनकी जयंती राष्ट्रीय नायक के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने साहस और बलिदान के साथ ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध देश की आज़ादी के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भगत सिंह कौन थे? जन्मः भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। वे एक सिख परिवार से थे जो उपनिवेशवाद विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे, उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। प्रारंभिक जीवनः जब वह बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने जलियाँवाला बाग में हुए नरसंहार को देखा, जिससे उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल हुई और उन्हें भारत की स्वतंत्रता के लिये लड़ने की प्रेरणा मिली। शिक्षाः उन्होंने लाहौर में लाला लाजपत राय द्वारा

स्थापित नेशनल कॉलेज में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन को बल मिलने के साथ क्रांतिकारी विचारों के प्रसार हेतु एक मंच प्राप्त हुआ। क्रांतिकारी संगठनः भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने, बाद में वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन कर दिया गया। नौजवान भारत सभा की स्थापना वर्ष 1926 में भगत सिंह ने की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था। प्रमुख कार्यः भगत सिंह पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जेपी सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र केस) में शामिल थे। उन्होंने 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में केंद्रीय विधान सभा में बम फेंका। गिरफ्तारी और मुकदमाः वर्ष 1929 में उन्हें बम कांड के लिये गिरफ्तार किया गया साथ ही लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या के आरोप मे उन पर मुकदमा चला, जिसमे उन्हें दोषी ठहराया गया तथा मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। 23 मार्च, 1931 को साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ लाहौर में उन्हें फाँसी दे दी गई। भगत सिंह को शहीद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है। साहित्यिक योगदानः उनकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में मैं नास्तिक क्यों हूँ, जेल डायरी' और अन्य कृतियाँ, समाजवाद तथा क्रांति का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक घोषणा-पत्र शामिल हैं। अपनी प्रारंभिक रचना विश्व प्रेम में भगत सिंह ने समानता के महत्त्व पर ज़ोर दिया। उनके एक चाचा, सरदार अजित सिंह ने भारतीय देशभक्त संघ की स्थापना की थी। उनके एक मित्र सैयद हैदर रजा ने उनका अच्छा समर्थन किया और चिनाब नहर कॉलोनी बिल के खिलाफ किसानों को आयोजित किया। अजित सिंह के खिलाफ 22 मामले दर्ज हो चुके थे जिसके कारण वो ईरान पलायन के लिए मजबूर हो गए। उनके परिवार ग़दर पार्टी के समर्थक थे और इसी कारण से बचपन से ही भगत सिंह के दिल में देश भक्ति की भावना उत्पन्न हो गयी। भगत सिंह ने अपनी 5वीं तक की पढाई गांव में की और उसके बाद उनके पिता किशन सिंह ने दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल, लाहौर में उनका दाखिला करवाया। बहुत ही छोटी उम्र में भगत सिंह, महात्मा गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए और बहुत ही बहादुरी से उन्होंने ब्रिटिश सेना को ललकारा। जलियांवाला कांड ने डाला भगत के बाल मन पर प्रभाव डाला.13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड ने भगत सिंह के बाल मन पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला। उनका मन इस अमानवीय कृत्य को देख देश को स्वतंत्र करवाने की सोचने लगा। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आज़ाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। लाहौर षड़यंत्र मामले में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी की सज़ा सुनाई गई और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास दिया गया। भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 की शाम सात बजे सुखदेव और राजगुरू के साथ फांसी पर लटका दिया गया। तीनों ने हंसते-हँसते देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दियाभगत सिंह जी की मृत्यु 23 वर्ष की आयु में हुई जब उन्हें ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया।ऐसे वीर शहीद को शत शत नमन!

# एमबीए का पाठयक्रम अनेक छात्रों के लिए जीवन बदल देने वाला होता है

सुपर स्पेशियलिटी वाले एमबीए दरअसल एमबीए प्रोग्राम की फिलोसफी के ही खिलाफ जाते हैं, उदाहरण के लिए फाइनैंस में एमबीए को लें। इसे करने वाले छात्र को किसी सीए की तुलना में क्वांटिटेटिव फाइनैंस, टैक्सेशन और ऑडिट आदि की जानकारी कम होती है। इसके बावजूद कंपनियां अभी भी वित्त में एमबीए कोर्स किए हुए लोगों को नियुक्त करती हैं। सबसे अधिक पढ़ाई जनरल मैनेजमेंट की अगर छात्र किसी खास उद्योग जैसे कि वाइन, स्पोर्ट्स आदि में काम करने को इच्छुक हैं तो एक स्पेशियलिटी वाला एमबीए प्रोग्राम आपको बेहतरीन मौका उपलब्ध करा सकता है।

सबसे अधिक पढ़ाई जनरल मैनेजमेंट की अगर छात्र किसी खास उद्योग जैसे कि वाइन, स्पोर्ट्स आदि में काम करने को इच्छुक हैं तो एक स्पेशियलिटी वाला एमबीए प्रोग्राम आपको बेहतरीन मौका उपलब्ध करा सकता है। बशर्ते वे अपने रास्ते से ना भटकें। एमबीए का पाठयक्रम अनेक छात्रों के लिए जीवन बदल देने वाला होता है। ऐसे में आप नहीं चाहेंगे कि कोई इंडस्ट्री एक समय के बाद आपके लायक नहीं रहे और आप उसमें घुटन महसूस करें। यही कारण है कि सारी दुनिया में एमबीए प्रोग्राम का एक बड़ा हिस्सा जो कि 95 फीसदी से ज्यादा है, जनरल मैनेजमेंट का है। फाइनेंस में एमबीए करना सही ऑप्शन हो सकता है। पर यह भी सच है कि इसकी पढाई करने वाले स्टूडेन्टस को अमूमन किसी सीए की तुलना में क्वांटिटेटिव फाइनैंस, टैक्सेशन और ऑडिट जैसे अह्म टॉपिक्स की जानकारी कम ही होती है। जबकि मार्केट टेंड और मांग को देखते हुए इन्हें जानना भी काफी जरूरी है।

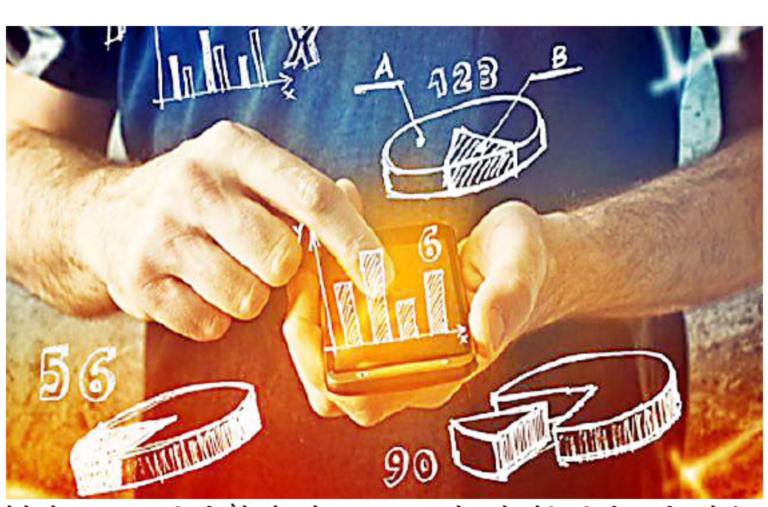

सुपर स्पेशियलिटी वाले एमबीए दरअसल एमबीए प्रोग्राम की फिलोसफी के ही खिलाफ जाते हैं, उदाहरण के लिए फाइनैंस में एमबीए को लें। इसे करने वाले छात्र को किसी सीए की तुलना में क्वांटिटेटिव फाइनैंस, टैक्सेशन और ऑडिट आदि की जानकारी कम होती है। इसके बावजूद कंपनियां अभी भी वित्त में एमबीए कोर्स किए हुए लोगों को नियुक्त करती हैं। यह साबित करता है कि एंप्लायर्स किसी खास टॉपिक की समझवाले एंप्लाई की जगह वास्ट नॉलेज वाले लोगों को रखना पसंद करते हैं। ऐसे में आज सुपर स्पेशियलिटी वाले एमबीए कार्यक्रमों से फिलहाल बचा जाए तो बेहतर है, क्योंकि ऐसे प्रोग्राम अमूमन किसी मैनेजमेंट प्रोग्राम की मूल भावना का उल्लंघन करते हैं।

कई भूमिका सीनियर मैनेजर्स की इंपीरियल कॉलेज बिजनेस स्कूल, लन्दन के एमबीए प्रोग्राम के डीन प्रोफेसर सायमन स्टॉकले के अनुसार स्पेशियलिटी वाले एमबीए अपवाद हैं दुनिया भर के कुछ टॉप बिजनस स्कूल अपने छात्रों को स्पेशियलिटी नहीं लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह इस तथ्य को मान्यता देता है कि सीनियर लेवल पर मैनेजमेंट की भूमिका को बांटा नहीं जा सकता है। हालांकि कोई खास इंडस्ट्री पूरी इकोनमी में बेहतर प्रदर्शन करता है, तो ऐसी स्थिति में मैनेजमेंट प्रोग्राम जल्दी ही बाहर भी हो जाते हैं और मीडियम या लांग टर्म के लिए सामान्य एमबीए ही बेहतर साबित होते हैं।

बिजनेस स्कूलों की ऐसी स्पेशियलिटी वाले प्रोग्राम तभी शुरू करने चाहिए, जब उनके पास इसके लिए सही रिसोर्सेज और इन्फ्रास्ट्रच्कर हों। अन्यथा बेहतर एजुकेशन की उम्मीद बेमानी ही है।

भारत में वाले स्पेशियलिटी एमबीए कोर्स अनुभवी फैकल्टी के अभाव में प्रभावित होते हैं। इनके एजुकेशनल मॉडल परंपरागत बिजनस स्कूल से काफी अलग होते हैं। दरअसल ये प्रोग्राम्स किसी खास सेक्टर की जरूरत के अनुरूप बनाए जाते हैं। प्रोग्राम चलाने में और इसकी रूपरेखा तैयार करने में इंडस्ट्री की सक्रिय भागीदारी जरूरी होती है। छात्रों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे क्लास में बनी समझ और शिक्षा को नियमित इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट्स के दौरान अजमाएं और यह इस प्रकार के कार्यक्रम की पहचान भी होनी चाहिए।

सबसे अधिक पढ़ाई जनरल मैनेजमेंट की अगर छात्र किसी खास उद्योग जैसे कि वाइन, स्पोर्ट्स आदि में काम करने को इच्छुक हैं तो एक स्पेशियलिटी वाला एमबीए प्रोग्राम आपको बेहतरीन मौका उपलब्ध करा सकता है। बशर्ते वे अपने रास्ते से ना भटकें। एमबीए का पाठयक्रम अनेक छात्रों के लिए जीवन बदल देने वाला होता है। ऐसे में आप नहीं चाहेंगे कि कोई इंडस्ट्री एक समय के बाद आपके लायक नहीं रहे और आप उसमें घुटन महसूस करें। यही कारण है कि सारी दुनिया में एमबीए प्रोग्राम का एक बड़ा हिस्सा जो कि 95 फीसदी से ज्यादा है, जनरल मैनेजमेंट का है।

# घरेलू उपचार से भी सिरदर्द की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है

आज के दौर में काम के तनाव और भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण सिरदर्द की समस्या आम है। ऐसे में लोग राहत के लिए तरह-तरह की दवाईयों का सेवन करने लग जाते हैं, जिससे सेहत पर विपरीत असर भी पड़ने लग जाता है। दवाईयों का इस्तेमाल न करके घरेलू उपचार से भी सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

सिर दर्द से परेशान हैं तो लौंग और नमक का मिश्रण आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है। यह सिर दर्द के लिए एक प्रभावी उपचार है। इसे तैयार करने के लिए आपको लौंग का पाउडर और नमक को मिला का मिश्रण तैयार करना होगा। इसे आपको दूध में मिलाकर पीना है। लौंग और नमक का यह मेल आपके सिर दर्द को पल में दूर कर देगा। असल में नमक में हाइग्रस्कापिक गुण होते हैं, जो सिर दर्द से आराम दिलाने में सहायक हैं।

## सोंठ का पेस्ट

सर्दी में सिर दर्द से परेशान रहने वाले लोगों को सोंठ काफी राहत देने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए पानी में सोंठ पीसकर माथे पर लगाने से सर्दी से होने वाला सिर का दर्द रुक जाता है।

## नींबू और गर्म पानी

अगर आपके पास समय कम है या आप कहीं बाहर हैं और आपको अचानक से तेज सिर दर्द उठ गया है, तो यह फटाफट से तैयार होने वाला नुस्खा आपके बहुत काम का है। इसमें आपको करना बस यह है कि एक गिलास में गर्म पानी लेकर उसमें नींबू का रस डाल लें। इससे सिर दर्द में राहत मिलती है। कई बार पेट में गैस बनने से भी सिर दर्द होता है. चाय में नींबू मिलाने से भी सिर दर्द से राहत पाई जा सकती है। इसके लिए नींबू को चाय में निचोड़कर पीना चाहिए।

## तुलसी और अदरक

तुलसी और अदरक के इस्तेमाल से भी सिर के दर्द से निजात पाई जा सकती है। इसके लिए तुलसी की पत्तियों का और अदरक का रस एक साथ मिलाएं। इसके बाद इसे माथे पर लगाएं।

## लौंग के तेल से मालिश

लौंग के इस्तेमाल से भी सिर दर्द को दूर किया जा सकता है। लौंग में दर्द खत्म करने के गुण होते हैं। लौंग को गर्म करके किसी कपड़े में बांधकर सूंघने से सिर दर्द में बहुत राहत मिलती है। इसके अलावा लौंग के तेल से अपने माथे की मालिश करने से भी दर्द से राहत पाई जा सकती है।

## दालचीनी पाउडर

दालचीनी अपने आप में कई रोगों की एक दवा है। यह आपको डायबिटीज से ही नहीं सिर दर्द से भी राहत दिला सकती है। सिर दर्द से राहत पाने के लिए दालचीनी पाउडर में जरा सा पानी मिला कर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सिर पर लगाने से आराम मिलता है।

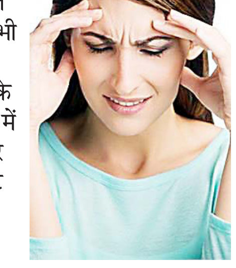

## लोकतंत्र की पावन धरती बिहार, ज्ञान-परंपरा और सभ्यता का प्रतीक

### बिहार दिवस पर खड़गे, राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बिहार दिवस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- लोकतंत्र की पावन धरती बिहार, ज्ञान-परंपरा और सभ्यता का प्रतीक है। इस भूमि से महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध देशवासियों की आवाज को एक नई दिशा दी थी। बिहार दिवस के इस शुभ अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी कामना है कि आप सभी राष्ट्र की प्रगति और विकास में निरंतर अपना अमूल्य योगदान देते रहें। वहीं राहुल गांधी ने लिखा- बिहार भारत का ज्ञान-पुंज और हमारा गौरव है, जिसने अपने समृद्ध इतिहास और संस्कृति से हमेशा देश का मार्गदर्शन किया है। बिहार दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार स्थापना दिवस पर राज्य के सभी बहनों-भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। बिहार ज्ञान, परम्परा, परिश्रम, प्रेम, क्रांति एवं अध्यात्म की धरती है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के निर्माण तक बिहार की जनता ने अहम भूमिका निभाई है। इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हूं। पीएम मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बिहार दिवस के मौके पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वीरता, विद्या और विरासत की गौरवशाली धरती बिहार ने सदियों से देश को दिशा दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को अनेकानेक शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि विकसित बिहार के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यहां के कर्मठ एवं ऊर्जावान लोगों का समर्पण और सामर्थ्य बहुत काम आएगा।

## लिटिल इंडिया शहर पर ईरान ने मारी मिसाइल, यहां रहते हैं भारतीय मूल के यहूदी

नई दिल्ली, (ईएमएस)। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध ने शनिवार शाम एक भयावह मोड़ ले लिया जब ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिण इजराइल के शहर डिमोना पर दागी। यह शहर न केवल इजराइल के परमाणु रिएक्टर है, बल्कि अपनी विशाल भारतीय आबादी के कारण लिटिल इंडिया के नाम से भी मशहूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मिसाइल एक कम्युनिटी बिल्डिंग पर गिरी, जिससे आसपास के पुराने मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। ज्यादातर लोग समय रहते शेल्टर में पहुंच गए थे, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिमोना की करीब 30 फीसदी आबादी भारतीय मूल के यहूदियों की है, जिनमें से ज्यादातर महाराष्ट्र के हैं। यहां क्रिकेट भी काफी लोकप्रिय है और भारतीय मिठाइयां व स्नैक्स स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाते हैं। यहां की गलियों में मराठी और भारतीय स्वाद रचे-बसे हैं। हमले के बाद पूरे समुदाय में डर का माहौल है। इजराइली रक्षा बल ने स्वीकार किया है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में नाकाम रहा। ईरान ने इस हमले को अपने नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला बताया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने साफ किया है कि डिमोना स्थित परमाणु अनुसंधान केंद्र सुरक्षित है और वहां किसी नुकसान के संकेत नहीं मिले हैं।

## अमृतसर सुसाइड केसः पत्नी ने मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप, न्याय मिलने तक अंतिम संस्कार से इनकार

अमृतसर (ईएमएस)। अधिकारी गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। उनकी पत्नी उपिंदर कौर ने पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके पति को लगातार प्रताड़ित किया गया, जिससे वे मानसिक रूप से टूट गए और यह कदम उठाने को मजबूर हुए। उपिंदर कौर ने साफ तौर पर कहा कि यदि उनके परिवार को किसी भी प्रकार का नुकसान होता है तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। घटना के बाद सामने आए एक वीडियो ने मामले को और गंभीर बना दिया है। वीडियो में गगनदीप सिंह रंधावा यह कहते सुनाई देते हैं कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है और इसके पीछे मंत्री का दबाव जिम्मेदार है। रंधावा के पास पट्टी क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी था और वे अपने विभाग में लंबे समय से कार्यरत थे। उपिंदर कौर के अनुसार, उनके पति को न केवल मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, बल्कि उन्हें परिवार सहित जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पीछे गैंगस्टर तक लगाने की बात कही गई थी। 13 मार्च को ऑफिस में हुई कथित प्रताड़ना के बाद रंधावा बेहद तनाव में थे और उन्होंने घर लौटकर पूरी घटना साझा की थी। परिवार का कहना है कि उन्होंने विभाग में शिकायत भी की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पत्नी ने यह भी दावा किया कि पूरा विवाद एक टेंडर को पास न करने को लेकर था। उनके अनुसार, रंधावा ने नियमों के खिलाफ जाकर टेंडर मंजूर करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उन पर दबाव बनाया गया। अब परिवार को अपनी सुरक्षा को लेकर भी डर सता रहा है और उन्होंने सरकार से सुरक्षा की मांग की है। उपिंदर कौर ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं होने दिया जाएगा। उनका कहना है कि उन्हें केवल न्याय चाहिए और इसके लिए वे अंत तक लड़ेंगी।

## जहरीले दूध से हड़कंपः आंध्र प्रदेश में 16 मौतें, कई की हालत गंभीर

पूर्वी गोदावरी (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश में एक दर्दनाक घटना ने खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन मरीजों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। लालाचेरुवु, चौदेस्वरनगर और स्वरूपनगर जैसे इलाकों में फरवरी के मध्य से ही लोगों के बीमार पड़ने की घटनाएं सामने आने लगी थीं। पीड़ितों में उल्टी, तेज पेट दर्द, पेशाब रुकना और किडनी फेलियर जैसे खतरनाक लक्षण देखे गए। जांच में खुलासा हुआ कि नरसापुरम गांव की एक स्थानीय डेयरी यूनिट से सप्लाई किए गए दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था। यह पदार्थ आमतौर पर एंटी-फ्रीज में इस्तेमाल किया जाता है और मानव शरीर के लिए बेहद घातक माना जाता है। इस जहरीले दूध के सेवन से 100 से अधिक परिवार प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। कई मरीजों को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें डायलिसिस और वेंटिलेटर सपोर्ट तक की जरूरत पड़ी। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि पीड़ितों के शरीर में ब्लड यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा हुआ था, जो किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचने का संकेत है।

# असम चुनाव-कांग्रेस से आए सांसद को टिकट देने पर नाराजगीः जिन भाजपा विधायकों का टिकट कटा, उन्होंने निर्दलीय लड़ने की बात कही

**कोलकाता/चेन्नई:** असम विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के भीतर नेताओं की नाराजगी सामने आने लगी है। पार्टी टिकट से वंचित कई मौजूदा विधायक और दावेदार निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस स्थिति को संभालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया खुद आगे आकर नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है दोनों नेता उनकी बात मान गए हैं।

नाराजगी की वजह कांग्रेसी नेताओं को टिकट हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं प्रद्युत बोरदोलोई और भूपेन बोरा के बीजेपी में शामिल होने के बाद बोरदोलोई को दिसपुर सीट से बोरा को बिहपुरिया सीट से पार्टी टिकट दिए गया है। इस फैसले से पार्टी के कई पुराने दावेदारों में नाराजगी बढ़ गई है। दिसपुर सीट पर सबसे ज्यादा विरोध देखने को मिला यहां वरिष्ठ नेता जयंत

दास को टिकट मिलने की संभावना थी, लेकिन अंतिम समय में बोरदोलोई को उम्मीदवार बनाए जाने से असंतोष बढ़ गया। पार्टी नेतृत्व अब स्थिति को नियंत्रित करने और बगावत को रोकने के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है, ताकि चुनाव में नुकसान से बचा जा सके।

### सुवेंदु बोले- ममता सरकार हिंदुओं के खिलाफ है

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में चुनाव प्रचार के दौरान सुवेंदु अधिकारी ने कहा, राज्य सरकार हिंदुओं के खिलाफ है। कुछ एंटी-सोशल एलिमेंट हमेशा हिंदू त्योहारों से पहले हालात बिगाड़ने के लिए इस तरह की हरकतें करते हैं। ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक के लिए कुछ गुंडे बनाए हैं, वे ऐसा करते हैं।

### असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- हमारी क्षमता 160 तक सीटें जीतने की

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- हमारी क्षमता 160 तक सीटें जीतने की है। अभी चुनाव प्रचार शुरू नहीं हुआ है। 26 मार्च से मेरी रैली शुरू होंगी तब सीटों का अंदाज लग पाएगा। किसी की भी टिकट कट सकती है। कभी कभी टिकट कटने के बाद भाग्य खुल जाता है और उससे भी बड़ी चीज मिल जाती है। सभी को पार्टी के लिए खुश होकर काम करना चाहिए।

### महाराष्ट्र सीएम फडवीस ने कहा- मता दीदी दबाव में हैं

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- मौजूदा हालात की वजह से ममता दीदी दबाव में हैं। उन्हें दिख रहा है कि वह चुनाव हार रही हैं। ऐसे दबाव में कभी-कभी इंसान अपना आपा खो देता है। जब कोई व्यक्ति आपा खोकर इस तरह बोलता है, तो उसे ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। लोग जानते हैं कि घुसपैठिए कौन हैं और देश की रक्षा के लिए कौन काम कर रहा है।

### पुदुचेरीः सीएम एन रंगासामी की संपत्ति 27.99 करोड़

पुदुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने हलफनामे में अपनी कुल संपत्ति 27.99 करोड़ रुपए घोषित की है। रंगासामी के नाम चल संपत्ति 21.25 लाख रुपए की है। इसमें दो मोटरसाइकिल, दो कारें, 12 ग्राम की एक गोल्ड रिंग और 12 ग्राम की पर्ल चेन शामिल है। रंगासामी ने बताया है कि उनके नाम कोई कृषि भूमि या कमर्शियल बिल्डिंग नहीं है। उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है।

**केरल- BJP प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर के पास 93 करोड़, पुरानी बाइकः** केरल विधानसभा चुनाव में नेमोम सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को 93 करोड़ रुपए से ज्यादा की चल-अचल संपत्ति घोषित की। उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर के सामने नामांकन दाखिल किया। चंद्रशेखर की चल संपत्ति में 1942 मॉडल की 'रेड इंडियन स्काउट' बाइक भी शामिल है। यह 1994 में 10,000 रुपए में खरीदी गई थी।

**तमिलनाडु- भाजपा को 30 सीटें मिलने के आसार**

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख में 9 दिन बचे हैं। इस बीच अन्नाद्रमुक नीत एनडीए में सीट शेयरिंग बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अन्नाद्रमुक 234 में से करीब 160 से 170 सीटें अपने पास रख सकती है। अन्नाद्रमुक के जनरल सेक्रेटरी एडप्पाडी के. पलानीस्वामी की 19 मार्च को दिल्ली यात्रा के बाद सीटों के आंकड़े लगभग तय माने जा रहे हैं।

# छत्तीसगढ़ के खल्लारी माता मंदिर में रोप-वे केबल टूटाः ट्रॉली 20 फीट नीचे गिरी, चट्टान से टकराई, युवती की मौत

**महासमुंद:** छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रविवार को सुबह करीब 10:30 बजे रोप-वे का केबल अचानक टूट गया। ट्रॉली में सवार 5 श्रद्धालु 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरे। ट्रॉली पहाड़ी की चट्टान से टकराई। हादसे में एक युवती की मौत हो गई है। 4 गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को इलाज के लिए बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर किया गया। पांचों लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन माता के दर्शन करने आए थे। दर्शन करके लौटते वक्त हादसा हुआ।

### दर्शन करके लौटते समय हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु दर्शन करके रोपवे से लौट रहे थे। केबल टूटने के बाद ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस दौरान जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को

गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालु दहशत में आ गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

### नवरात्रि के कारण श्रद्धालुओं की भीड़

चैत्र नवरात्रि के कारण खल्लारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। स्थानीय लोगों ने रोप-वे के नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर इसका मेंटेनेंस किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था। घटना के बाद प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ

सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

महासमुंद से 25 किलोमीटर दक्षिण की ओर खल्लारी गांव की पहाड़ी के शीर्ष पर खल्लारी माता का मंदिर स्थित है। हर साल क्वांर और चैत्र नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ इस दुर्गम पहाड़ी में दर्शन के लिए आता है। हर साल चैत्र मास की पूर्णिमा के अवसर पर मेले लगता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती है। ऐसी मान्यता है कि महाभारत युग में पांडव अपनी यात्रा के दौरान इस पहाड़ी की चोटी पर आए थे।

## सीजेआई बोले- एआई ज्यूडीशियरी को मजबूत करने में मदद करेः रिकॉर्ड संभाले

### पैटर्न पहचाने लेकिन फैसले सुनाने के काम में दखल न दे

**बेंगलुरु:** सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को ज्यूडिशियल सिस्टम में इस तरह से शामिल किया जाना चाहिए जिससे यह हमारी व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसके असली काम को ही कमजोर कर दे। सीजेआई बोले- "एआई को बड़ी मात्रा में डेटा और रिकॉर्ड को संभालने, पैटर्न पहचानने और सिस्टम में हो रही देरी को कम करने में मदद करनी चाहिए। वह फैसले सुनाने के काम में दखल न दे, बल्कि फैसले इंसानों के हाथों में ही रहना चाहिए।" चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के बेंगलुरु में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में शामिल हुए थे। जहां 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय सेमिनार रखा गया था।

### सीजेआई के एआई पर बयान की बड़ी बातें...

- फैसले सुनाते समय जजों को अपनी तर्कशक्ति, अनुभव और एनालिसिस करने की क्षमता पर ही निर्भर रहना चाहिए।
- एआई को केवल एक टूल, साधन के रूप में काम करना चाहिए, जबकि दिशा हमेशा इंसानी बुद्धि से ही तय की जानी चाहिए।

**लैंगिक समानता पर बोले- सरकारी वकीलों और पैनल में 50% महिलाएं हों**

सीजेआई सूर्यकांत ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता को लेकर भी सुझाव दिया। सीजेआई ने कहा कि सरकारी वकीलों और मुफ्त कानूनी सहायता पैनल में कम से कम 50% महिलाओं को शामिल किया जाना चाहिए। देश में 45 से 50% न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं और कई राज्यों में यह आंकड़ा 60% तक पहुंच चुका है। कानून के क्षेत्र में महिलाओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन करियर के अगले फेज में भागीदारी घट जाती है। इसके पीछे अनियमित काम के घंटे, मुवक्किलों का भरोसा कम मिलना और आर्थिक अस्थिरता जैसी समस्याएं हैं।

# असम में पुलिस कमांडो कैंप पर उग्रवादी हमले में चार जवान घायल, मोर्टार से किए धमाके

तिनसुकिया,(ईएमएस)। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को बड़ा उग्रवादी हमला हुआ। इसमें पुलिस कमांडो कैंप में ग्रेनेड फेंका गया। हमले में चार जवान घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक अल्फा उग्रवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हमला शनिवार देर रात करीब 2 बजे हुए और 20 मिनट होते रहे। कैंप में मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि करीब दो बजकर एक मिनट पर हमने पहला धमाका सुना। इसके बाद लगातार धमाकों की आवाज आती रही। संदेह है कि यह धमाके मोर्टार से हो रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमला लेखापानी पुलिस थाना के जगुन चौकी के अंतर्गत 10 मील क्षेत्र के पास स्थित शिविर में हुआ। यह असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के करीब एक संवेदनशील क्षेत्र है। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम पांच आरपीजी गोले शिविर पर दागे गए, जिनमें से चार शिविर के अंदर फटे। उन्होंने आगे बताया कि धमाकों के बाद फायरिंग हुई। घायल कमांडोज का फिलहाल कैंप में ही इलाज किया जा रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है।

अधिकारियों ने अभी तक हुई नुकसान को लेकर कोई विस्तृत बयान जारी नहीं है। तिनसुकिया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक टीम घटना के तुरंत बाद वहां पहुंची। अधिकारियों ने कहा कि इस हमले के बाद तिनसुकिया जिले और ऊपरी असम के अन्य हिस्सों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बता दें पिछले साल अक्टूबर में इस प्रकार की घटना हुई थी। तब संदिग्ध आतंकवादियों ने तिनसुकिया के ककोपाथार में भारतीय सेना कैंप पर गोलीबारी की थी, जिसमें तीन सैनिक घायल हुए थे। उस समय एक सेना बयान के मुताबिक अज्ञात हमलावरों ने रात के करीब मध्यरात्रि में चलती हुई गाड़ी से कैंप पर गोलीबारी की। सेना ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और पास के आवासीय क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। अधिकारियों ने बताया था कि गोलीबारी के आदान-प्रदान के बाद हमलावर घटनास्थल से भाग गए। सेना ने बाद में पुष्टि की कि घायल कर्मियों को मामूली चोटें आई थीं और क्षेत्र को शीघ्र ही सुरक्षित कर लिया गया। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट ने उस हमले की जिम्मेदारी ली थी। अब ताजा मामले की टाइमलाइन और विधानसभा चुनावों से पहले की रणनीति को देखकर अधिकारियों को संदेह है कि हाल की हमले के पीछे भी वही संगठन हो सकता है।

## ग्लोबल सप्लाई चेन बाधित होने के बीच बांग्लादेश मुसीबत में! भारत ने दिया साथ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ग्लोबल सप्लाई चेन के बाधित होने के बीच बांग्लादेश के लिए भारत की अहमियत काफी बढ़ गई है। हालांकि, दोनों देशों के बीच व्यापार और कनेक्टिविटी पर व्यापक बातचीत हुई है, लेकिन आपातकालीन आपूर्ति सुरक्षा को लेकर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 से 2022 के बीच कंटेनर फ्रेट दरों में तेज वृद्धि और बंदरगाहों पर बढ़ते बैकलॉग के कारण बांग्लादेश को यह महसूस हुआ कि उसकी मौजूदा सप्लाई चेन फ्राइसिस के समय के लिए तैयार नहीं थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई जरूरी सामान दूर-दराज के बंदरगाहों पर फंस गए, जबकि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी इजाफा हुआ। ऐसे में सबसे तेज आपूर्ति देने वाला देश भारत था। रिपोर्ट के मुताबिक महामारी से पहले बांग्लादेश हर साल चीन और भारत से बड़ी मात्रा में दवाओं के लिए जरूरी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स आयात करता था, लेकिन जब चीन में फैक्ट्रियां बंद हुईं और वैश्विक लॉजिस्टिक्स बाधित हुआ, तब भारत की भूमिका और अहम हो गई। रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय कंपनियों ने घरेलू चुनौतियों के बावजूद प्रतिबंध हटने के बाद सीमा पार आपूर्ति को तेजी से बहाल किया।

## आधार अपडेट नहीं होने से हजारों छात्राएं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना से वंचित

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। जिले की करीब 2000 छात्राएं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत मिलने वाली 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि से वंचित रह गईं। इसका मुख्य कारण आवेदन में आधार नंबर अपडेट नहीं होना बताया जा रहा है, जिससे भुगतान प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। जानकारी के मुताबिक जिले की 1956 छात्राओं के खाते में अब तक राशि नहीं पहुंची है। यही स्थिति राज्य के अन्य जिलों में भी है, जहां करीब 32 हजार छात्राएं इस योजना के लाभ से वंचित रह गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ सुजीत कुमार दास ने सभी प्रभावित छात्राओं से अपील की है कि वे जल्द से जल्द मेधा सॉफ्ट पोर्टल पर अपना आधार नंबर अपडेट कराएं, ताकि भुगतान की प्रक्रिया पूरी हो सके। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत इंटरमीडिएट पास अविवाहित छात्राओं को 25-25 हजार रुपए की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। 2025 में बड़ी संख्या में छात्राओं ने इसके लिए आवेदन किया था, जिनमें से ज्यादातर को राशि उनके बैंक खातों में भेज दी गई है। हालांकि जिन छात्राओं के आवेदन में आधार विवरण नहीं है, उनका भुगतान रोक दिया गया है। शिक्षा विभाग ने कहा है कि आधार नंबर के बिना डीबीटी के जरिए भुगतान संभव नहीं है। इस योजना का उद्देश्य बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना, बाल विवाह को रोकना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। विभाग ने सलाह दी है कि सभी पात्र छात्राएं मेधा सॉफ्ट पोर्टल पर लॉगिन कर अपनी व्यक्तिगत और बैंक से जुड़ी जानकारी, विशेषकर आधार नंबर, जल्द अपडेट कराएं।

# मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेताः सीपी-पीएम मिलाकर बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे; पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा

**नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही पीएम मोदी ने चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी इससे पहले गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रह चुके हैं, और वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का सबसे लंबा अनुभव है।

### मोदी 4 बार गुजरात के मुख्यमंत्री, 3 बार प्रधानमंत्री बने

17 सितंबर को जन्मे नरेंद्र मोदी 6 साल की उम्र में ही कांग्रेस की ओर से महागुजरात

मोदी ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार 26 मई 2014 को शपथ ली थी।

आंदोलन का हिस्सा बने। फिर 8 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़ गए थे। 7 अक्टूबर 2001 को 51 साल की उम्र में बिना विधायक बने ही मोदी गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री बने। इसके बाद वे 2002 में, 2007 में और फिर 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री चुने गए। अपने राजनीतिक सफर के 24 सालों में से पीएम मोदी 14 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। पिछले 11 साल से वे देश के प्रधानमंत्री हैं। यह उनका तीसरा कार्यकाल है।

### 2025 में मोदी ने बतौर पीएम इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन नेहरू से अब भी पीछे

नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम भी हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। 22 मार्च 2026 तक बतौर प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी 4318 पूरे कर चुके हैं। हालांकि सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। पीएम मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं। रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 2029 के बाद भी पीएम रहना पड़ेगा।

### अब जानिए चामलिंग के बारे में

भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग के नाम है। उनका कार्यकाल 12 दिसंबर 1994 से 26 मई 2019 तक रहा। यानी वे लगभग 24 साल 165 दिन सीएम रहे। उन्होंने सीएम ज्योति बसु का रिकॉर्ड तोड़ा था। ज्योति बसु 23 साल सीएम रहे थे। उन्होंने लगातार 5 बार चुनाव जीते और बिना ब्रेक इतने लंबे समय तक सत्ता में रहे। चामलिंग ने मुख्यमंत्री रहते हुए सिक्किम को भारत का पहला 100% ऑर्गेनिक राज्य बनाया। राज्य में लंबे समय तक राजनीतिक स्थिरता बनाए रखी। शिक्षा, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए काम किया।

# इजराइल रक्षा बलों ने किया खुलासा, ईरान के पास हैं 4,000 किलोमीटर की दूरी तक हमला करने वाली मिसाइलें, यह यूरोप के देशों के लिए गंभीर खतरा

तेलअबीव,(ईएमएस)। इजराइल रक्षा बलों ने एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है कि ईरान के पास अब ऐसी मिसाइलें हैं जो 4,000 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं। आईडीएफ के मुताबिक जून 2025 में ऑपरेशन राइजिंग लायन के दौरान यह पाया गया कि ईरानी मिसाइलों के रडार में अब लंदन, पेरिस और बर्लिन जैसे बड़े यूरोपीय शहर भी आ गए हैं। एक्स पर पोस्ट में इजराइल ने कहा कि ईरानी शासन ने पहली बार इतनी लंबी दूरी की मिसाइल दागी है, जो न केवल एशिया और अफ्रीका बल्कि पूरे यूरोप के दर्जनों देशों के लिए एक गंभीर वैश्विक खतरा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी ओर ईरान ने इजराइल के इन दावों का खंडन किया है, लेकिन साथ ही कड़ी चेतावनी भी दी है। हैदराबाद स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि अगर इजराइल अपने सबसे सुरक्षित माने जाने वाले डिमोना क्षेत्र में मिसाइलों को रोकने में नाकाम हुआ है, तो यह माना जाएगा कि इजराइली आसमान अब पूरी तरह असुरक्षित है। ईरान ने इसे युद्ध के एक नए और खतरनाक चरण का संकेत बताया है। इसके साथ ईरानी पक्ष ने अपनी अगली योजनाओं को लागू करने की बात कहते हुए नवरोज की शुभकामनाएं भी दीं हैं, जो आने वाले समय में संघर्ष के और बढ़ने की ओर इशारा करता है।

वहीं इजराइल में हुए हमलों के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि इजराइल के भविष्य की लड़ाई के लिए बहुत कठिन रही। उन्होंने अराद शहर के मेयर से बात कर घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की और सभी सरकारी मंत्रालयों को तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। नेतन्याहू ने साफ किया कि इजराइल पीछे हटने वाला नहीं है और वे सभी मोर्चों पर अपने दुश्मनों को जवाब देने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की और आपातकालीन सेवाओं को अपना पूरा समर्थन दिया।

### इजराइल का डिमोना शहर ईरान के हमले में तबाह, मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

इजराइल के नेगेव रेगिस्तान में बसा डिमोना शहर, जिसे छोटा भारत भी कहा जाता है, शनिवार को भीषण मिसाइल हमलों का शिकार हुआ। इन हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए हैं और शहर का एक बड़ा हिस्सा मलबे के ढेर में बदल गया। फिलहाल बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं और पूरे इलाके में तनाव है। ईरान ने साफ किया है कि यह हमला उसके नतान्ज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला है। इजराइली सेना ने स्वीकार किया है कि वे इन मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहे, जिससे दक्षिण इजराइल के इस अहम शहर में काफी तबाही हुई है। डिमोना शहर भारत और इजराइल के गहरे रिश्तों की एक जीती-जागती मिसाल है। यहां करीब 7,500 भारतीय-यहूदी रहते हैं, जो शहर की आबादी का 30 फीसदी हिस्सा हैं। यहां की गलियों में मराठी और हिंदी की गूंज सुनाई देती है और दुकानों पर जलेबी, सोनपापड़ी और चाट जैसे भारतीय पकवानों की खुशबू आती है। यहां रहने वाले लोग मुख्य रूप से महाराष्ट्र (बेने इजरायली), केरल (कोचिनी) और कोलकाता (बगदादी) से आए हैं। यह समुदाय न केवल दिवाली और ओणम जैसे त्योहार मनाता है, बल्कि भारतीय फिल्मों और संगीत के प्रति भी दीवानगी नजर आती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सांस्कृतिक पहचान के अलावा डिमोना अपने शिमोन पेरेज नेगेव न्यूक्लियर सेंटर के लिए भी जाना जाता है, जो शहर से महज 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इजराइल इसे एक शोध केंद्र बताता है, लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय खुफिया रिपोर्टों का दावा है कि यहां परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार किया जाता है। ईरान के संसद स्पीकर ने चेतावनी दी है कि डिमोना जैसे सुरक्षित इलाके में इजराइल की विफलता यह संकेत देती है कि युद्ध अब एक नए और खतरनाक दौर में प्रवेश कर चुका है।

### जिन देशों का संबंध ईरान के दुश्मनों से नहीं उनके लिए खुलेगा होर्मुज मार्ग

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अपने रुख में नरमी दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने कहा है कि यह जलमार्ग उन सभी जहाजों के लिए खुला रहेगा जिनका संबंध ईरान के दुश्मनों से नहीं है। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के कुछ ही घंटों बाद आया है, जिसमें उन्होंने 48 घंटे के अंदर रास्ता न खुलने पर ईरान के पावर प्लांट्स को तबाह करने की चेतावनी दी थी। ईरान ने साफ किया है कि अन्य देशों के जहाज तेहरान के साथ सुरक्षा तालमेल बिठाकर यहां से गुजर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी प्रतिनिधि ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है ताकि खाड़ी क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा तय की जा सके। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इस तनाव की असली वजह इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले हैं। मौसवी के मुताबिक ईरान अभी भी कूटनीति को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन शांति के लिए बाहरी आक्रामकता का रुकना और आपसी भरोसा कायम होना बेहद जरूरी है।

बता दें 28 फरवरी से ईरान ने इस रास्ते को बंद कर रखा था, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट का खतरा पैदा हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की कुल तेल और गैस सप्लाई के करीब पांचवें हिस्से का मुख्य जरिया है। ईरान ने पहले संकल्प लिया था कि वह अमेरिका और इजराइल तक एक लीटर तेल भी नहीं पहुंचने देगा। इस तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजों को सुरक्षा देने के लिए एक नौसैनिक गठबंधन बनाने की कोशिश की थी, लेकिन ज्यादातर नाटो सहयोगियों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि वे ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य टकराव का हिस्सा नहीं बनना चाहते। ईरान के इस नए बयान से उन देशों को राहत मिल सकती है जो इस रास्ते पर निर्भर हैं।

# अमेरिका-ईरान तनाव चरम पर: ट्रंप का 48 घंटे का अल्टीमेटम

वॉशिंगटन से सामने आ रही खबरों के अनुसार अमेरिका और इजरायल के बीच जारी संघर्ष अपने 23वें दिन में पहुंच गया है और स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को "पूरी तरह और सुरक्षित रूप से" नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी संकेत दिया कि कार्रवाई की शुरुआत सबसे बड़े पावर प्लांट से हो सकती है, जिससे साफ है कि अमेरिका सीधे ईरान के बुनियादी ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी में है।

इस बीच ईरान ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए इजराइल पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। ईरानी मिसाइलों ने इजराइल के दक्षिणी शहर डिमोना और अराद को निशाना बनाया, जहां भारी नुकसान और दहशत का माहौल है। डिमोना वही स्थान है जहां इजराइल का प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र स्थित है। इस हमले में करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक 10 वर्षीय बच्चे की हालत भी नाजुक बनी हुई है। इजराइल की एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने के बावजूद कई मिसाइलों को रोकने में असफल रही। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस स्थिति को "मुश्किल शाम" करार देते हुए स्पष्ट किया है कि जवाबी कार्रवाई जारी रहेगी और ईरान पर हमले नहीं रुकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि डिमोना के परमाणु केंद्र को कोई नुकसान नहीं हुआ है और वहां रेडिएशन स्तर सामान्य है, हालांकि एजेंसी ने परमाणु ठिकानों के आसपास सैन्य कार्रवाई को अत्यंत खतरनाक बताते हुए संयम बरतने की अपील की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने एक ही दिन में इजराइल पर कम से कम आठ बार मिसाइल हमले किए, जिससे अराद शहर के कई हिस्सों में भी भारी क्षति हुई और दर्जनों लोग घायल हुए। ईरान का दावा है कि यह हमला उसके नतांज परमाणु केंद्र पर हुए हमलों का जवाब है। इस संघर्ष में अब तक ईरान में 1500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि इजराइल के हमलों से लेबनान के दक्षिणी हिस्सों में भी 1000 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिका इस संघर्ष में "जीत के करीब" है, लेकिन ईरान के लगातार जवाबी हमलों से स्पष्ट है कि यह युद्ध अभी समाप्त होने के बजाय और अधिक उग्र होता जा रहा है।

# कतर : तकनीकी खराबी के चलते हेलीकॉप्टर समुद्र में क्रैश, छह की मौत

दोहा (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में ईरान जंग के बीच कतर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया हैं। खबर है कि कतर के समुद्र क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। उसमें सवार 7 लोगों में से 6 की हादसे में मौत हो गई और एक अभी लापता बताया जा रहा हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण समुद्र में गिर गया। कतर आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, यह हादसा कतर के समुद्री क्षेत्र में हुआ और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि हेलीकॉप्टर नियमित ड्यूटी पर था, तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

घटना के बाद तुरंत बचाव दल मौके पर पहुंचा और समुद्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। फिलहाल अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है, जहां पहले से ही सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंता बनी हुई है।

# डिएगो गार्सिया पर हमले के बाद ब्रिटेन ने ईरान के करीब तैनात की पनडुब्बी एंसन

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच 23 दिनों से चल रही जंग खतरनाक होती जा रही है। इस बीच ईरान के करीब अरब सागर में ब्रिटेन की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी एंसन की तैनाती की गई है। यह पनडुब्बी सिर्फ एक सैन्य तैनाती नहीं, बल्कि एक संकेत है कि अगर युद्ध और बढ़ता है तो यूके भी जंग में कूद जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एंसन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ से 6 मार्च को रवाना हुई थी और अब यह उत्तरी अरब सागर के गहरे पानी में उतर चुकी है। इस पनडुब्बी की सबसे बड़ी ताकत इसके टॉमहॉक ब्लॉक क्रूज मिसाइल हैं, जिनकी मारक क्षमता करीब 1000 मील तक है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश टॉरपीडो भी लगे हैं, जो दुश्मन के जहाजों को पलभर में तबाह कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर आदेश मिला, तो यह पनडुब्बी सीधे ईरान के ठिकानों पर हमला करेगी। एक रिपोर्ट में सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया कि अंतिम आदेश ब्रिटेन के पीएम की मंजूरी के बाद दिया जाएगा, जिसके बाद यह पनडुब्बी सतह के करीब आकर मिसाइल से हमले करेगी। यह तैनाती इसलिए की है क्योंकि इससे पहले ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने सैन्य अड्डों का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। वहीं ईरान ने शनिवार को यूके के बेस डिएगो गार्सिया की ओर हमला किया था। पहले यह अनुमति सिर्फ रक्षात्मक ऑपरेशन के लिए थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर ईरान के खिलाफ हमलों तक कर दिया गया है यानी अब अमेरिका और ब्रिटेन दोनों मिलकर ईरान पर दबाव बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एंसन की खासियत यह है कि यह पूरी तरह परमाणु ऊर्जा से चलती है और इसे बार-बार ईंधन भरने की जरूरत नहीं होती। यह महीनों तक बिना सतह पर आए समुद्र में रह सकती है। इसकी लोकेशन बेहद गोपनीय होती है और यह पूरी तरह 'साइलेंट मोड' में काम करती है, जिससे दुश्मन के लिए इसका पता लगाना मुश्किल होता है। इस बीच एक और बड़ा संकेत तब मिला जब ईरान ने हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया को निशाना बनाने की कोशिश की।

# 1971 में पाकिस्तान का ऑपरेशन सर्चलाइट में करीब 30 लाख लोग मारे गए थे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गई है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं पर किए अत्याचारों को युद्ध अपराध और नरसंहार माना जाए। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और ऑपरेशन सर्चलाइट नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को चुनिंदा नरसंहार शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों और हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब बांग्लादेश पाकिस्तान का ही हिस्सा था तब 1970 में पहली बार पूर्वी पाकिस्तान में चुनाव हुए। इसमें शेख मुजीबुर्रहमान की जीत हुई। याह्या खान और जुल्फिकार अली भुट्टो इसके खिलाफ थे। 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी फौज लोगों पर टूट पड़ी। आवामी लीग के लोगों को ढूंढ ढूंढकर मारा जाने लगा। जल्द ही यह हिंसा अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ने लगी। आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना के इस ऑपरेशन में 30 लाख लोग मारे गए थे और 4 लाख महिलाओं के साथ रेप हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ब्लड टेलीग्राम के नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था, लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है। लैंड्समैन द्वारा लाए गए प्रस्ताव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से आग्रह किया है कि वह 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश के लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अत्याचारों की निंदा करे।

# जी7 देशों ने मिडिल ईस्ट देशों में आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईरानी हमलों की निंदा
## यह हमले टारगेट किए देशों को खतरे में डालते हैं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी खतरा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। जी7 देशों ने रविवार को मिडिल ईस्ट के कई देशों में आम लोगों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईरान के हमलों की निंदा की। जी7 देशों ने पश्चिम एशिया के उन सभी देशों के लिए अपना समर्थन जताया है जो ईरान की ओर से किए जा रहे हमलों का शिकार हो रहे हैं। पश्चिम एशिया के देशों में ईरानी हमले को जी7 समूह ने गलत बताया। एक संयुक्त बयान में जी7 के विदेश मंत्रियों ने यूरोपीय यूनियन के हाई रिप्रेजेंटेटिव के साथ मिलकर इस बढ़ते तनाव से प्रभावित देशों के साथ एकजुटता दिखाई। ईरानी हमले की आलोचना करने वाले देशों में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया कि हम यूएनएससी प्रस्ताव 2817 के मुताबिक, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन और इराक में आम लोगों और आम इंफ्रास्ट्रक्चर, जिसमें एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल हैं, पर ईरान के बिना सोचे-समझे किए गए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।" जी7 देशों ने चेतावनी दी कि ईरान की हरकतें न सिर्फ टारगेट किए गए देशों को खतरे में डालती हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा हैं। उन्होंने तेहरान से अपनी सैन्य गतिविधि तुरंत रोकने को कहा है।

बयान में कहा गया है कि ये क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हैं और ऐसे सभी हमलों को तुरंत और बिना किसी शर्त के रोकने की अपील की। इस समूह ने खास समुद्री रास्तों और वैश्विक सप्लाई चेन, खासकर रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा सुनिश्चित करने की अहमियत पर भी जोर दिया। बयान में कहा गया है कि हम समुद्री रास्तों और नेविगेशन की सुरक्षा, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट और उससे जुड़े सभी अहम पानी के रास्ते शामिल हैं, उनके साथ-साथ सप्लाई चेन की सुरक्षा और एनर्जी मार्केट की स्थिरता की अहमियत को फिर से सुनिश्चित करते हैं। हम एनर्जी की ग्लोबल सप्लाई का समर्थन करने के लिए जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जैसे 11 मार्च को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के सदस्य देशों द्वारा तय किया गया स्टॉक जारी करने का निर्णय।

जी7 ने बयान में आगे कहा गया कि हम उन देशों के अधिकार का समर्थन करते हैं जिन पर ईरान या ईरानी प्रॉक्सी ने गलत तरीके से हमला किया है कि वे अपने इलाकों की रक्षा करें और अपने नागरिकों की रक्षा करें। हम उनकी सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने पक्के समर्थन की पुष्टि करते हैं। समूह ने इराक में हाल के हमलों की भी निंदा की, खासकर डिप्लोमैटिक सुविधाओं और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाने वाले हमलों की। बयान में कहा गया है कि हम इराक में ईरान और उसके मिलिशिया द्वारा डिप्लोमैटिक सुविधाओं और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, खासकर इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र में और अमेरिका और काउंटर आईएसआईएस कोएलिशन फोर्स और इराकी लोगों के खिलाफ किए गए खुलेआम हमलों की निंदा करते हैं।

### अगर यूरोपीय संघ ग्रीनलैंड की सुरक्षा नहीं कर सकता, तो ईरान करेगा उसकी रक्षा

ईरान ने इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे युद्ध को अब यूरोप तक पहुंचा दिया है। वह डोनाल्ड ट्रंप की हर उस नब्ज पर वार कर रहा है, जो उन्हें दर्द देती है। इस सिलसिले में ईरान ने हाल ही में एक बयान जारी किया है कि वह ग्रीनलैंड की रक्षा करने के लिए तैयार है। ईरान के एक प्रवक्ता ने कहा कि अगर यूरोपीय संघ ग्रीनलैंड की सुरक्षा नहीं कर सकता, तो वह ईरान से मदद मांग सकता है और ईरान उसकी रक्षा करेगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर अपनी पुरानी योजना फिर से सामने रखी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने यूरोपीय संघ को धमकी दी और फिर उनसे मदद की बात की। अब उन्होंने कहा है कि अगर यूरोप साथ नहीं आया, तो अमेरिका खुद ग्रीनलैंड पर कब्जा कर कर लेगा। इसके जवाब में ईरान ने यह टिप्पणी की। यह मामला उस समय और भी गंभीर हो गया जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। ईरान का कहना है कि उस पर इजराइल और अमेरिका ने हमले किए हैं, जिसके जवाब में उसने भी जोरदार हमले किए। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की कोशिश की है, जो तेल के व्यापार के लिए बहुत अमह रास्ता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया में चिंता बढ़ गई है। इसी बीच ट्रंप ने अपने नाटो जैसे सहयोगियों और यूरोपीय देशों से कहा है कि वे इस अहम समुद्री रास्ते की सुरक्षा में अमेरिका की मदद करें। दूसरी ओर उन्होंने ईरान के प्रमुख तेल केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की धमकी भी दी है, ऐसे में ईरान ने भी चाल चली है। उसने यूरोपीय देशों को ऑफर किया है कि वह ग्रीनलैंड की सुरक्षा की जिम्मेदारी ले सकता है, ईरान का ये ऑफर ट्रंप और उसके सहयोगियों के बीच फूट डालने की कोशिश है। वह इस तरह से ट्रंप की दुखती रग को दबा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप पहले भी इच्छा जता चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड जरूरी है और इस पर तुरंत बातचीत होनी चाहिए। हालांकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ने इस प्रस्ताव को साफ तौर पर ठुकरा दिया है। ग्रीनलैंड के पीएम ने कहा है कि उनकी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो वह यूरोपीय देशों पर 10 से 25 फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह बल प्रयोग नहीं करेंगे, लेकिन एक न एक तरीके से ग्रीनलैंड का मुद्दा सुलझाया जाएगा। इस पूरे विवाद के कारण नाटो देशों के बीच भी तनाव बढ़ गया है। फिलहाल ग्रीनलैंड को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ है और स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है।

## सट्टेबाजी के कारोबार में ट्रंप परिवार, अमेरिका का ऑनलाइन जुआ बाजार, सट्टेबाजी से पारंपरिक केसिनो सूने

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में सट्टेबाजी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक केसिनो उद्योग मंदी की मार झेल रहा है। वहीं ऑनलाइन केसिनो और 'प्रेडिक्शन मार्केट'(भविष्यवाणी)आधारित सट्टेबाजी तेजी से बढ़ रही है। इस बदलाव के बीच डोनाल्ड ट्रम्प के परिवार की एंट्री ने इस क्षेत्र में हलचल बढ़ा दी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित सट्टेबाजी ने युवाओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। अब लोग खेल, चुनाव और वैश्विक घटनाओं के परिणामों पर ऑनलाइन दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इसके चलते लास वेगास और अटलांटिक सिटी जैसे पारंपरिक जुआ केंद्रों में ग्राहकों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप परिवार 'ट्रुथ प्रेडिक्ट' जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए इस नए बाजार में कदम रखने की तैयारी कर ली है। यदि ऐसा होता है, तो यह पारंपरिक केसिनो उद्योग के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। ट्रंप परिवार पहले से ही रियल एस्टेट और आतिथ्य उद्योग में सक्रिय रहा है, ऐसे में सट्टेबाजी के डिजिटल मार्केट में उनकी एंट्री राजनीतिक और व्यापारिक क्षेत्र में एक बडी रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

इस नए उभरते बाजार को लेकर कानूनी और नैतिक सवाल भी अमेरिका में उठ रहे हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है, ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नियंत्रण और पारदर्शिता सुनिश्चित करना बड़ी चुनौती है। अमेरिका के विभिन्न राज्यों में इसके लिए नए नियम और कानून बनाए जाने की मांग निरंतर हो रही है। कुल मिलाकर, अमेरिका में सट्टेबाजी का यह नया दौर न केवल व्यापारिक दृष्टिकोण से अहम है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक बदलाव का संकेत भी हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप परिवार की भागीदारी इस उद्योग को किस दिशा में ले जाती है। इसको लेकर अमेरिका में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

## ईरान का इजराइल के परमाणु ठिकानों पर हमला, नेतन्याहू ने घायल की मदद के दिए निर्देश

तेल अवीव,(ईएमएस)। ईरान ने इजराइल के परमाणु ठिकाने पर बड़ा हमला किया। ईरान ने इजराइल के दक्षिणी शहरों में न्यूक्लियर सिटी डिमोना के साथ अराद में मिसाइल अटैक किया। 28 फरवरी से शुरू हुए इन हमलों में ईरान ने पहली बार इजराइल के परमाणु ठिकाने को निशाना बनाया है। इस हमले में 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है, जिनमें से 11 की हालत गंभीर बताई जा रही है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अराद के मेयर से बात की और स्थिति का जायजा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम नेतन्याहू ने कहा है कि हमारे भविष्य की लड़ाई में यह एक बहुत मुश्किल शाम है। अराद के मेयर से बात की और इजराइल के सभी नागरिकों की ओर से घायलों के ठीक होने के लिए हमारी प्रार्थनाएं उन तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने डायरेक्टर जनरल को सभी सरकारी मंत्रालयों के साथ मिलकर पूरी जरूरी मदद देने का निर्देश दिया है। पीएम ने कहा कि मैं अभी जमीन पर काम कर रहे इमरजेंसी और रेस्क्यू फोर्स को अपना समर्थन देता हूं, और मैं सभी से होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं। हम सभी अपने दुश्मनों पर हमला करते रहने के लिए पक्के इरादे वाले हैं।

वहीं इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि वह डिमोना में मिसाइल घटना पर करीब से नजर रख रही है। आईएईए ने कहा कि इजराइल के सेंसिटिव न्यूक्लियर रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उसे शहर में मिसाइल के असर की रिपोर्ट के बारे में पता था, लेकिन उसे न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर नेगेव को नुकसान का कोई संकेत नहीं मिला है।

## अगर अमेरिका हमला करता है, तो पाकिस्तान को दिल्ली-मुंबई को निशाना बनाना चाहिए

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। मध्य-पूर्व में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने चर्चा में काल्पनिक स्थिति का हवाला देते हुए भारत के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की, जिससे कूटनीतिक हलकों में चिंता बढ़ गई है। बासित ने कहा कि यदि अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो जवाबी रणनीति के तहत भारत के बड़े शहरों जैसे दिल्ली-मुंबई को निशाना बनाया जाना चाहिए। विशेषज्ञों ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदाराना बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब्दुल बासित भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त के रूप में करीब तीन साल तक तैनात थे। उन्होंने 1982 में पाकिस्तान की विदेश सेवा जॉइन की थी और अपने करियर में जर्मनी समेत कई देशों में अहम कूटनीतिक जिम्मेदारियां निभाईं। 2014 में उन्हें भारत भेजा गया था, जहां उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। विश्लेषकों का मानना है कि यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर पहले से ही तनाव बना हुआ है। ऐसे में इस तरह की टिप्पणी हालात को और संवेदनशील बना सकती है। इधर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी हालात बहुत तनावपूर्ण हैं। अफगानिस्तान के काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमलों के आरोप लगे हैं। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने दावा किया है कि इन हमलों में एक नशा मुक्ति केंद्र को भी निशाना बनाया गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की खबर है। अफगान अधिकारियों का आरोप है कि हमलों में रिहायशी इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा है और महिलाओं व बच्चों समेत कई निर्दोष लोगों की मौत हुई है। तालिबान प्रशासन ने इन घटनाओं को मानवाधिकारों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि एक तरफ सीमा पर तनाव बढ़ रहा है, दूसरी ओर इस तरह के बयान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए और ज्यादा चुनौती पैदा कर सकते हैं।

## ईरान-इजरायल तनाव के बीच सऊदी का बड़ा कदम, ईरानी अधिकारियों को 24 घंटे में देश छोड़ने का आदेश

रियाद (ईएमएस)। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान द्वारा खाड़ी देशों में किए जा रहे जवाबी हमलों से पश्चिम एशिया के हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब ने कड़ा रुख अपनाते हुए ईरानी दूतावास के सभी अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने रविवार सुबह यह निर्देश जारी करते हुए कहा कि ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन किया है और एक पड़ोसी देश होने के नाते उसे संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए था। सऊदी अरब ने आरोप लगाया कि तेहरान ने बीजिंग समझौते और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का भी उल्लंघन किया है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और इस्लामिक एकता पर खतरा पैदा हो गया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि बार-बार समझाने के बावजूद ईरान अपने पड़ोसी देशों को निशाना बना रहा है और इसके गंभीर परिणाम उसे भुगतने पड़ सकते हैं। सऊदी प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वह किसी भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इसी बीच सऊदी अरब ने अपने क्षेत्र में घुसे एक ईरानी ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की है। साथ ही यह भी बताया गया कि राजधानी रियाद की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। इन घटनाओं ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है। इस संघर्ष की चपेट में आम नागरिक भी आ रहे हैं।

## महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमानः हॉन्गकॉन्ग से लंदन उड़ान में टेकऑफ के बाद मौत हुई

लंदन. ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, लेकिन बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रख दिया गया। गैली विमान का वह हिस्सा होता है, जहां फ्लाइट स्टाफ (क्रू) खाना-पीना तैयार करता है और सामान रखता है। यहीं से यात्रियों को खाना, पानी, चाय-कॉफी दी जाती है। आमतौर पर यह प्लेन के आगे या पीछे वाले हिस्से में होता है। लंदन पहुंचने पर पुलिस ने विमान में आकर जांच की और करीब 45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठाए रखा गया।

# आईपीएल में 339 रन बनाते ही 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बना जायंगे विराट

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसा रिकार्र अपने नाम करने जा रहे है जहां तक कोई और बल्लेबाज नहीं पहुंच पाया है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। आईपीएल 2026 का पहला ही मुकाबला आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 28 मार्च को खेला जाना है। इस सत्र में विराट कोहली 339 रन बनते ही आईपीएल लीग में 9000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन जायेंगे।

दो बार ऑरेंज कैप विजेता विराट कोहली के लिए ये मुश्किल भी नहीं है। वह हमेशा ही आईपीएल में 500 से अधिक रन बनाते आये हैं। ऐसे में वह इस बार लीग के इतिहास में 9000 रन बनाने वाले वह पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। कोहली का पिछले तीन सत्र में औसत 53 से ऊपर रहा है विराट ने साल 2023 में 53.25 की औसत से 639, 2024 में 61.75 की औसत से 741, और 2025 में 54.75 की औसत से 657 रन बनाए थे।

कोहली के पिछली बार 2025 में किए गए प्रदर्शन की आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका रही है। साल 2008 से आरसीबी के लिए खेल रहे विराट ने 267 मैचों में 39.55 की औसत और 132.86 की स्ट्राइक रेट से 8 शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8661 रन बनाए हैं। विराट लीग में 8,000 रन पूरा करने वाले भी एकमात्र बल्लेबाज हैं। साथ ही, लीग में सर्वाधिक शतक का रिकॉर्ड भी उनके नाम ही है.वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 272 मैचों की 267 पारियों में 2 शतक और 47 अर्धशतक लगाते हुए 7046 रन बनाए हैं। वहीं शतक के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर हैं। बटलर के नाम आईपीएल में 7 शतक हैं। बटलर के पास इस सत्र में शतकों के मामले में कोहली को पीछे करने का अवसर होगा।

## आईपीएल के एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड है हर्षल और ब्रेवो के नाम

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन इस माह के अंत में शुरु हो रहा है। ऐसे में अब तक हुए आईपीएल मुकाबलों और उनमें बने रिकार्डों को लेकर चर्चाएं होती रहती हैं। इसी में से एक रिकार्ड है सबसे अधिक विकेट का। अब तक कई गेंदबाजों ने आईपीएल में काफी विकेट लिए हैं पर किसी एक सत्र में सबसे अधिक विकेट की बात की जाये तो वह रिकाड अबतक संयुक्त रुप से दो गेंदबाजों हर्षल पटेल और ड्वेन ब्रावो नाम है। आरसीबी के हर्षल ने साल 2021 में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 15 मुकाबलों में कुल 32 विकेट लिए थे। उनका ये रिकार्ड अब तक कायम है अब देखना है कि इस सत्र में कोई गेंदबाज इसे तोड़ पाता है या नहीं। हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 15 मुकाबलों में 32 विकेट लिए थे। इस सत्र उन्होंने एक मुकाबले में 5 विकेट लिए थे। वहीं ड्वेन ब्रावोः ने आईपीएल 2013 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 32 विकेट निकाले थे। ब्रावो ने 18 मुकाबलों में केवल 7.95 की इकोनॉमी से रन दिये किए थे। ब्रावो की बेहतरीन गेंदबाजी के बल पर चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। हालांकि, खिताबी मुकाबले में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2020 में कगिसो रबाडा ने 17 मुकाबलों में कुल 30 विकेट लिए थे ओर वह इस प्रकार दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा ने इस सत्र में 2 मुकाबलों में 4 विकेट लेने का कारनामा किया था।लसिथ मलिंगा ने आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए लसिथ मलिंगा ने 16 मुकाबलों में कुल 28 विकेट लिए थे और वह तीसरे नंबर पर हैं। इस सीजन 13 रन देकर 5 विकेट मलिंगा का बेस्ट प्रदर्शन रहा था। जेम्स फॉकनर ने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए जेम्स फॉकनर आईपीएल 2013 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। फॉकनर ने इस सीजन 16 मुकाबलों में सिर्फ 6.75 की इकोनॉमी से रन देते हुए 28 विकेट लिए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हए 17 मुकाबलों में 28 विकेट का रिकार्ड है।

# आईपीएल से ठीक पहले पठान ने दी वैभव को सलाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल से ठीक पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को नसीहत दी है कि उन्हें लीग में सफलता या असफलता को जरुरत से ज्यादा महत्व नहीं देना होगा। पठान के अनुसार अगर वैभव अधिक सफल होते हैं तो भी उन्हें अपने पैर जमीन पर ही रखने चाहिये और अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो हताश नहीं होना चाहिये। उन्हें संतुलन बनाये रखना होगा।

वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया है। आईपीएल के पिछले सत्र में वह काफी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह इस लीग में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। वहीं, अंडर-19 विश्व कप 2026 में भी वैभव का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। पठान ने कहा, वैभव के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सफलता या असफलता को अपने ऊपर हावी न होने दें। यह काफी नाजुक उम्र है, क्योंकि वह अभी सिर्फ 15 साल के हैं ऐसें में अगर वह बहकते हैं तो करियर खराब हो जाएगा। अभी उनके सामने संभावित रूप से 20 साल का पेशेवर करियर पड़ा है। आज के समय में, जहां लंबे समय तक टिके रहना हमेशा प्राथमिकता नहीं होती और करियर छोटे हो सकते हैं। इसके बाद भी आप फिर भी 6 से 8 सालों में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

हालांकि, वैभव कहीं ज्यादा आगे जा सकते हैं। यह जरूरी है कि कोई लगातार उनके साथ एक मार्गदर्शक के तौर पर रहे, एक अच्छा मेंटोर जो समय के साथ उन्हें सहारा दे सके, ठीक वैसी ही भूमिका जैसी जैसी पिछले साल राहुल द्रविड़ ने उनके साथ कोच के तौर पर निभाई थी।पठान ने कहा कि वैभव को अपने खेल में सुधार करते रहना होगा ताकि वह विरोधी टीमों का शिकार न बने। उन्होंने कहा, उन्हें अपने खेल में लगातार सुधार करते रहना चाहिए। यह संभव है कि इस सत्र में टीमें उनके खिलाफ योजनाएं बनाएं, जैसे कि लगातार ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करना और गेंद को उनकी पहुंच से दूर रखना। वैभव को इसका सामना करना होगा, भले ही इसमें आउट होने का खतरा हो। इसके साथ ही उन्हें अभिषेक शर्मा की तरह भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। गेंदबाज उनके खिलाफ गति में लगातार बदलाव कर सकते हैं। अब देखना है कि वह हालात के अनुसार किस प्रकार अपने को ढ़ालते हैं।

## जब मजाकिया अंदाज में बोले वैभव, दो-तीन हजार रन बनाना चाहता हूं

राजस्थान रॉयल्यस के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक कार्यक्रम में अपनी हाजिर जवाबी से सभी को हंसा दिया। वैभव यहां राजस्थान रॉयल्स के एक कार्यकम में शामिल हुए थे। इस दौरान वहां अन्य क्रिकेटर और टीम के प्रशंसा भी उपस्थित थे। इसी दौरान जब एक मीडियाकर्मी ने वैभव से पूछा कि वह इस बार आईपीएल में कितने रन बनाना चाहते हैं तो वैभव ने हल्के फुल्के अंदाज में कहा कि ऐसा सवाल मत पूछो नहीं तो मैं कह दूंगा कि मुझे दो तीन हजार रन बनाने हैं। इसपर सभी हंस पड़े। इसके बाद वैभव ने कहा कि कहा कि वह व्यक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि टीम के लिए खेलने पर भरोसा करते हैं। उनका लक्ष्य केवल बेहतर प्रदर्शन करना और टीम को जीत दिलाना रहेगा। वैभव ने कहा कि ये पहले से नहीं बताया जा सकता है कि कितने रन बनाये जा सकते हैं। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देंगे और टीम के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलेंगे। उनका मुख्य लक्ष्य टीम को जीत दिलाना है न कि अपना रिकार्ड बनाना। इस बल्लेबाज ने पिछल बार आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। तब सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाकर सभी को हैरान किया था। इसके अलावा अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार टीम में बदलाव के बाद वैभव को शीर्ष क्रम में अधिक अवसर मिल सकते हैं और संजू सैमसन के नहीं होने के कारण उन्हें पारी की शुरुआत का भी अवसर मिल सकता है।

# गेंदबाज आकाशदीप आईपीएल से बाहर हुए, मधवाल को मिल सकता है अवसर

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज आकाश दीप चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से बाहर हो गये हैं। ऐसे में केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। आकाशदीप जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी पूरी करना आसान नहीं है। इसी कारण अब टीम प्रबंधन नए विकल्प तलाशने में लग गयी है। इसी कारण अब उसकी नजरें तेज गेंदबाज़ आकाश मधवाल को शामिल करने पर लगी हैं। आकाश ने पूर्व में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेला है। आकाश दीप को केकेआर ने प्रमुख ने तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर रखा था पर वह फिट नहीं होने से लीग से बाहर हो गये हैं। वह पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव से परेशान हैं। इसी कारण उन्हें करीब तीन महीने तक खेल से दूर रहना पड़ेगा। इससे साफ हो गया है कि वह इस पूरे सत्र में नहीं खेलेंगे। केकोर का को इस प्रकार दूसरा झटका लगा है। इससे पहले उनके तेज़ गेंदबाज़ हर्षित राणा भी चोटिल होने के कारण सत्र से बाहर हो गये थे। अपने दो प्रमुख गेंदबाजों के खोने का प्रभाव मैच में नजर आयेगा। राणा को विश्वकप से पहले ही अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। दो तेज गेंदबाजों के बाहर होने से केकेआर की गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर नजर आ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर अब मधवाल को आकाश दीप के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल करने की योजना बना रही है। मधवाल पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं और आईपीएल में अपने प्रदर्शन से पहचान बना चुके हैं। खासकर 2023 के एलिमिनेटर मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। विकेट लेने की क्षमता इस गेंदबाज को विशेष बनाती है। वहीं इसके अलावा केकेआर युवा आरएस अंबरीश को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रही है। अंबरीश हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट लेकर अपनी क्षमता साबित की थी। टीम ने पहले ही लीग से हटाये गये बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की जगह जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुज़रबानी को शामिल किया था।

पोलैंड में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के चार गुण 400 मीटर रिले में भाग लेती हुई अमेरिका की सारा रीफारनेथ।

पोलैंड में महिलाओं की विश्व एथलेक्सि स्पर्घा में भाग लेती हुई प्रतियोगी।

# वार्न सहित ये क्रिकेटर अपने करियर में नहीं बना पाये कोई शतक

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न एक गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे पर अपने करियर में वह एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा पाये। एक बार वह शतक के बेहद करीब आ गये थे पर लगा नहीं पाये और 99 रनों पर आउट हो गये। वार्न सहित पांच क्रिकेटर ऐसे हैं जो अपने करियर में काफी रन बनाने के बाद भी शतक नहीं लगा पाये। इनमें श्रीलंका के निराशन डिकवेला, मिचेल स्टार्क, न्यूजीलैंड के टिम साउदी और भारत के चेतन चौहान है।

वॉर्न को दुनिया के महानतम लेग-स्पिनर के रूप में जाना जाता है पर वह निचले क्रम के एक बेहद उपयोगी और आक्रामक बल्लेबाज भी रहे थे। इस बात का पता इससे चलता है कि वॉर्न ने अपने करियर में 145 टेस्ट मैचों में 12 अर्धशतक लगाकर 3154 रन बनाये हैं हालांकि वह एक बार भी शतक पूरा नहीं कर पाये। विश्व का कोई दूसरा स्पिनर इतने रन नहीं बना पाया है। वॉर्न साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पर्थ टेस्ट में शतक के बेहद करीब पहुंचे थे। तब वॉर्न ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 99 रन बना लिए थे पर डेनियल विटोरी की गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच हो गये थे। बाद में रिप्ले में देखा गया कि वह गेंद 'नो-बॉल' थी, लेकिन उस समय तकनीक अच्छी न होने से वॉर्न को रिव्यू नहीं मिला। वॉर्न उस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। आठवें नंबर पर खेली वॉर्न की इस पारी से टीम हार से बच गयी थी।

टेस्ट में बिना शतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं। डिकवेला ने अपने करियर में 2757 रन बनाये हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 96 रन रहा है। वहीं तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने – 2478 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 99 रन रहा है। वहीं न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 2245 जबकि भारत के चेतन चौहान के नाम 2084 रन हैं। वहीं गेंदबाजी में कई ऐसे रिकॉर्ड हैं, जिन्हें तोड़ना आज के दौर में लगभग नामुमकिन लगता है। वॉर्न के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 708 विकेट हैं। मुथैया मुरलीधरन (800) के बाद वे दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वे 700 विकेट का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज थे। साल 2005 में वॉर्न ने टेस्ट क्रिकेट में एक साल में 96 विकेट लिए थे. यह आज भी एक कैलेंडर वर्ष में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। टेस्ट और वनडे मिलाकर वॉर्न के नाम कुल 1001 विकेट हैं।

## अब तक विकेटकीपर के तौर पर संगकारा का रिकार्ड बरकरार

इस माह के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 सत्र शुरु होगा। जिससे भी नये-नये रिकार्ड बनेंगे। अब तक हुए सत्रों में कई ऐसे रिकार्ड बने हैं जो अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। अब देखना है कि वह रिकार्ड इस सत्र में टूटता है या नहीं ये रिकार्ड है। विकेट के पीछ पांच शिकार करन का जो श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के नाम है। यहां तक कि महेन्द्र सिंह धोनी भी इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच पाये हैं। संगाकारा ने आईपीएल के चौथे सत्र में ये रिकार्ड बनाया था। तब साल 2011 में डेक्कन चार्जर्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से था। वहीं डेक्कन चार्जर्स की कप्तानी और विकेटकीपिंग कुमार संगाकारा कर रहे थे। उस मैच में संगाकारा ने विकेटों के पीछे से एक के बाद एक बेहतरीन कैच लेकर रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने 5 कैच लिए। संगाकारा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने तिलकरत्ने दिलशान, विराट कोहली और एबी डीविलियर्स जैसे दिग्गजों के खिलाफ ये रिकार्ड बनाया था। चेन्नई सुपरकिंग्स के विकेटकीपर धोनी को दुनिया का सबसे तेज विकेटकीपर माना जाता है, जिनके नाम 0.08 सेकंड में स्टंपिंग करने का विश्व रिकॉर्ड है। धोनी ने आईपीएल करियर में कई बार एक मैच में 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा है पर पांच शिकार उन्होंने नहीं किये हैं।

संगाकारा ने तिलकरत्ने दिलशान, एबी डिविलियर्स, सौरभ तिवारी, जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन के विकेट लिए। संगाकारा की बेहतरीन विकेटकीपिंग के कारण चार्जर्स ने मुकाबला 33 रन से जीता। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2011 के 11वें मुकाबले में डेक्कन चार्जर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 175 रन बनाए थे। भरत चिप्ली ने 35 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली। उनके अलावा सनी सोहेल ने 38 रन और कुमार संगाकारा ने 36 रन का बनाये। जेपी ड्यूमिनी ने 22 रन बनाए। वहीं विरोधी टीम की ओर से जहीर खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए जबकि जोहान वैन डेर वाथ और रायन निनन ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में आरसीबी निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी

## एक दिवसीय में सबसे तेज शतक अफरीदी के नाम

लाहौर (ईएमएस)। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में सबसे तेज शतक लगाने का रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के नाम है। अफरीदी ने ये उपलब्धि केवल 16 साल 217 दिन की उम्र में हासिल कर ली थी। साल 1996 में नैरोबी (केन्या) में चार देशों के टूर्नामेंट में अफरीदी ने अपने दूसरे ही एकदिवसीय में केवल 37 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। उन्होंने ये शतक 11 छक्के और 6 चौके लगाकर पूरा किया। अफरीदी ने इस मैच में 40 गेंदों में ही 102 रन बनाए। अफरीदी ने जिस बल्ले से श्रीलंका के खिलाफ यह पारी खेली थी। वह बल्ला उन्होंने वकार यूनुस से लिया था पर असल में ये बल्ला महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का था जो उन्होंने वकार यूनूस को उपहार में दिया था। इस प्रकार देखा जाये तो अफरीदी ने ये रिकार्ड सचिन के उसी बल्ले से बनाया था। अफरीदी ने इसको लेकर स्वयं कहा था, 'वकार ने मुझे नैरोबी में वो बल्ला दिया था। जो उन्हें तेंदुलकर ने दिया था और कहा था कि सियालकोट में इसी तरह के बैट बनवाएं। अफरीदी ने अपनी ऐतिहासिक पारी को लेकर कहा था, 'वह रिकॉर्ड आज भी कायम है और मुझे इस पर गर्व है।

## ईद पर सेवइयां और शीर खुरमा बनाते दिखे बाबर

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम को ईद के अवसर पर अपने घर में सेवइयां और शीर खुरमा बनाते देखा गया। बाबर का ये अंदाज देखकर उनके प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। मैदान पर रन बनाने के लिए मशहूर बाबर इस बार किचन में पकवान बनाते दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें देखा गया कि ईद के खास मौके पर बाबर ने अपने घर में सेवइयां और शीर खुरमा तैयार किया। उन्होंने इसे अपनी "ईद की मीठी पहचान" बताया और प्रशंसकों को अपनी निजी जिंदगी की झलक दिखाई। वीडियो में बाबर बेहद ध्यान से पकवान बनाते नजर आए, जिसने प्रशंसक हैरान रह गये।क्रिकेट के मैदान से अलग हटकर दिखा यह अंदाज़ लोगों को काफी पसंद आया और सभी ने सोशल मीडिया पर इसकी प्रशंसा की। जहां एक तरफ बाबर का यह वीडियो वायरल हो रहा था, वहीं दूसरी ओर उनकी फिटनेस और खराब प्रदर्शन को लेकर बहस जारी है। एक रिपोर्ट्स के अनुसार फखर जमान और बाबर ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी विश्वकप में खेला था। इस बात के सामने आने के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि अनफिट खिलाड़ी को किस प्रकार टीम में जगह मिल गयी। कई जानकारों का मानना है कि खिलाड़ियों की फिटनेस से समझौता करना सबसे गलत है। इस मामले पर सबसे अधिक नाराजगी आकिब जावेद ने जाहिर की। उन्होंने कहा कि बाबर और फखर की चोट की जानकारी चयनकर्ताओं को टूर्नामेंट खत्म होने के बाद मिली। बाबर विश्वकप की चार पारियों में उन्होंने सिर्फ 91 रन बनाए, औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा।

## धोनी बोले आईपीएल में हैरान कर सकता है युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने युवा ऑलराउंडर प्रशांत वीर की जमकर प्रशंसा की है। प्रशांत को सीएसके ने आईपीएल नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसी का एक वीडियो सीएसके ने जारी किया है। इस वीडियो में धोनी युवा ऑलराउंडर प्रशांत की प्रशंसा करते हुए कहते हैं ये ऑलरांउडर लीग में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर सकता है। धोनी कभी कभार ही किसी खिलाड़ी की तारीफ करते हैं, इसलिए उनकी बात को काफी महत्व दिया जाता है। अभ्यास सत्र में जब प्रशांत वीर बल्लेबाजी कर रहे थे तब विकेट के पीछे से धोनी उनपर नजर रखे थे। वीर ने ऑफ साइड में शानदार शॉट लगाया, जिस पर धोनी ने तुरंत तारीफ करते दिखे। इसके बाद वीर ने एक शानदार स्कूप शॉट खेला, जिस पर भी धोनी ने बाउंड्री होने का इशारा किया। इसके बाद प्रशांत ने सीधा स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिसे देखने के बाद धोनी ने उनकी जमकर सराहना की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। प्रशंसकों ने भी इस युवा खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के खेमें में भी इससे उत्साह छाया हुआ है। प्रशांत वीर उत्तर प्रदेश के युवा ऑलराउंडर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिन गेंदबाज हैं। वह आमतौर पर निचले मुध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। घरेलू क्रिकेट में अ अच्छे प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उन्हें अवसर मिला है। मिनी ऑक्शन में वह 14.20 करोड़ में बिके थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में आ गये थे। प्राशांत ने अंडर-23 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 376 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 94 और स्ट्राइक रेट 128.76 रहा।

## न्यूज़ीलैंड के लैथम टी20 सीरीज से बाहर हुए

ऑकलैंड (ईएमएस)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज और कप्तान टॉम लैथम चोटिल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टॉम ब्लेंडेल को शामिल किया गया है जबकि कप्तानी ऑलराउंडर जेम्स नीशाम को दी गयी है। तीसरे टी20 मैच के दौरान लैथम को एक गेंद अंगूठे पर लग गई थी हालांकि इसके बाद भी वह बल्लेबाजी करते रहे थे। मैच के बाद मेडिकल टीम ने उनके अंगूठे की जांच करने के बाद स्कैन के लिए भेजा था। अब जांच के बाद ही तय होगा कि वह पांचवें टी20 में वापसी कर पायेंगे या नहीं। लैथम की जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर टॉम ब्लेंडेल को शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ब्लेंडेल की एक साल के बाद टीम में वापसी हो रही है। उन्हो2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वहीं नीशम पहली बार अंतरराष्ट्रीय टी20 में न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। इससे पहले उन्होंने कभी भी इस फॉर्मेट में टीम की कप्तानी नहीं की थी। वह इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के 12वें कप्तान बनेंगे और टीम को सीरीज में बराबरी दिलाने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड टीम के लैथम चोटिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले इश सोड़ी और बिवोन जैक्ब्स भी चोटिल हुए थे।

## जीत के साथ ही चौथे दौर में पहुंची कोको गाफ

फ्लोरिडा (ईएमएस)। अमेरिका की महिला स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ जीत के साथ ही मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। कोको ने तीसरे दौर में अपने ही देश की अलाशिया पार्कस को कड़े मुकाबले मे हराया। तीन सेटों तक चले इस मुकाबले में गॉफ ने शुरुआत में ही 2-0 की बढ़त बना ली पर इसके बाद पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से जीता। इसके बाद गॉफ ने अगले 13 में से 12 गेम जीतकर मैच 2-6, 6-0, 6-1 से मुकाबला अपने नाम किया। यह मुकाबला करीब दो घंटे चला। गॉफ ने दूसरे और तीसरे सेट में आसानी से जीत दर्ज की। अब चौथे दौर में गॉफ का सामना रोमानिया की सोरेना सिर्स्टिया से होगा। सिर्स्टिया ने एक अन्य मुकाबले में एलीसी मार्टिंस को 6-3, 6-2 से हराया था। मैच के बाद गाफ ने कहा कि यह मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि पार्क्स बहुत तेजी से खेल रही थीं। इसी कारण उन्हें अपनी रणनीति बदलनी पड़ी और रिटर्न गेम को बेहतर करना पड़ा। गॉफ ने कहा कि दूसरे और तीसरे सेट में उन्होंने ज्यादा आक्रामक खेजा जिसके कारण ही वह जीत दर्ज करने में सफल रहीं। इस जीत के साथ ही साल 2025 सत्र की शुरुआत से ही अब तक गॉफ ने पहला सेट हारने के बाद डब्ल्यूटीए में 11 मैच जीते हैं। इस प्रकार वह मेडीसन की और एनासटेनिश पोटापोवा की बराबरी पर आ गयी हैं।

## भारत की मेजबानी करने बांग्लादेश ने दौरा रद्द किया

ढ़ाका (ईएमएस)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज खेलने के लिए आयरलैंड का अपना दौरा स्थगित कर दिया है। ये वही सीरीज है जो पिछले साल बांग्लादेश में हालात ठीक नहीं होने के कारण सथगित कर दी गयी थी। अब बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ उस सीरीज को खेलना चाहती है। वहीं इसी दौरान आयरलैंड दौरा बीच में आ गया इसी कारण बीसीबी ने इसे रद्द कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश ने इसको लेकर पहले ही आयरलैंड बोर्ड बो बता दिया था और उसे किसी और समय सीरीज रखने का कहा था पर मगर आयरलैंड ने इससे इंकार कर दिया। इसी कारण से बांग्लादेश ने आयरलैंड दौरे को स्थगित कर दिया है। भारत का बांग्लादेश दौरा 28 सितंबर से होगा। वहीं एकदिवसीय मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे जबकि टीम 20 मुकाबले 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे।

# भारत के कोर सेक्टर की रफ्तार पर ब्रेकः फरवरी में ग्रोथ घटकर 2.3% हुई, रिफाइनरी और तेल में गिरावट

**भारत** के कोर सेक्टर में तेजी थम गई है। फरवरी 2026 में कोर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की ग्रोथ महज 2.3 फीसदी रह गई, जो जनवरी के 4.7 फीसदी से आधी हो गई। इससे साफ है कि वित्त वर्ष 2025-26 में इन सेक्टरों का प्रदर्शन पिछले छह सालों में सबसे कमजोर रहने वाला है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक के पहले 11 महीनों में कोर सेक्टर की औसत बढ़ोतरी सिर्फ 2.9 फीसदी रही। पिछले साल यानी FY25 की इसी अवधि में यह 4.4 फीसदी थी। आठ कोर सेक्टर में से फरवरी में पांच ने तो बढ़त दिखाई, लेकिन छह सेक्टरों की रफ्तार जनवरी से धीमी पड़ गई। खासकर रिफाइनरी प्रोडक्ट्स में 1 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जनवरी में यह बिल्कुल स्थिर था। क्रूड ऑयल का उत्पादन लगातार छठे महीने घटा और फरवरी में 5.2 फीसदी कम हुआ। नैचुरल गैस भी 20वें महीने लगातार नीचे आया, जिसमें 5 फीसदी की कटौती दर्ज हुई, ठीक

जनवरी जितनी ही। बिजली बनाना भी धीमा पड़ गया और ग्रोथ तीन महीने के सबसे निचले स्तर 0.5 फीसदी पर आ गई। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि वेस्ट एशिया के संकट से पहले ही फरवरी में कोर सेक्टर की ग्रोथ तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी थी। जनवरी से फरवरी के बीच यह गिरावट ज्यादातर सेक्टरों में फैली हुई थी। सिर्फ सीमेंट में 9.3 फीसदी और स्टील में 7.2 फीसदी की बढ़त देखी गई, बाकी ज्यादातर सेक्टर 3.5 फीसदी से नीचे रहे। कोर सेक्टर इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) का लगभग 40 फीसदी वजन रखते हैं। नायर का मानना है कि फरवरी में IIP की ग्रोथ जनवरी के 4.8 फीसदी से घटकर करीब 4 फीसदी रह सकती है। कोर सेक्टर की इतनी कमजोर ग्रोथ आखिरी बार कोविड के दौर में 2020-21 में देखी गई थी, जब उत्पादन 6.4 फीसदी घट गया था। उससे पहले 2019-20 में यह सिर्फ 0.4 फीसदी बढ़ा था।

### महंगाई और वैश्विक संकट का असर, 4.2% घटा कोयला आयात

देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कोयला आयात में गिरावट दर्ज की गई है, जो ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदमों को दर्शाता है। अप्रैल से जनवरी के बीच कोयले का कुल आयात 4.2 प्रतिशत घटकर 213.10 मिलियन टन रह गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में यह गिरावट महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में समुद्री मार्ग से आने

वाले कोयले की कीमतों में हालिया तेजी और आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के कारण निकट भविष्य में आयात सीमित ही रहने की संभावना है। इसके साथ ही देश में घरेलू कोयला उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आयात पर निर्भरता धीरे-धीरे कम हो रही है। एमजंक्शन सर्विस लि. द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, गैर-कोकिंग कोयले का आयात अप्रैल से जनवरी के दौरान घटकर 127.80 मिलियन टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 141.18 मिलियन टन था। यह गिरावट मुख्य रूप से बिजली उत्पादन और अन्य औद्योगिक जरूरतों के लिए घरेलू आपूर्ति में सुधार के कारण आई है। वहीं दूसरी ओर, कोकिंग कोयले के आयात में बढ़ोतरी देखी गई है। इस अवधि में कोकिंग कोयले का आयात 50.39 मिलियन टन रहा, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 45.83 मिलियन टन था। कोकिंग कोयला मुख्य रूप से इस्पात उद्योग में इस्तेमाल होता है, और इसकी घरेलू उपलब्धता सीमित होने के कारण आयात पर निर्भरता बनी हुई है।

जनवरी महीने के आंकड़े भी आयात में गिरावट का संकेत देते हैं। इस दौरान कोयले का कुल आयात 22.1 प्रतिशत घटकर 16.64 मिलियन टन रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष के जनवरी में यह 21.37 मिलियन टन था। जनवरी महीने में कुल आयात के भीतर नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 9.45 मिलियन टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 12.33 मिलियन टन की तुलना में काफी कम है। इसी तरह कोकिंग कोयले का आयात भी घटकर 4.23 मिलियन टन रह गया, जबकि पिछले साल जनवरी में यह 5.23 मिलियन टन था।

# तेलंगाना पर दिसंबर 2025 तक 8 लाख करोड़ का कर्जः रिपोर्ट

### राज्य और उसकी कंपनियों ने 3.19 लाख करोड़ रुपये के नए कर्ज लिए

हैदराबाद (ईएमएस)। तेलंगाना पर कुल कर्ज दिसंबर 2025 के अंत तक आठ लाख करोड़ रुपये था। राज्य सरकार द्वारा जारी की गई सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट-2026 से यह जानकारी मिली है। इसमें उसकी इकाइयों का कर्ज और सरकारी गारंटी भी शामिल है। राज्य सरकार ने कहा कि दिसंबर, 2023 में जब कांग्रेस सत्ता में आई थी, उस समय से लेकर 2025 में उसी महीने तक राज्य और उसकी इकाइयों का कुल कर्ज 3,19,179 करोड़ रुपये था, जिसमें से पुनर्भुगतान (मूलधन और ब्याज) 3,04,202 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट कहती है कि कांग्रेस सरकार के लगभग ढाई साल के कार्यकाल के दौरान उठाए गए कर्ज से पता चलता है कि इसका एक बड़ा हिस्सा हिस्सा मौजूदा कर्ज चुकाने में इस्तेमाल किया गया। इसकी वजह यह है कि दिसंबर, 2023 से पहले के समय से राज्य के ऊपर काफी कर्ज था। इसमें कहा गया है कि 31 दिसंबर, 2025 तक कुल बकाया कर्ज़ 8,00,805 करोड़ रुपये था, लेकिन बकाया देनदारियों में बढ़ोतरी को बड़े और ज़रूरी ब्याज भुगतान के संदर्भ में समझने की ज़रूरत है। यह बहुत ज़्यादा पुराने कर्ज की वजह से है। ब्याज चुकाने के साथ-साथ मूलधन का बड़ा भुगतान किया गया। इस समय के दौरान, राज्य और उसकी कंपनियों ने 3.19 लाख करोड़ रुपये के नए कर्ज लिए। इसी समय में, मूलधन और ब्याज के लिए 3.04 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिसमें मूलधन के लिए 1.90 लाख करोड़ रुपये और ब्याज के लिए 1.14 लाख करोड़ रुपये का भुगतान शामिल हैं।

तेलंगाना का 2025-26 के लिए राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (शुरुआती अग्रिम अनुमान) मौजूदा कीमतों पर 17.82 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। यह सालाना 10.7 प्रतिशत की वृद्धि है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान में राष्ट्रीय स्तर पर वृद्धि दर आठ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इस तरह राज्य की वृद्धि दर राष्ट्रीय वृद्धि दर के अनुमान से कहीं अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सेवा क्षेत्र में वृद्धि को दर्शाता है। मसलन आईटी, व्यापार, परिवहन और संचार। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025-26 के लिए राज्य की पर प्रति व्यक्ति आय 10.2 प्रतिशत बढ़कर 4.19 लाख रुपये पर पहुंच गई है जो राष्ट्रीय औसत 2.20 लाख रुपये की तुलना में कहीं अधिक है।

# श्रीलंका में पेट्रोल-डीजल 81 रु. तक महंगाः पेट्रोल 398 और डीजल 382 रु. लीटर हुआ

कच्चे तेल की सप्लाई संकट के बीच श्रीलंकाई सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25% तक की बढ़ोतरी की है। आज यानी 22 मार्च को हुई बढ़ोतरी के बाद श्रीलंका में रेगुलर पेट्रोल की कीमत 81 श्रीलंकाई रुपए बढ़कर 398 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 79 रुपए महंगा होकर 382 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पिछले दो हफ्तों में यह दूसरी बार है जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले पिछले हफ्ते कीमतों में 8% का इजाफा किया था। हालात बिगड़ते देख राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने देश में '4 डे वर्किंग वीक' (हफ्ते में सिर्फ 4 दिन काम) लागू कर दिया है और कंपनियों से वर्क-फ्रॉम-होम मोड पर लौटने को कहा है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने बताया कि कीमतों में इस बड़ी बढ़ोतरी का मकसद देश में ईंधन की खपत को 15 से 20% तक कम करना है। राष्ट्रपति दिसानायके ने पिछले बुधवार से ही सरकारी और निजी दफ्तरों के लिए हफ्ते में केवल 4 दिन काम करने का आदेश जारी कर दिया था। इसके साथ ही कंपनियों से कहा गया है कि जहां संभव हो, कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति दी जाए ताकि सड़कों पर गाड़ियां कम निकलें और तेल की बचत हो सके।

### हॉर्मुज जल मार्ग बंद होने से थमी सप्लाई चेन

श्रीलंका की इस मुश्किल की सबसे बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच छिड़ा युद्ध है। युद्ध के चौथे हफ्ते में प्रवेश करने के साथ ही ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। यह वही समुद्री रास्ता है जहां से शांति के समय दुनिया के कुल तेल निर्यात का लगभग 20% हिस्सा गुजरता है। श्रीलंका अपनी जरूरत का पूरा तेल और बिजली बनाने के लिए कोयला आयात करता है, ऐसे में सप्लाई रुकने से देश के पास स्टॉक खत्म होने का खतरा पैदा हो गया है।

**2022 जैसे 'डिफॉल्ट' का डर फिर सताने लगा:** श्रीलंका सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर मिडिल ईस्ट में युद्ध लंबा खिंचता है, तो देश के लिए 2022 के आर्थिक संकट से बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि 2022 में विदेशी मुद्रा भंडार खत्म होने के बाद श्रीलंका ने अपने 46 अरब डॉलर के विदेशी कर्ज पर 'सॉवरेन डिफॉल्ट' घोषित कर दिया था। हालांकि, बाद में उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 2.9 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज मिला, जिससे स्थिति थोड़ी सुधरी थी, लेकिन अब युद्ध ने फिर से रिकवरी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

# एलएनजी आपूर्ति बाधित, देश के यूरिया संयंत्र आधी क्षमता पर परिचालन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया संकट के बीच, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने टर्मिनल पर अपरिहार्य स्थिति घोषित की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण अनुबंधित मात्रा में गैस की आपूर्ति नहीं कर पाने की जानकारी दी। यह कदम सरकारी गैस वितरक कंपनियों गेल (इंडिया) लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड को आपूर्ति घटाने के लिए मजबूर कर रहा है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, गैस आपूर्ति को सामान्य स्तर से घटाकर 60–65 प्रतिशत तक कर दिया गया है। कुछ संयंत्रों में यह 50 प्रतिशत से भी नीचे है। इसका प्रत्यक्ष असर यूरिया उत्पादन पर पड़ा है, जिससे कई संयंत्रों में उत्पादन लगभग आधा रह गया है। संयंत्रों की बड़ी अमोनिया-यूरिया ट्रेनें अचानक उत्पादन घटाने या बढ़ाने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई हैं। कम लोड पर चलने के कारण ऊर्जा दक्षता में गिरावट आई और ऊर्जा की खपत 40 प्रतिशत तक बढ़ गई। इससे संयंत्रों को उत्पादन कम करने के बावजूद अधिक लागत का सामना करना पड़ रहा है। परिचालन में समन्वय टूटने के कारण स्थिति और जटिल हो गई है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े यूरिया उपभोक्ताओं में से एक है।

# एयर इंडिया पर 'युद्ध' की मार! कर्मचारियों से सीईओ बोलेः संघर्ष से कंपनी पर भारी असर

एयर इंडिया के MD-सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने कर्मचारियों को भेजे एक मैसेज में कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से कंपनी पर भारी असर पड़ रहा है। यह संघर्ष अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुआ है। अभी तक इसका पूरा आर्थिक नुकसान सामने नहीं आया है, लेकिन आने वाले दिनों में यह और साफ दिखेगा। विल्सन ने बताया कि संघर्ष शुरू होने के तीन हफ्तों में एयर इंडिया को पश्चिम एशिया इलाके की करीब 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। आजकल कंपनी वहां अपनी सामान्य उड़ानों का सिर्फ 30 फीसदी ही चला पा रही है। वजह है कि कई एयरपोर्ट बंद हैं या एयरस्पेस पर पाबंदियां लगी हुई हैं, और सुरक्षा के लिहाज से कई जगह उड़ान भरना जोखिम भरा लग रहा है।

### ईंधन की कीमतों में भारी उछाल और लंबे रूट

इसके अलावा UK, यूरोप और उत्तर

अमेरिका की उड़ानें भी अब पहले से ज्यादा लंबे रास्ते से जा रही हैं। इससे प्लेन ज्यादा ईंधन जलाते हैं और समय भी ज्यादा लगता है। जेट फ्यूल की स्पॉट कीमत अब दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। विल्सन ने कहा कि इसका असर कंपनी की जेब पर अगले महीने से पूरी तरह पड़ेगा। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस पहले से ही घाटे में चल रही हैं। इस संघर्ष से ऑपरेशन में और मुश्किलें आई हैं। विल्सन ने माना कि आर्थिक अनिश्चितता के बीच लोग पहले जितना सफर करने को तैयार नहीं रहेंगे। कई लोग घर पर ही रुकना पसंद कर सकते हैं।

### फ्यूल सरचार्ज लगाया, लेकिन मांग घटने का डर

ईंधन की कीमतें बढ़ने से एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और आकासा एयर ने टिकटों पर फ्यूल सरचार्ज लगा दिया है। लेकिन विल्सन ने साफ कहा कि हर पैसेंजर ज्यादा किराया देने को तैयार नहीं होता। टिकट इतना महंगा करने की एक सीमा है, उसके बाद मांग गिर सकती है। कुछ जगहों पर नई मांग दिख रही है, जैसे यूरोप और उत्तर अमेरिका के कुछ शहरों में अतिरिक्त उड़ानें लगाई जा रही हैं। लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में एयरलाइंस पहले से ही हाई फ्यूल प्राइस की वजह से उड़ानें कम कर रही हैं। विल्सन ने कहा कि ईंधन की कीमत, टिकट के दाम और पैसेंजरों की मांग के हिसाब से आगे एडजस्टमेंट करना पड़ सकता है। विल्सन ने कर्मचारियों से अपील की कि अभी सुरक्षित ऑपरेशन पर फोकस रखें, बेकार या गैर-जरूरी खर्चों पर सख्ती से कंट्रोल करें, एक-दूसरे का साथ दें और पैसेंजर्स को बढ़िया सर्विस देते रहें।

## दैनिक पंचांग

**23 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

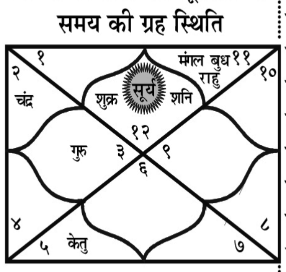

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मीन में | मेष | 07.11 बजे से |
| चंद्र | वृष में | वृष | 08.51 बजे से |
| मंगल | कुंभ में | मिथुन | 10.49 बजे से |
| बुध | कुंभ में | कर्क | 13.03 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | सिंह | 15.19 बजे से |
| शुक्र | मीन में | कन्या | 17.31 बजे से |
| शनि | मीन में | तुला | 19.42 बजे से |
| राहु | कुंभ में | वृश्चिक | 21.56 ब.से |
| केतु | सिंह में | धनु | 00.12 बजे से |
| राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक | | मकर | 02.17 बजे से |
| | | कुंभ | 04.04 बजे से |
| | | मीन | 05.37 बजे से |

**सोमवार** 2026 वर्ष का 82 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 18.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 20.50 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 12.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 07.57 बजे, बालव 18.39 बजे तदनन्तर कौलव 05.22 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 3.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 57' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872657 **जूलियन दिन** 2461122.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 03 **विशेष** लक्ष्मी पंचमी, गुरु हरगोविंद पुण्यतिथि, भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु शहीद दिवस।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 7955

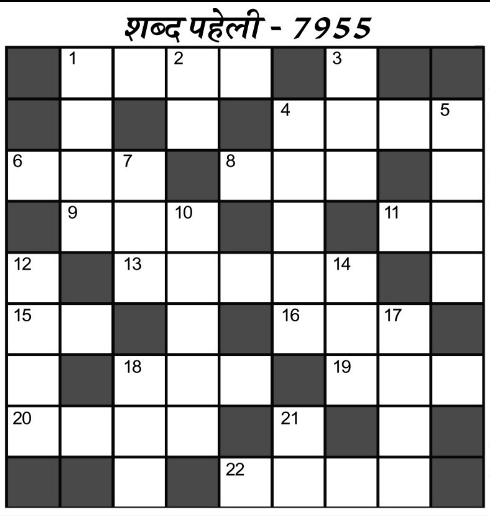

**बाएँ से दाएँ**

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

**ऊपर से नीचे**

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

**शब्द पहेली - 7954 का हल**

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अंकजाल - 7496

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

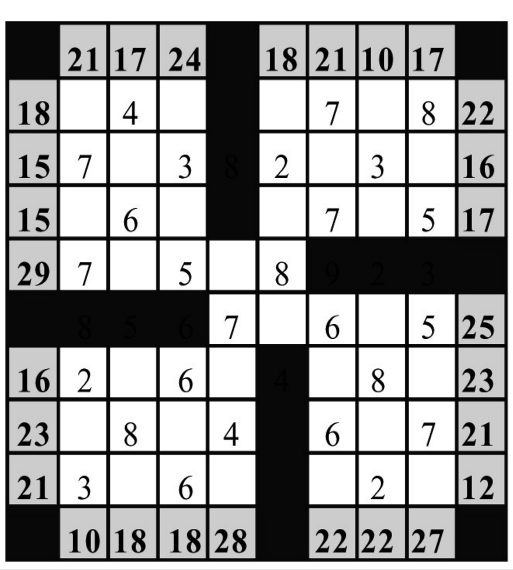

**अंकजाल 7495 का हल**

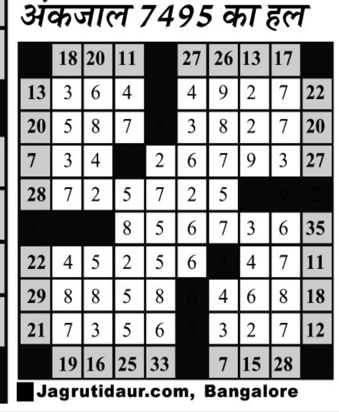

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6440

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 1 | 7 | | 5 | 6 | 3 |
| | 29 | | 32 | | 32 | |
| 4 | | 5 | 3 | | 2 | 7 |
| | 36 | 6 | 28 | 4 | 28 | |
| 5 | | 2 | | 3 | | 1 |
| 7 | 37 | | 26 | | 37 | 6 |
| | | 4 | 1 | 2 | | |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 6439 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 7 | 3 | 4 | 5 | 6 | 2 |
| 6 | 37 | 6 | 32 | 2 | 26 | 1 |
| 5 | 2 | 7 | 4 | 1 | 6 | 3 |
| 4 | 32 | 4 | 32 | 4 | 32 | 4 |
| 3 | 6 | 1 | 4 | 7 | 2 | 5 |
| 7 | 33 | 2 | 29 | 6 | 40 | 7 |
| 2 | 7 | 5 | 1 | 3 | 4 | 6 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## आज का इतिहास

1351 फिरोजाबाद तुगलक का भतीजा मुहम्मद तुगलक गद्दी पर बैठा था.

1568 फ्रांस में दुसरा धर्म युद्ध समाप्त हुआ.

1757 क्लाइब ने फ्रांसिसियों से छीन लिया.

1910 समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया का जन्म.

1918 लिथुआनिया ने स्वतंत्रता की घोषणा की.

1931 भगतसिह, सुखदेव और शिवराम राजगूरू को साडर्स की हत्या के आरोप में फांसी दी गई.

1933 एडोल्फ हिटलर को तानाशाह के रूप में सारे अधिकार मिल गए.

1936 इटली सोवियत संघ और हंगरी के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुआ.

1940 मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान का प्रस्ताव स्वीकार किया.

1976 भारत-श्रीलंका सीमा समझौता.

1986 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की पहली महिला कंपनी का गठन दुर्गापुर मे हुआ.

1986 पाकिस्तान में लाखों लोगों ने सरकार और अमेरिका विरोधी प्रदर्शन किया.

1991 राष्ट्रव्यापी विद्रोह के बीच सद्दाम हुसैन ने इराकी मंत्रीमंडल में भारी फेरबदल किया.

1992 उत्तरप्रदेश सरकार के विरूद्ध संविधान की धारा 356 की कार्यवाही की केन्द्रीय की चेतावनी.

## गणित पहेली - 5800

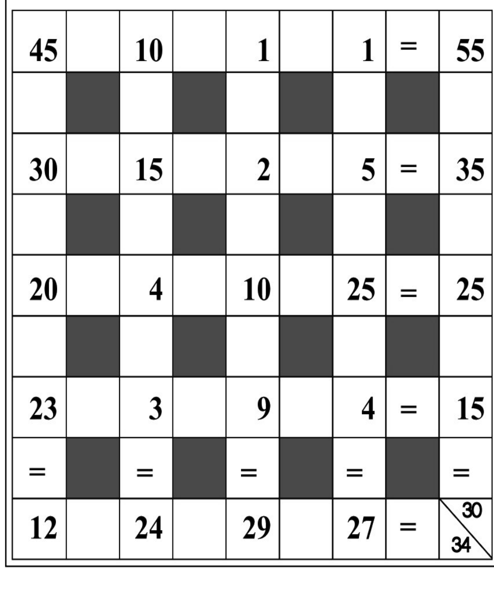

Jagrutidaur.com, Bangalore

## संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

**गणित पहेली - 5799**

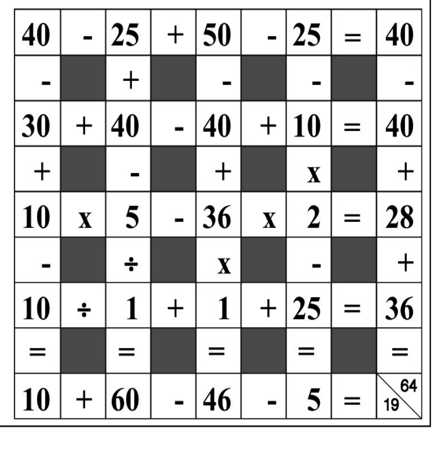

## शब्दजाल - 7487

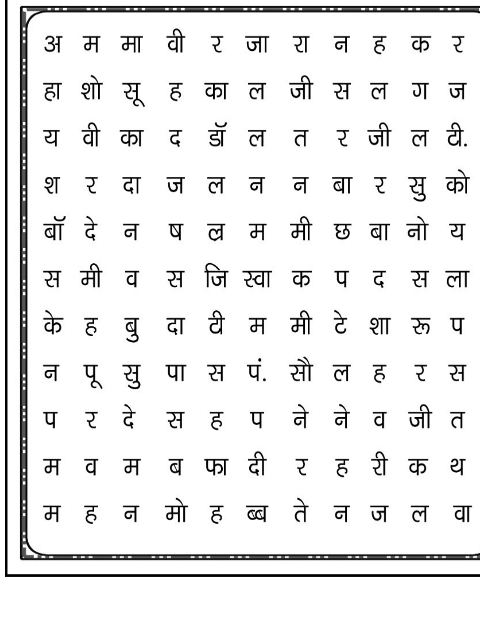

शब्दजाल में शाहरुख खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बते.

**शब्दजाल - 7486 का हल**

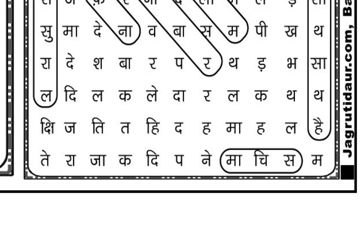

Jagrutidaur.com, Bangalore

# संक्षिप्त खबरें

## बाबूलाल मरांडी ने पूर्व डीएफओ के खिलाफ की एफआईआर की मांग, एसीबी को लिखा पत्र

**रांचीः** झारखंड की राजनीति में एक बार फिर भ्रष्टाचार का मुद्दा गरमा गया है. झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी के एडीजी को पत्र लिखकर रांची वन प्रमंडल के तत्कालीन डीएफओ राजीव लोचन बख्शी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं और प्राथमिकी दर्ज कर जांच की मांग की है. बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि साल 2013 से 2018 के दौरान करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताएं हुईं थी. ऑडिट रिपोर्ट के हवाले से उन्होंने बताया कि करीब 1.80 करोड़ की सामग्री खरीद से जुड़े मूल वाउचर गायब पाए गए, जबकि 5.45 करोड़ से अधिक के मजदूरी भुगतान के मस्टर रोल्स संदिग्ध हैं. इससे बड़े पैमाने पर फर्जी भुगतान और सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका जताई गई है. उन्होंने कहा कि जांच के दौरान कई मस्टर रोल्स में मजदूरों के भुगतान को बैंक खाते की बजाय नकद दिखाया गया, जो नियमों के विपरीत है और गड़बड़ी की ओर इशारा करता है. इसके साथ ही वन भूमि से जुड़ा मामला भी गंभीर बताया गया है. आरोप है कि करीब 7.35 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग में नियमों का उल्लंघन करते हुए बिना आवश्यक सरकारी अनुमति के फैसले लिए गए, जिससे संबंधित एजेंसियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया. बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने यह भी कहा कि कैंपा फंड और अन्य योजनाओं के तहत दिए गए करोड़ों रुपये के अग्रिम भुगतान का समायोजन नहीं किया गया, जो वित्तीय अनियमितता को छिपाने की कोशिश को दर्शाता है. नेता प्रतिपक्ष ने ACB से मांग की है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर SIT का गठन किया जाए और पूरे मामले की फॉरेंसिक ऑडिट कराई जाए, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके.

## तेजस्वी यादव पांच अप्रैल को आएंगे रांची, स्वागत की तैयारी को लेकर राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ की हुई बैठक

**खूंटीः** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पिछड़ा प्रकोष्ठ की एक बैठक रविवार को तोरपा प्रखंड के टाटी भंडार टोली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ खूंटी जिलाध्यक्ष फागू साहू ने की। इस अवसर पर राजद पिछड़ा प्रकोष्ठ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने वाले राजद के युवा नेता तेजस्वी यादव का आगमन पांच अप्रैल को झारखंड की राजधानी रांची में होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने के बाद तेजस्वी यादव पहली बार झारखंड आ रहे हैं। उनके स्वागत को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है और रांची में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। जिलाध्यक्ष फागू साहू ने कहा कि इस स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने में खूंटी जिला की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि जिले में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण शून्य होने के कारण कई होनहार छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय जनता दल ही पिछड़ों के अधिकार और सम्मान की लड़ाई मजबूती से लड़ने का काम कर रही है। बैठक में लक्ष्मीनाथ गोप, दुर्गा प्रजापति, बैजनाथ गोप, लखिन्द्र प्रजापति, चंदर महतो, पतंग लोहरा, लगनु महतो, अमर गोप, जगरनाथ प्रजापति, पुरन गोप, पवन महतो, सोमरा गोप सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई तथा अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को रांची पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई।

## मधुमक्खियों से बचने के लिए डैम में कूदा युवक, मौत

**पलामूः** ईद की खुशियों के बीच एक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के गंजपर मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय आरिफ की शनिवार रात काशी सोत डैम में डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि युवक ईद की नमाज़ अदा करने के बाद अपने दोस्तों के साथ मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र स्थित काशी सोत डैम घूमने गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डैम के समीप अचानक मधुमक्खियों का झुंड लोगों पर टूट पड़ा। मधुमक्खियों से बचने के प्रयास में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान आरिफ बचने के लिए घबराहट में डैम में कूद गया। पानी गहरा होने के कारण वह डूब गया। घटना के बाद वहां मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को पानी से बाहर निकाला और तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मौजूद परिजन शव को लेकर घर लौट आए। घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। ईद की खुशियां पल भर में गम में बदल गईं। मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर , क्षेत्रीय विधायक और मुखिया ने आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा दिलाने के लिए शनिवार देर रात तक युवक का पोस्टमार्टम कराने के लिए परिजनों को सलाह दी, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्होंने इनकार कर दिया।

## भाजपा नेता मुना गुप्ता की माताश्री फुलेश्वरी देवी के निधन पर परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर

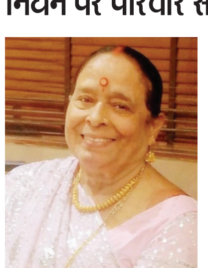

**संवाददाता रांचीः** भारतीय जनता पार्टी, लालपुर मंडल के उपाध्यक्ष मुना गुप्ता की माताश्री स्वर्गीय फुलेश्वरी देवी (उम्र लगभग 80 वर्ष), पति चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता का निधन कल वेदांता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हो गया। उनके निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। स्वर्गीय फुलेश्वरी देवी अपने पीछे पति, दो पुत्र एवं चार पुत्रियों सहित एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार आज वाराणसी के पवित्र मणिकर्णिका घाट पर संपन्न हुआ, जहां परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तित्वों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। विधायक सी पी सिंह, मेयर रोशनी खलको, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय राय, बजरंग वर्मा, अभय सिंह, लालपुर मंडल अध्यक्ष विशाल अग्रवाल, रेवती कांत राय एवं संजय भादुरी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। सभी शोकाकुलों ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

# झारखंड में 26 मार्च से बदलेगा मौसम

## गर्जन-बारिश और वज्रपात का येलो अलर्ट जारी

**रांचीः** झारखंड में मौसम एक बार फिर से 26 मार्च से करवट लेगा। इस दौरान गर्जन, हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, 26, 27 और 28 मार्च को राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। इसके साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चल सकती है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

विभाग के अनुसार, 26 मार्च को राज्य के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात हो सकती है। इसी प्रकार 27 और 28 मार्च को भी राज्य के अन्य हिस्सों में गर्जन बारिश और वज्रपात को लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 32.1 डिग्री और सबसे कम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार राज्य के अन्य जिलों में भी बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। इनमें जमशेदपुर में 04 डिग्री, डाल्टनगंज में 07 डिग्री और बोकारो में अधिकतम तापमान में 01 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज की गई। इस प्रकार राज्य भर में तापमान में सामान्य से तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को रांची में अधिकतम 26.4 और न्यूनतम 13.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा। डाल्टनगंज में अधिकतम 29.4 और न्यूनतम 16.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह बोकारो में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चाईबासा में अधिकतम 31 डिग्री और न्यूनतम 16.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

### रांची में 7 डिग्री गिरा पारा

*राजधानी रांची में शनिवार को बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में 7 डिग्री की कमी दर्ज की गई। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान जहां 33 डिग्री था, वही रविवार को तापमान गिर कर 26 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।*

## बंगाल चुनाव पर तेजस्वी का बयान, कहा- भाजपा के दांव नाकाम, ममता की वापसी तय

**धनबादः** कोलकाता से पटना लौटने के दौरान राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव गोविंदपुर स्थित एक रिसॉर्ट में कुछ समय के लिए ठहरे. जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा प्रहार किया. तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाने का फैसला उनका निजी निर्णय नहीं, बल्कि दबाव में लिया गया कदम प्रतीत होता है. उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की राजनीति में भी महाराष्ट्र जैसी स्थिति बनाने की कोशिश हो रही है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा अपने सहयोगी दलों को धीरे-धीरे कमजोर कर देती है और अंततः उन्हें समाप्त कर देती है. उनका कहना था कि जदयू के साथ भी यही रणनीति अपनाई जा रही है, ताकि एक कमजोर और नियंत्रण में रहने वाला नेतृत्व स्थापित किया जा सके.

राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि एनडीए के पास पर्याप्त संख्या नहीं थी, फिर भी उन्होंने राजनीतिक जोड़-तोड़ के जरिए अपने पक्ष में परिणाम कर लिया. केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं. किसानों के मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों पर दबाव बढ़ रहा है.

पश्चिम बंगाल को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा वहां हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन जनता का समर्थन ममता बनर्जी के साथ है और वे दोबारा सत्ता में आएंगी. तेजस्वी यादव ने यह भी बताया कि आगामी 5 तारीख को रांची में पार्टी का एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें संगठन को मजबूत करने और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी.

## एमजीएम और एसएनएमएमसीएच के विस्तार के लिए 1300 करोड़ रु से अधिक की योजना

**संवाददाता रांचीः** झारखंड सरकार ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर और शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, धनबाद में एमबीबीएस एवं पीजी सीटों में वृद्धि के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन केंद्र सरकार को भेज दिया है। यह प्रस्ताव केंद्र प्रायोजित योजना के तहत भेजा गया है और स्वीकृति मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

### इंफ्रास्ट्रक्चर का होगा विस्तार

सीट वृद्धि को ध्यान में रखते हुए दोनों मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर भवन, अस्पताल और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में राज्य योजना से दो 500 बेड के अस्पताल स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें एक चालू है और दूसरा निर्माणाधीन है। वहीं धनबाद मेडिकल कॉलेज में लगभग 900 करोड़ रुपये की इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजना प्रस्तावित है।

## मंत्री ने की रोरो नदी पर पुल निर्माण की शुरुआत

### » चाईबासा-सरायकेला संपर्क होगा मजबूत

**चाईबासाः** जिले में विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रोरो नदी पर बनने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का शिलान्यास रविवार को किया गया। मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत बनने वाले इस पुल की आधारशिला राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा ने विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर रखी। लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल सदर प्रखंड के गाईसूटी पंचायत स्थित कांकी से गिनडीमुंडी को जोड़ने वाले मार्ग पर निर्मित होगा।

पुल के निर्माण के बाद चाईबासा और सरायकेला-खरसावां जिले के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। इससे क्षेत्रीय आवागमन पहले की तुलना में काफी आसान और सुगम हो जाएगा। स्थानीय ग्रामीणों की लंबे समय से इस पुल की मांग रही है, क्योंकि बरसात के दिनों में रोरो नदी पार करना बेहद कठिन हो जाता था और लोगों को आवागमन के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता था।

बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने से स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों और किसानों को सबसे अधिक परेशानी होती थी। ऐसे में पुल निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि आसपास के गांवों में व्यापार, कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है और हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उसकी प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी, मंगल सिंह तियू, मानाराम कुदादा, राजू सुंडी, प्रधान गोप, मनीष सुंडी और मुखिया अनिता तियू सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## जमशेदपुर में निकली अखंड तिरंगा यात्रा

### » वीर शहीदों को किया गया याद

**जमशेदपुरः** शहीद दिवस से एक दिन पहले शहर में अखंड तिरंगा यात्रा निकाली गई. इस तिरंगा यात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी.

**तिरंगा यात्रा में उमड़े लोगः** जमशेदपुर में नमन संस्था की ओर से शहीद दिवस को लेकर अखंड तिरंगा यात्रा सह सम्मान शहीद यात्रा निकाली गई. इस दौरान एग्रीको ट्रांसपोर्ट मैदान से अखंड तिरंगा यात्रा निकली और शहर के विभिन्न चौक चौराहों से होकर गुजरी. इस तिरंगा यात्रा में लाखों लोग हाथ में तिरंगा लेकर शामिल हुए. विभिन्न संगठन के अलावा सभी राजनीतिक दल के लोगों ने भी इस तिरंगा यात्रा में शामिल होकर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दी.

**अमर शहीदों को श्रद्धांजलिः** हर साल इस तरह का आयोजन करने वाले अमरप्रीत सिंह काले ने बताया कि यह यात्रा देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक सशक्त माध्यम है. इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करना और समाज में एकता को सुदृढ़ करना है.

**वीर जवानों के साहस और बलिदान की वजह से देश सुरक्षितः** उन्होंने बताया कि जब-जब देश पर संकट आया है, तब-तब हमारे वीर जवानों ने अपने साहस और बलिदान से देश को सुरक्षित रखा है. ऐसे में हमारा दायित्व है कि हम उनके बलिदान को याद रखें और आने वाली पीढ़ियों तक राष्ट्रप्रेम की यह भावना पहुंचाएं.

बता दें कि 23 मार्च 1931 को देश की खातिर शहीद हुए क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की याद में हर साल 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है. भारत माता की जय घोष के साथ देश प्रेम और तिरंगे का सम्मान का संदेश देने वाले इस आयोजन में महिलाओं की भागीदारी भी रहती है.

## पलामू के जंगल में महुआ चुनने गए बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या

**पलामूः** पलामू जिले के पांकी प्रखंड स्थित माड़न पंचायत के केरकी गांव के जंगल में रविवार सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान केरकी गांव निवासी राजदेव पासवान के रूप में हुई है। राजदेव अपनी पत्नी के साथ सुबह महुआ चुनने जंगल गए थे। सुबह करीब सात बजे उनकी पत्नी नाश्ता लाने के लिए घर लौट गई थीं। जब वह वापस जंगल पहुंचीं, तो देखा कि उनके पति को गोली मारी गई है और वह मौके पर ही मृत पड़े हैं।

पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।

इधर, पलामू के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया है और परिजनों से पूछताछ कर मामले की तहकीकात की जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी मौके पर पहुंचे। मुखिया प्रतिनिधि रफीक अंसारी, जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी और समाजसेवी मंटू शर्मा ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए प्रशासन से जल्द मामले का खुलासा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

## मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने रांची, झारखंड में अपना नया शोरूम लॉन्च किया

रांचीः मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, जो एक ज़िम्मेदार ज्वेलर के तौर पर जाना जाता है, गर्व के साथ रांची में अपने नए शोरूम की घोषणा करता है। यह झारखंड में उसका दूसरा शोरूम है। 5000 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला यह नया स्टोर ग्राहकों को विश्व-स्तरीय खरीदारी का अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें विभिन्न डिज़ाइन और शैलियों के आभूषणों का एक शानदार संग्रह मौजूद है। यह लॉन्च भारत में अपने विस्तार के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और कदम है, जिसके साथ वह बेहतरीन कारीगरी और सेवा प्रदान करना जारी रखेगा।

यह शोरूम भारत के पूर्वी क्षेत्र में ब्रांड का 17वां आउटलेट है, जो इस क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और नेतृत्व को और मज़बूत करता है। नए शोरूम के उद्घाटन समारोह की शोभा माननीय शिल्पी नेहा तिर्की, कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री, झारखंड सरकार ने बढ़ाई। उनके साथ प्रबंधन टीम के सदस्य, सम्मानित ग्राहक और शुभचिंतक भी उपस्थित थे।

भारत, मध्य पूर्व, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड सहित 14 देशों में 425 से अधिक शोरूम के वैश्विक नेटवर्क के साथ, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स अपने व्यापक संग्रह, असाधारण गुणवत्ता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। अपनी उपस्थिति को और मज़बूत करते हुए, ब्रांड मार्च में पूरे भारत में 20 नए शोरूम खोलकर अपने विस्तार की तैयारी में है, जो प्रीमियम आभूषणों को अधिक सुलभ बनाने की उसकी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

ये शोरूम सोने, हीरे, प्लैटिनम और चांदी के आभूषणों तथा रत्न-जड़ित आभूषणों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करते हैं, जो विभिन्न रुचियों को पूरा करते हैं—भारत की विरासत में रचे-बसे पारंपरिक डिज़ाइनों से लेकर आधुनिक संवेदनशीलता के लिए समकालीन शैलियों तक।

इस अवसर पर, मालाबार ग्रुप के डायरेक्टर, एमपी अहमद ने कहा, "हमें रांची में अपना नया शोरूम लॉन्च करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में, हम ऐसे आभूषण पेश करने के लिए समर्पित हैं जो असाधारण कारीगरी और कालातीत सुंदरता का मेल हों। गुणवत्ता, ईमानदारी और ग्राहकों की संतुष्टि पर मज़बूत ज़ोर देते हुए, हम रांची में अपना बेहतरीन संग्रह लाने और यहाँ के अद्भुत लोगों को खरीदारी का एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।"

यह शोरूम ग्राहकों को खरीदारी का एक दोषरहित अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें आकर्षक डिस्प्ले और एक उच्च प्रशिक्षित टीम मौजूद है जो ग्राहकों को उनके लिए एकदम सही आभूषण चुनने में मार्गदर्शन करती है। इस जगह का मकसद ग्राहकों को ज्वेलरी शॉपिंग का एक बेजोड़ अनुभव देना है, जिसमें अंदर काफी जगह और पार्किंग की भी पूरी सुविधा हो।

लॉन्च के जश्न के मौके पर, ग्राहक सोने, अनकट और जेमस्टोन ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 40% तक की छूट और हीरे की कीमत पर 30% तक की छूट पा सकते हैं। ये ऑफर 31 मार्च, 2026 तक वैलिड हैं। साथ ही, ग्राहक अक्षय तृतीया से पहले ही अपनी ज्वेलरी सिर्फ़ 10% एडवांस पेमेंट करके बुक कर सकते हैं। अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं, तो आप बुक किए गए रेट पर ही खरीद सकते हैं। अगर कीमतें घटती हैं, तो आपको कम वाला रेट मिलेगा।

इस शोरूम का लॉन्च मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के उस विज़न को दिखाता है, जिसके तहत वह दुनिया का सबसे पसंदीदा ज्वेलरी ब्रांड बनना चाहता है। इसके लिए वह पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक इनोवेशन के साथ मिलाकर ऐसे ज्वेलरी पीस बनाता है जो हमेशा खास बने रहें, और साथ ही सस्टेनेबिलिटी और समाज की भलाई को भी प्राथमिकता देता है।

### मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के बारे मेंः

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की शुरुआत 1993 में हुई थी और यह Malabar Group की मुख्य कंपनी है। मालाबार ग्रुप एक जाना-माना और कई तरह के कारोबार करने वाला भारतीय बिज़नेस ग्रुप है। $6.2 बिलियन के सालाना टर्नओवर के साथ, यह कंपनी अभी दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी ज्वेलरी रिटेलर है और डेलॉइट की लग्जरी गुड्स वर्ल्ड रैंकिंग में 19वें नंबर पर है। इनका रिटेल नेटवर्क बहुत मज़बूत है, जिसमें 14 देशों में फैले 425 से ज़्यादा शोरूम शामिल हैं। इसके अलावा, भारत, मध्य पूर्व, सुदूर पूर्व, USA, UK, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में इनके कई ऑफिस, डिज़ाइन सेंटर, होलसेल यूनिट और फैक्ट्रियाँ भी हैं। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स का एक ऑनलाइन शोरूम www.malabargoldanddiamonds.com भी है, जो ग्राहकों को अपने घर बैठे-बैठे, किसी भी समय और किसी भी दिन अपनी पसंदीदा ज्वेलरी खरीदने का मौका देता है। ESG (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) और CSR, ग्रुप की शुरुआत से ही उसकी मुख्य प्राथमिकताएँ रही हैं। मालाबार ग्रुप के मुख्य फोकस क्षेत्र हैं - स्वास्थ्य, आवास, भूख-मुक्त दुनिया, शिक्षा, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।